3 राजधानी
दिल्ली को चाहिए डबल इंजन की सरकार:बिधूड़ी

6 अभिमत
तालिबानों से महिलाओं का संघर्ष

11 विदेश
ओली नेपाल के नए प्रधानमंत्री नियुक्त

12 स्पोर्ट्स
भारत ने जिंबाब्वे को हरा सीरीज 4-1 से जीती

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 246
नई दिल्ली, सोमवार, 15 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

एक पेड़ मां के नाम
जलवायु परिवर्तन को सटीक जवाब
राष्ट्रीय-10

डोनाल्ड ट्रंप ने दी मौत को मात

बटलर। एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर हुए हमले के तुरंत बाद रविवार को देशवासियों से एकजुटता और दृढ़ता का आह्वान किया। गोलीबारी में ट्रंप घायल हो गए लेकिन उनकी हालत ठीक है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पेनसिल्वेनिया के बटलर में शनिवार को चुनावी रैली में एक युवक ने गोलियां चलाईं और जो उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी, लेकिन वो बाल-बाल बच गए। सहयोगियों के अनुसार उनकी हालत ठीक है। वहीं हमलावर को सीक्रेट एजेंसी के सदस्य ने मौके पर ही मार गिराया। यह घटना मिल्वाकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन से दो दिन पहले हुई। इस सम्मेलन में ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। पूर्व राष्ट्रपति पर हुए हमले की रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक नेताओं समेत दुनिया भर के शीर्ष नेताओं ने हमले की निंदा की है।

राष्ट्रपति चुनाव के रिपब्लिकन उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमले के बाद उनको सुरक्षित घेरे में मंच से ले जाते सुरक्षाकर्मी।

चुनावी रैली में हमले के बाद ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रूथ पर लिखा, मुझे तुरंत लगा कि कुछ गड़बड़ है, क्योंकि मैंने एक तेज आवाज सुनी, गोलियां चलीं और तभी मुझे महसूस हुआ कि गोली मेरी त्वचा को चीरती हुई निकल गई। बहुत खून निकला। उन्होंने कहा, भगवान ने ही वह सब होने से रोक लिया जिसके बारे में सोचा भी नहीं था। ट्रंप की पोस्ट के अनुसार, ऐसे समय में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि हम एकजुट रहें और अमेरिकियों के तौर पर अपना मूल चरित्र बनाए रखें। हम मजबूत और दृढ़संकल्पित बने रहें और बुराई को न जीतने दें। एफबीआई ने रविवार को हमलावर की पहचान पेनसिल्वेनिया के बेथेल पार्क निवासी 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की। उसके पास एक राइफल थी। सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने उसे मार गिराया। गोलीबारी की इस घटना में ट्रंप की रैली में मौजूद एक व्यक्ति की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हमला 1981 में तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन को गोली मारे जाने के बाद से अमेरिका के किसी राष्ट्रपति या राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या की सबसे संगीन कोशिश थी। हमले के बाद, पूर्व राष्ट्रपति को तुरंत मंच से बाहर ले जाया गया। ट्रंप ने भीड़ की ओर मुठ्ठी बांध कर हाथ हवा में लहराया और कहा कि हम मुकाबला करेंगे। इसके बाद, उन्हें कार में बिठाकर पिट्सबर्ग क्षेत्र के एक अस्पताल ले जाया गया। सुरक्षित स्थान पर ले जाए जाते वक्त ट्रंप ने कहा, मुझे मेरे जूते ले लेने दीजिए।

गोलीबारी की इस घटना में रैली में मौजूद एक व्यक्ति की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की जांच हत्या के प्रयास मामले के तौर पर की जा रही है। सीक्रेट सर्विस के एक सदस्य ने हमलावर को मार गिराया। संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने हमलावर की पहचान बेथेल पार्क के रहने वाले 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की है। वह रिपब्लिकन के रूप में वोट करने के लिए पंजीकृत था। शूटर के पास जो एआर-15 था, वह मिलिट्री एम-16 का सेमी-ऑटोमैटिक सिविलियन वर्जन है।

एफबीआई के विशेष एजेंट एवं पिट्सबर्ग कार्यालय के प्रभारी केविन रोजेक ने संवाददाताओं से कहा कि यह हैरानी की बात है कि बंदूकधारी कई गोलियां चला पाने में कामयाब रहा। रोजेक ने कहा, आज शाम हमारे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला किया गया। पेनसिल्वेनिया राज्य पुलिस के जॉर्ज बिवेंस ने कहा कि अधिकारियों को हथियार के संबंध में अंदाजा है लेकिन अभी जांच जारी है। ट्रंप पर हमले की घटना के करीब दो घंटे बाद बाइडन ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, हम ऐसा नहीं होने दे सकते। अमेरिका में इस तरह की हिंसा पहले कभी नहीं सुनी। व्हाइट हाउस ने बताया कि ट्रंप के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव में किस्मत आजमा रहे राष्ट्रपति जो बाइडन को हमले के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने गोलीबारी के कई घंटे बाद ट्रंप से फोन पर बातचीत की। बाइडन ने कहा, अमेरिका में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने डेलवेयर के रिहाबोथ बीच पर स्थित अपने बीच (शेष पेज 9)

लखनऊ में भाजपा कार्यसमिति की बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साथ में हैं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, पार्टी नेता भूपेंद्र सिंह चौधरी, स्मृति ईरानी, अरुण सिंह और अन्य

नियमों के तहत मनाएं जाएं धार्मिक उत्सावः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि किसी भी तरह के समारोह या उत्सव को अधिकारियों द्वारा तय नियमों के तहत ही मनाया जाना चाहिए, अन्यथा जो लोग ऐसा नहीं कर सकते, उन्हें ऐसे किसी भी कार्यक्रम से से दूर और घर के अंदर ही रहना चाहिए। उन्होंने कहा भाजपा कार्यकर्ता जब विपक्ष में थे तो जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए संघर्ष करते थे, अब जब सरकार में हैं तो उत्तर प्रदेश में सुरक्षित वातावरण देख रहे हैं। याद कीजिए मुहर्रम के समय में सड़कें खाली हो जाती थीं और आज जब मुहर्रम होता है तो पता भी नहीं चलता।

योगी ने कहा कि पहले ताजिया के नाम पर घर तोड़ दिए गए, पीपल के पेड़ काट दिए गए, सड़कों से तार हटा दिए गए। आज कहा जा रहा है कि किसी गरीब की झोपड़ी नहीं हटाई जाएगी। सरकार नियम बनाएगी, अगर त्योहार मनाना है तो नियमों के तहत मनाएं, नहीं तो घर बैठें,। योगी ने लखनऊ में भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। योगी की यह टिप्पणी राज्य और देश भर में मुहर्रम जुलूस के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। पिछले सप्ताह भी सीएम ने गोरखपुर दौरे के दौरान मुहर्रम के दौरान हथियार और गोला-बारूद ले जाने पर रोक लगाने पर जोर दिया था और कहा था कि जुलूसों पर कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए, जिन्हें लिखित अनुमति के बाद ही अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने मौजूदा परंपराओं (शेष पेज 9)

मणिपुर में उग्रवादियों के हमले में सीआरपीएफ का जवान शहीद

पायनियर समाचार सेवा। इंफाल/गुवाहाटी

मणिपुर के जिरीबाम जिले में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पुलिस के साथ संयुक्त पैट्रोलिंग टीम पर संदिग्ध उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान शहीद हो गया जबकि, पुलिस के कमांडो घायल हो गए।पुलिस ने बताया कि हमले में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान बिहार के 43 वर्षीय अजय कुमार झा के रूप में की गई है। जवान के सिर में गोली लगी थी और अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। घायल पुलिसकर्मी का इलाज जारी है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हमले की निंदा की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं आज जिरीबाम जिले में एक सशस्त्र समूह के हमले और उसमें सीआरपीएफ के एक जवान की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। इस सशस्त्र समूह के कुकी उग्रवादी होने का संदेह है। उन्होंने कहा, कर्तव्य के निर्वहन के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। मैं शहीद सैनिक के शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, साथ ही हमले के दौरान घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात को भी गांव में गोलियों की आवाजें सुनाई दीं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि रविवार के हमले के बाद मोंगबुंग में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी में सुरक्षाकर्मियों का एक वाहन क्षतिग्रस्त हुआ है।

46 साल बाद खोला गया जगन्नाथ मंदिर का रत्न मंडार

पायनियर समाचार सेवा। पुरी/नई दिल्ली

पुरी में 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर के प्रतिष्ठित खजाने रत्न भंडार को रविवार को 46 साल बाद फिर से खोला गया, ताकि कीमती सामानों की सूची बनाई जा सके और इसकी संरचना की मरम्मत की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इस मकसद से राज्य सरकार द्वारा गठित समिति के सदस्यों ने दोपहर करीब 12 बजे मंदिर में प्रवेश किया और अनुष्ठान करने के बाद खजाने को फिर से खोल दिया गया। राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान रत्न भंडार को फिर से खोलना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया था। तत्कालीन सत्तारूढ़ बीजद पर चाबियों के गुम होने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने वादा किया था कि अगर वह चुनाव जीतती है तो खजाने को फिर से खोलने का प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, भगवान जगन्नाथ की इच्छा पर ओडिया अस्मिता की पहचान रखने वाले ओडिया समुदाय ने आगे बढ़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। दोपहर 1.28 बजे सोशल मीडिया पर साझा कर कहा गया, आपकी इच्छा पर जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार पहले ही खोल दिए गए थे। आज आपकी इच्छा पर 46 साल बाद एक बड़े उद्देश्य के लिए रत्न भंडार खोला गया। शुभ घड़ी में खजाने को फिर से खोलने का फैसला किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गठित समिति के सदस्यों ने दोपहर करीब 12 बजे मंदिर में प्रवेश किया और अनुष्ठान करने के बाद रत्न भंडार पुन: खोला गया। ओडिशा में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में रत्न भंडार को पुन: खोलना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा गरमाया था। भाजपा ने तत्कालीन सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) पर इसकी खोई हुई चाबियों को लेकर निशाना साधा था और लोगों से वादा किया था कि अगर वह चुनाव जीतती है तो रत्न भंडार को फिर से खोलने का प्रयास करेगी।ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा (शेष पेज 9)

कावेरी नदी मुद्दे ने पकड़ा तूल

कुमार चेल्लप्पन। चेन्नई

कावेरी नदी जल का मुद्दा एक बार फिर से तमिलनाडु में धान के कटोरे वाले क्षेत्र में कम समय में होने वाले कुरुवई फसल के समय सामने आ गया है। कावेरी जल विनियमन समिति (केडब्ल्यूआरसी) ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक सरकार से 12 जुलाई से 31 जुलाई तक तमिलनाडु को प्रतिदिन एक हजार मिलियन क्यूबिक फीट (टीएमसीएफटी) पानी छोड़ने को कहा है ताकि तमिलनाडु के निचले तटवर्ती चार जिलों (तिरुवरुर, तंजावुर, नागपट्टिनम और तिरुचिरापल्ली) में कुरुवई खेती का काम शुरू किया जा सके। लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने ऊपरी तटवर्ती राज्य द्वारा 31 जुलाई से पहले तमिलनाडु को कोई भी पानी छोड़ने की संभावना (शेष पेज 9)

फर्जी ई-नोटिस पर गृहमंत्रालय ने किया सतर्क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय की साइबर अपराध इकाई ने रविवार को कहा कि ईमेल पर किसी सरकारी कार्यालय से संदिग्ध ई-नोटिस मिलने पर लोगों को इसमें लिखे अधिकारी के नाम की प्रामाणिकता की इंटरनेट पर जांच करनी चाहिए और संबंधित विभाग को फोन करना चाहिए।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (14सी) के अनुसार, उपयोगकर्ताओं को किसी सरकारी ई-नोटिस की आड़ में भेजे गए फर्जी ईमेल को लेकर सतर्क रहना चाहिए। यह कोई ठग हो सकता है जो लोगों को साइबर धोखाधड़ी का शिकार बना सकता है। 14सी ने ऐसे ईमेल पर क्लिक करने या उनका जवाब देने से पहले जवाबी उपाय सुझाए हैं कि यह जांच करें कि क्या ईमेल किसी प्रामाणिक सरकारी वेबसाइट से आया है जिसके अंत में जीओवी डॉट इन है, ईमेल में नामित अधिकारियों के संबंध में इंटरनेट पर जानकारी खंगाले और प्राप्त ईमेल को सत्यापित करने के लिए संबंधित विभाग को फोन करें।

इस महीने की शुरुआत में, केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने ईमेल उपयोगकर्ताओं को दिल्ली पुलिस साइबर अपराध और आर्थिक अपराध, केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो (सीईआईबी), खुफिया ब्यूरो और दिल्ली के साइबर प्रकोष्ठ के नाम, हस्ताक्षर, टिकट और लोगो वाले धोखाधड़ी के ईमेल के बारे में सचेत करते हुए एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया। चार जुलाई को जारी परामर्श के अनुसार, इन ईमेल के साथ संलग्न पत्र में ईमेल प्राप्तकर्ताओं के खिलाफ बाल पोर्नोग्राफी, बाल यौन शोषण, साइबर पोर्नोग्राफी, अश्लीलता के आरोप लगाए जाते हैं। इसमें कहा गया है कि ठग ऐसे फर्जी ईमेल भेजने के लिए अलग-अलग ईमेल पते का इस्तेमाल करते हैं। इसमें कहा गया है, ऐसे किसी भी ईमेल के प्राप्तकर्ता को इस धोखाधड़ी के प्रयास के बारे में पता होना चाहिए। आम जनता को सूचित किया जाता है कि संलग्नक के साथ ऐसे किसी भी ई-मेल का जवाब नहीं दिया जाना चाहिए और ऐसे मामलों की सूचना निकटतम पुलिस थानेसाइबर पुलिस थाने को दी जा सकती है। गृह मंत्रालय और 14सी के रविवार को जारी परामर्श में कहा गया है कि ऐसे संदिग्ध ईमेल और अन्य प्रकार की साइबर धोखाधड़ी के बारे में तुरंत साइबर अपराध की वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराए या साइबर अपराध के हेल्पलाइन नंबर पर फोन करे। साथ ही ऐसे किसी भी ईमेल का जवाब नहीं दिया जाना चाहिए और ऐसे मामलों की रिपोर्ट निकटतम पुलिस स्टेशन/साइबर पुलिस स्टेशन में की जा सकती है। साइबर अपराधों से व्यापक तरीके से निपटने के लिए गृह मंत्रालय (शेष पेज 9)

अल्काराज ने जोकोविच को हराकर चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता

एपी। लंदन

स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने रविवार को यहां सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच को 6-2, 6-2, 7-6 (4) से हराकर 21 साल की उम्र में लगातार दूसरा विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम किया। यह ऑल इंग्लैंड क्लब के घसियाले कोर्ट पर पिछले साल के फाइनल मैच का दोहराव था जिसमें अल्काराज ने पांच सेट में जोकोविच को हराया था।

सेंटर कोर्ट पर रविवार को खेला गया फाइनल अल्काराज के लिए काफी आसान रहा जिसमें दर्शकों में कैंसर का उपचार करा रही ब्रिटेन की वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन भी मौजूद थीं। अल्काराज सिर्फ तीसरे सेट में 5-4 पर जीत के लिए सर्विस करते समय तीन मैच प्वाइंट बरकरार रखते समय लड़खड़ाए। पर उन्होंने खुद को संभाला और पिछले महीने फ्रेंच ओपन में मिली जीत के बाद लगातार दूसरी ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीती। स्पेन के इस खिलाड़ी ने 2022 अमेरिकी ओपन में किशोर के तौर पर अपना पहला स्लैम खिताब जीता था। किसी भी खिलाड़ी ने 22 साल का होने से पहले उनसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम खिताब नहीं जीते हैं। इससे मेजर फाइनल्स में उनका रिकॉर्ड 4-0 हो गया। वहीं 37 वर्षीय जोकोविच अपने आठवें विम्बलडन और 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब से चूक गए। वह सर्जरी हुए घुटने

पर पट्टी लगाए थे। तीन जून को रोलां गैरों में उनके घुटने में चोट लगी थी और दो दिन बाद ही उनकी सर्जरी हुई थी। करीब छह हफ्ते बाद भी जोकोविच रविवार को फॉर्म में नहीं दिखे। जोकोविच के दोनों बच्चे गेस्ट बॉक्स में थे, उन्होंने कहा, पहले दो सेट में मेरे खेल का स्तर अच्छा नहीं था। आज सब कुछ उसके हक में था। मैंने उसे पछाड़ने की कोशिश की। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। तीसरे सेट में अल्काराज 5-4 से आगे थे। वह 40-लव से आगे था पर मौका उनके हाथ से निकल गया। वह डबल फॉल्ट करके अपना पहला चैम्पियनशिप प्वाइंट गंवा बैठे। इससे उनकी पांच गलतियों का सिलसिला शुरू हुआ जिसके कारण यह गेम जोकोविच ने अपने नाम किया। अल्काराज का एक बैकहैंड, एक फोरहैंड वॉली, एक फोरहैंड, एक और फोरहैंड खराब रहा। जोकोविच ने पूरे मैच में सिर्फ यहीं अल्काराज की सर्विस तोड़ी। फिर स्कोर फाइव-ऑल हो गया जिससे अल्काराज परेशान दिखे और जोकोविच की वापसी की उम्मीद जगी। लेकिन टाईब्रेकर में अल्काराज ने अपना चौथा मैच प्वाइंट हासिल किया और जितना हो सके उतना कूल रहे। और जल्द ही वह अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो और अन्य लोगों को गले लगाने के लिए स्टैंड पर चढ़ते दिखे।मुकाबला ढाई घंटे के अंदर खत्म हुआ। शुरुआती गेम से उतार चढ़ाव भरे लंबे मुकाबले की उम्मीद थी। लेकिन पहले दो सेट अल्काराज ने 6-2 से जीत लिए जिससे तीसरा सेट मैच का सबसे प्रतिस्पर्धी रहा। जोकोविच ने पहले सेट में डबल फॉल्ट से दो ब्रेक प्वाइंट गंवा दिए। फिर दूसरे सेट की शुरुआत में नेट में वॉली लगाई और अंत में डबल-फॉल्ट से इसे गंवा बैठे। युवा अल्काराज ने अपने से उम्रदराज जोकोविच के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया जिसमें उन्होंने ऐसे शॉट खेल जिन्हें कोई आजमा भी नहीं सकता था। फाइनल से दो दिन पहले जोकोविच ने अल्काराज की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था, मैं उसमें और खुद में बहुत समानताएं देखता हूं और यह कोर्ट से सांमजस्य बिठाने की काबिलियत के आधार पर कह रहा हूं।

न्यू नोएडा: लैंड पूलिंग पॉलिसी से अधिग्रहण संभव

● शासन से मास्टर प्लान 2041 को मिलेगी मंजूरी, 203 वर्ग किमी में बसेगा नया शहर

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

वेस्ट यूपी में निवेश का केंद्र अब (दादरी नोएडा गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन) न्यू नोएडा होगा। डीएनजीआईआर गौतमबुद्ध नगर के 80 गांवों की जमीन अधिग्रहीत कर बसाया जाएगा। इसका मास्टर प्लान शासन को भेजा गया है। जमीन अधिग्रहण के लिए यहां लैंड पूलिंग पॉलिसी को लागू किया जा सकता है।

इस पर विचार किया जा रहा है। इसके लागू होने के साथ ही शासन न्यू नोएडा के मास्टर प्लान को अप्रूव करेगा और गांव में जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। प्राधिकरण ने 213 वीं बोर्ड में करीब 1 हजार करो? रुपए जमीन अधिग्रहण के रिजर्व किए हुए है। जिनका पूरे वित्त वर्ष में उपयोग नहीं हो सका। ऐसे में अब यहां लैंड पूलिंग नीति को लागू करने के साथ जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। न्यू नोएडा का मास्टर प्लान प्राधिकरण और एसपीए (स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट) ने बनाया है। डीएनजीआईआर करीब 21 हजार हेक्टेयर (203 वर्ग किमी) में बसाया जाएगा। लैंड पूल नीति के तहत भू-स्वामी को 5 वर्ष तक अथवा विकसित भूखंड प्राप्त होने तक क्षतिपूर्ति के आधार पर मासिक रूप से मुआवजा 5000 रुपए प्रति एकड़ प्रतिमाह होगा।

योजना के तहत पुलिस में दी गई भूमि का 25 प्रतिशत भू-स्वामी को आवंटित की जाएगी। विकसित भूमि का 80 प्रतिशत भूमि औद्योगिक उपयोग के लिए जो कम से कम 450 वर्गमीटर का होगा। 12 प्रतिशत उपयोग आवासीय जो कम से कम 172 वर्ग मीटर वहीं, 8 प्रतिशत उपयोग व्यवसायिक के लिए जो कम से कम 48 वर्ग मीटर का होगा।जहां भी न्यूनतम आकार भी भूमि से कम भू-स्वामी को आवंटित होगी वहां उन मामलों में भू-स्वामी द्वारा अतिरिक्त भूमि मानकों के अनुसार खरीदी जा सकेगी। लैंड पूल नीति में बाई-बैक का प्रावधान नहीं होगा। आवंटित भूमि पर मास्टर प्लान, बिल्डिंग बायलॉज , स्वीकृत ज़ोनल प्लान लीज डीड की शर्तें मान्य होंगी। भू-स्वामी के लिए स्टांप ड्यूटी देय नहीं होगी। लेकिन प्राधिकरण को पंजीकरण शुल्क देना होगा। विकसित भूखंड पर जल आपूर्ति, जल निकासी, सीवरेज , बिजली, , कचरा निष्पादन निपटारा का प्रावधान किया जाएगा। 21 हजार हेक्टेयर या 203 वर्ग किमी में न्यू नोएडा को बसाया जाना है। डीएनजीआईआर मास्टर प्लान 2041 में 40 प्रतिशत भू उपयोग औद्योगिक , 13 प्रतिशत आवासीय और ग्रीन एरिया व रिक्रेशनल एक्टिविटी के लिए 18 प्रतिशत प्रावधान किया गया है। छ्हत्ढ्क्र को गौतमबुद्ध नगर के 20 और बुलंदशहर के 60 गांवों को मिलाकर बनाया गया है। इस शहर की आबादी 6 लाख के आसपास होगी।

यह है मास्टर प्लान

- रेजिडेंशियल 2477
- कॉमर्शियल 905.97
- पीएसपी इंस्टीट्यूशनल 1682.15
- फैसिलिटी 198.85 इंडस्ट्री 8811
- ग्रीन पार्क / ओपेन एरिया 3173.94
- रिक्रेशनल 420.60
- वाटर बॉडी 150.65
- ट्रैफिक और ट्रांसपोटेशन 3282.59

दुश्मनों को जेल भिजवाने के लिए मां ने रची बच्चे के अपहरण की झूठी साचिश

● बॉयफ्रेंड संग आरोपी महिला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में एक मां ने बॉयफ्रेंड संग मिलकर 7 साल के बेटे का अपहरण करा दिया। मां चाहती थी अपहरण के आरोप में उसके दो दुश्मन जेल चले जाएं। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो आरोपी बॉयफ्रेंड इस बच्चे को उसकी मौसी के घर छोड़कर भाग निकला।

मौसी बच्चे को लेकर सीधे पुलिस के पास पहुंच गई। उसके बाद पूरा मामला खुलकर सामने आ गया। पुलिस ने बच्चे की मां और उसके बॉयफ्रेंड को रविवार को संतोष मेडिकल सर्विस रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी ज्ञानंजय सिंह ने बताया, 13 जुलाई को विजयनगर क्षेत्र की महिला ने अपने बेटे के अपहरण होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत अपहरण का केस दर्ज करते हुए बच्चे की तलाश के लिए टीमें बना दी।

जांच के दौरान पता चला कि मां ने साजिश के तहत अपने बच्चे को अगवा कराया है। इस काम में उसके बॉयफ्रेंड ने भी उसका साथ दिया। वह सिकंदराबाद (बुलंदशहर) का रहने वाला है। उसके बाद पुलिस ने रविवार को दोनों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ने बताया कि बच्चे की मां का 2 युवकों आशु शर्मा और प्रेम चोपड़ा से विवाद चला आ रहा है। महिला पूर्व में इन दोनों युवकों पर रेप का मुकदमा दर्ज करा चुकी है। ये मामला कोर्ट में चल रहा है। इसके बाद महिला ने इन दोनों युवकों पर ही मारपीट का एक और मुकदमा दर्ज कराया। अब ये महिला इन दोनों युवकों को जेल भिजवाना चाहती थी। इसलिए उसने बॉयफ्रेंड नीरज संग मिलकर बेटे के अपहरण की प्लानिंग बनाई। प्लानिंग ये थी कि नीरज इस बच्चे को ले जाएगा। तीन-चार दिन तक अपने पास रखेगा। फिर उसको नशीला पदार्थ खिलाकर पुलिस चौकी के पास छोड़ जाएगा। इसके बाद जब पुलिस इस बच्चे से पूछताछ करेगी तो वो आशु शर्मा और प्रेम चौपड़ा के नाम बता देगा। जिसके बाद वो दोनों युवक जेल चले जाएंगे। इधर, जैसे ही पुलिस ने तलाश शुरू की तो आरोपी नीरज घबरा गया और बच्चे को हापुड़ में उसकी मौसी के पास छोड़ गया। मौसी आज यानि रविवार को इस बच्चे को लेकर थाने पर आ गई। पुलिस ने जब बच्चे से पूछताछ की तो उसने मां की करतूत के बारे में पुलिस को बता दिया।

करंट की चपेट में आई बच्ची, मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पॉवर कॉरपोरेशन की लापरवाही ने एक बच्ची की जान ले ली। शनिवार देर रात टूटे पड़े बिजली के खंभे में करंट दौड़ रहा था। इसकी चपेट में आकर 8 साल की बच्ची की मौत हो गई।

बच्ची के पिता ने थाने में तहरीर देकर कॉरपोरेशन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। ये हादसा ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में हुआ है। यहां रामपार्क एक्सटेंशन में रहने वाले हरवीर सिंह गोलप्पे की ठेली लगाते हैं। उनके घर के बाहर एक बिजली का खंभा टूटा पड़ा है। हरवीर की आठ वर्षीय बेटी प्रियांशी शनिवार रात घर के बाहर मौजूद थी।

भट्टा पारसौल के किसानों को मुआवजा देकर 1326 लोगों को कब्जा देगा यीडा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) तथा भट्टा व पारसौल गांव के किसानों के बीच समझौता हो गया है। भट्टा तथा पारसौल के सभी किसानों को जल्दी ही मुआवजा दे दिया जाएगा। इसी कड़ी में जेवर एयरपोर्ट के पास विकसित हो रहे यीडा के सेक्टर-18 तथा सेक्टर-20 में 1326 आवंटियों को कब्जा दे दिया जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट में बड़ी जानकारी दी गयी है। इस मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेवर एयरपोर्ट के पास जल्दी ही 1326 प्लॉटों के आवंटियों को कब्जा दे दिया जाएगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि किसानों के विरोध से सुर्खियों में आए भट्टा और पारसौल गांव में आवंटित किए गए प्लॉट पर घर बनाने का सपना 15 वर्ष बाद पूरा होने वाला है। यमुना प्राधिकरण (यीडा) दिसंबर तक आवंटियों को यहां पजेशन देने की तैयारी में है। यीडा ने किसानों से सहमति के आधार पर यहां जमीन खरीद ली है। यह यीडा की पहली योजना थी जो 15 वर्ष बाद भी पूरी नहीं हो पाई है।

दरअसल, भट्टा और पारसौल गांव में यीडा ने सेक्टर-18 और 20 के आवासीय क्षेत्र को विकसित करने की योजना बनाई थी। इसके लिए वर्ष 2009 में किसानों की जमीन को धारा-4 और 6 तथा 9 की कार्रवाई करके प्राधिकरण ने अधिग्रहण कर लिया। किसानों के विरोध और मामला न्यायालय में होने की वजह से प्राधिकरण को कब्जा नहीं मिल पाया। इससे 2100 आवंटियों को भुगतान के बाद भी पजेशन नहीं दिया जा सका। यीडा ने किसानों से वार्ता जारी रखकर कुछ वर्ष पहले 800 आवंटियों को कब्जा दिलाया था। अब यीडा ने शेष 1326 प्लॉटों पर कब्जे की प्रक्रिया पूरी कर किसानों को मुआवजे के लिए राजी कर लिया है। 25 जुलाई से किसानों का मुआवजा जारी होना शुरू हो जाएगा। अहम है कि वर्ष 2009 में योजना बनाते समय यीडा के अधिकारियों ने कार्यालय में बैठकर सेटेलाइट सर्वे कर लिया था। इसमें किसानों की जमीन पर आबादी का ध्यान नहीं रखा गया था।

कांवड़ यात्रा में ट्रैफिक प्लान का ब्लू प्रिंट तैयार

● गाजियाबाद में एडीजी ने ली बैठक, दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर जल्द डायवर्ट होगा हैवी ट्रैफिक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी ट्रैफिक) के सत्यनारायण शनिवार रात गाजियाबाद पहुंचे। उन्होंने कांवड़ यात्रा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की। ट्रैफिक डायवर्जन का ब्लू प्रिंट देखा। उसको फाइनल टच दिया। ट्रैफिक में और क्या-क्या सुधार की गुंजाइश है, इसके भी टिप्स दिए।

ये बैठक गाजियाबाद पुलिस लाइन के परमजीत हॉल में हुई। इसमें उनके अलावा पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्र, एडिशनल पुलिस कमिश्नर दिनेश कुमार पी आदि अफसर मौजूद रहे। इस बैठक में एडीजी ट्रैफिक को बताया गया कि इस बार कांव? यात्रा का रूट क्या रहेगा, कितने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके अलावा हल्के और भारी वाहनों का रूट डायवर्जन कौन सी तारीख से कैसे-कैसे होगा, इसकी जानकारी भी उन्होंने ली। एडीजी ने कहा कि पुलिस अफसर खुद ही ट्रांसपोर्ट यूनियन और व्यापार मंडलों संग बैठक कर लें, ताकि ब? वाहनों का ज्यादा मूवमेंट इस दौरान न रहे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आसपास के जिलों से कोऑर्डिनेशन के लिए पुलिस ने एक वॉट्सएप ग्रुप बना लिया है। इसमें ट्रैफिक से संबंधित समस्त जानकारियां साझा की जाएंगी।

शोक समाचार

अपार दुख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे पूजनीय पिता
श्री विनोद कुमार राव जी
का स्वर्गवास 08 जुलाई 2024 को हो गया है।
आप सब से निवेदन है कि दिवंगत की आत्मा को अनंत शांति प्राप्ति हेतु 20 जुलाई 2024 को तेरहवी के भोज के लिए पधारे।
कार्यक्रम
दिनांक : 20 जुलाई 2024 समय - सुबह 11 बजे से
स्थान- कम्युनिटी सैंटर, नोएडा सैक्टर-56
शोकाकुल परिवार
कल्पना, विन्नी, कृष्णा, कबीर

PUBLIC NOTICE

My Client Ram Avtar Bharadwaj S/o Jai Narayan Bharadwaj and his wife Krishna Bharadwaj R/o H.No-G1 A" Street No 3, Patel Nagar Sonipat (HR) 131001 has Served all their relation/family Connections with His Son Namely Parvesh and his Wife Annu and Disowned, Debarred Them From Their all moveable and immovable Properties as Parvesh and his Wife Annu Are Disobedient and Disrespectful toward My Client as such They are not In the Control of My Client My Aforesaid Clients Shall Not Be Responsible Liable For Their Acts, Conduct And Deeds In Future From Today.

Tarun Upadhayay (ADVOCATE) Ch No 240, District Court Complex, Sonipat-131001

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

This is to state that Mr. Sonu Agarwal and Mr. Sonu Kumar Agarwal are one and the same person and he is the father of Tejas Agarwal.

PD(596)C

साधुओं की पिटाई का वीडियो वायरल, 3 धरे

मेरठ। मेरठ में कुछ साधुओं की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तीन आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक आयुष विक्रम सिंह ने रविवार को बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कुछ लोग साधुओं को पीटते नजर आ रहे हैं, वह वीडियो लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के प्रह्लाद नगर इलाके का बताया जा रहा है। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते कार्रवाई की।

सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार युवकों की मौत, तीसरा घायल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में रविवार सुबह हादसा हो गया। पिकअप वाहन और बाइक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा घायल है।

ये हादसा रविवार सुबह करीब 6 बजे इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में वसुंधरा स्थित नहर रोड पर हुआ। बाइक सवार तीन युवक कनावनी की तरफ जा रहे थे। सामने से पिकअप वाहन आ रहा था। दोनों में आपस में तेज टक्कर हुई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक से टकराने के बाद पिकअप वाहन सड़क किनारे बिजली के खंभे में जा घुसा। पिकअप बुरी तरह डैमेज हो गया। हादसे में घायल हुए तीनों बाइक सवारों को संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में कैला मलिन बस्ती निवासी इरशाद की मौत हो गई। गंभीर घायल शौकत को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। रास्ते में शौकत निवासी गौशाला फाटक ने भी दम तोड़ दिया।

संक्षिप्त समाचार

सेक्टर-18 पर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी।

कैब ड्राइवर को सड़क पर पीटा

गाजियाबाद। गाजियाबाद में गाड़ी का सनरूफ खोलकर रील बना रहे लड़कों का वीडियो शूट करना कैब ड्राइवर को भारी पड़ गया। इन लड़कों ने कैब ड्राइवर को बीच सड़क पर रोककर डंडों से जमकर पीटा और सिर फोड़ दिया। इसके बाद वो धमकी देते हुए फरार हो गए। थाना इंदिरापुरम पुलिस ने पूरे मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। ये पूरा मामला शनिवार देर रात इंदिरापुरम थाना क्षेत्र का है। जनपद औरेया में सुखचेनपुर विधुना निवासी अभय चौहान दिल्ली-एनसीआर में कैब ड्राइवर है। अभय चौहान शनिवार रात 12.40 बजे अर्टिगा कैब लेकर गाजियाबाद के साहिबाबाद से नोएडा सेक्टर-62 जा रहा था। गाजियाबाद में नेशनल हाईवे-24 स्थित सीआईएसएफ मोड के पास आगे चल रही एक कार में चार-पांच लड़के सनरूफ खोलकर रील बना रहे थे और हु?दंग कर रहे थे। ये देख अभय चौहान ने उनकी मोबाइल से वीडियो बनानी शुरू कर दी। उन लडकों ने अभय को ऐसा करते हुए देख लिया। जिसके बाद आरोपियों ने ओवरटेक करके कैब रुकवा ली और अभय चौहान को नीचे उतारकर लाठी-डंडों से पीटा।

आईईसी कॉलेज में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

नोएडा। आईईसी कॉलेज, ग्रेटर नोएडा में प्रतिष्ठित प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों की विशिष्ट उपलब्धियों और योगदानों का सम्मान किया गया।समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। मुख्य अतिथि भानु प्रताप सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर परिश्रम और समर्पण आवश्यक है। उन्होंने संस्थान के शिक्षकों की भी सराहना की, जिन्होंने छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।समारोह में 10वीं और 12वीं कक्षा के मेधावी छात्रों को विशेष पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इन छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से उच्चतम अंक प्राप्त किए हैं और संस्थान का नाम रोशन किया है।कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सीएफओ अभिजीत कुमार, एक्जीक्यूटिव निदेशक प्रोफेसर सुनील कुमार, निदेशक फार्मेसी डा. भानू सागर, डीन एकेडमिक्स डा. बी सरन, मार्केटिंग हेड गुंजन भाटी, तुषार गुप्ता, दिनेश मदवाल, प्रभात कुमार आदि मौजूद रहे ।

यमुना योद्धा व लखनऊ लॉयन्स की टीम जीती

नोएडा। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेली जा रही,यूपी कबड्डी लीग (यूपीकेएल) के तीसरे दिन शनिवार के पहले मैच में यमुना योद्धा ने नोएडा निन्जा को 7 अंकों (29-22) से शिकस्त दी,जबकि दूसरे मैच में लखनऊ लॉयन्स ने काशी किंग्स को 11 अंकों (42-31) के अंतर से पराजित कर दिया।शनिवार शाम पांच बजे खेले गए, कबड्डी के पहले मुकाबले में, नोएडा निन्जा ने रेड प्वाइंट, टेकल प्वाइंट और बोनस प्वाइंट मिलाकर कुल 22 अंक हासिल किएं, जबकि यमुना योद्धा ने रेड प्वाइंट, टेकल प्वाइंट और बोनस प्वाइंट के साथ कुल 29 अंक हासिल कर जीत अपने नाम कर ली। दूसरे मैच में, लखनऊ लॉयन्स ने काशी किंग्स को 11 अंकों (42-31) के अंतर से पराजित कर दिया। जिसमें विजेता टीम लखनऊ लॉयन्स ने रेड प्वाइंट, टेकल प्वाइंट और बोनस प्वाइंट मिलाकर कुल 42 अंक हासिल किएं।वहीं, दूसरी ओर हार का सामना करने वाली काशी किंग्स महज 31 अंक पर ही सिमट गई। तीसरे दिन के खेल में,खेल प्रेमियों ने लीग मुकाबलों में खास दिलचस्पी दिखाई और स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को भी मैचों में खासा रोमांच देखने को मिला। इस दौरान सभी टीमों के समर्थक अपने-अपने तरीके से खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा रहे थें। कई मर्तवा दर्शकों ने गानों के जरिए भी अपने फेवरेट टीमों को सपोर्ट किया व उनका जोश और जुनून काबिल ए गौर था।

हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः 118, प्रथम तल, 12 गगनदीप बिल्डिंग, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110008
सीआईएनः L70102DL1992PLC047399 दूरभाष +91 11 45108609
ई-मेल आईडीः cs@himalyainternational.com | वेबसाइटः www.himalayafoodcompany.com
वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी)/अन्य-ऑडियो विजुअल माध्यमों (ओवीएएम) के माध्यम से आयोजित 33वीं वार्षिक आम बैठक से संबंधित जानकारी

हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड ("कंपनी") के सदस्यों की 33वीं वार्षिक आम बैठक ("एजीएम") शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024 को सुबह 09:30 बजे (आईएसटी), वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("वीसी")/अन्य ऑडियो-विजुअल साधनों ("ओएवीएम") के माध्यम से के अनुपालन में आयोजित की जाएगी, कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों और इसके तहत बनाए गए नियमों और भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड ("सेबी") (लिस्टिंग दायित्वों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनियमों 2015 ("लिस्टिंग विनियम") सामान्य परिपत्र संख्या-14/20 दिनांक 08 अप्रैल 2020 और 17/20 दिनांक 13 अप्रैल 2020 के साथ पठित, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ("एमसीए") द्वारा जारी सामान्य परिपत्र संख्या-09/2023 दिनांक 25 सितंबर 2023 सहित अन्य संबंधित परिपत्र के साथ पठित, सेबी परिपत्र सं. सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी1/सीआईआर/पी/2020/79 दिनांक 12 मई, 2020 और सेबी परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएफडी-पीओडी-2/पी/सीआईआर/2023/167 दिनांक 07 अक्टूबर, 2023 सहित अन्य संबंधित सेबी परिपत्र एमसीए और सेबी द्वारा इस संबंध में जारी किए गए अन्य लागू परिपत्रों के साथ, एजीएम के नोटिस में निर्धारित किए गए व्यवसायों को लेन-देन करने के लिए।

उपरोक्त परिपत्रों के अनुपालन में, एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट, जिसमें लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट, बोर्ड रिपोर्ट और उससे संलग्न किए जाने वाले अन्य दस्तावेज शामिल हैं, केवल इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से उन सदस्यों को भेजे जाएंगे जिनके ई-मेल पते कंपनी/रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट या डिपॉजिटरी/डिपॉजिटरी प्रतिभागी (प्रतिभागी) के पास पंजीकृत हैं। उपर्युक्त दस्तावेज www.himalayafoodcompany.com पर कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे और नियत समय में बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध होंगे।

ई-मेल पते और बैंक खाता विवरण पंजीकृत/अद्यतन करने का तरीका

(ए) भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यों के लिएः कृपया आवश्यक दस्तावेजों के साथ विधिवत भरा हुआ फॉर्म आईएसआर-1 कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट यानी मेसर्स बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड, तीसरी मंजिल, बीटल हाउस, 99, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे, मदनगीर गांव, मदनगीर, नई दिल्ली, दिल्ली 110062 पर भेजें। फॉर्म आईएसआर-1 कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है और इसे https://himalayafoodcompany.com/pages/forms-for-investors पर देखा जा सकता है।

(ख) डीमैट मोड में शेयर रखने वाले सदस्यों के लिएः कृपया अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागी ("डीपी") के साथ अपने ईमेल पते और/या बैंक खाते का विवरण पंजीकृत/अपडेट करें।

सदस्य केवल वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से एजीएम में शामिल हो सकते हैं और भाग ले सकते हैं। एजीएम में शामिल होने के निर्देश और भागीदारी के तरीके नोटिस में दिए जाएंगे। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने वाले सदस्यों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 103 के तहत कोरम की गणना के उद्देश्य से गिना जाएगा।

कंपनी अपने सभी सदस्यों (डीमैट/भौतिक रूप में शेयर रखने वाले) को एजीएम की सूचना में निर्धारित प्रस्तावों पर अपना वोट डालने के लिए रिमोट ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान करेगी। रिमोट ई-वोटिंग की प्रक्रिया और तरीका, वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में शामिल होने की सुविधा और एजीएम में ई-वोटिंग, डीमैट फॉर्म या फिजिकल फॉर्म में शेयर रखने वाले सदस्यों और उन सदस्यों के लिए जिन्होंने अपना ईमेल पता पंजीकृत नहीं किया है, एजीएम की सूचना में प्रदान किया जाएगा। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने वाले सदस्य, जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं डाला है, उन्हें एजीएम में ई-वोटिंग के माध्यम से वोट करने की अनुमति दी जाएगी।

पुस्तक बंद होने की सूचना

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 91 के साथ कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 10 के अनुसार कंपनी के सदस्यों का रजिस्टर और शेयर हस्तांतरण पुस्तकें शनिवार, 3 अगस्त, 2024 से शुक्रवार, 9 अगस्त, 2024 (दोनों दिन सम्मिलित) तक बंद रहेंगी।

उपरोक्त सूचना कंपनी के सभी सदस्यों की जानकारी और लाभ के लिए जारी की जा रही है और यह एमसीए परिपत्रों और सेबी परिपत्रों के अनुपालन में है।

निदेशक मंडल की ओर से
हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड
हस्ता/-
मन मोहन मलिक
प्रबंध निदेशक
(डीआईएनः 00696077)

दिनांकः 14.07.2024
स्थानः नई दिल्ली

लोक अदालत में साढ़े छह लाख केसों का निस्तारण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर द्वारा विगत दिवस दीवानी न्यायालय गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का दीप प्रज्जवलित कर उदघाट्न किया गया। उक्त अवसर पर समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित हुए। ऋचा उपाध्याय, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित हुये वादों से संबंधित विवरण उपलब्ध कराये गये।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय व तहसील स्तर पर माननीय जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर अवनीश सक्सेना की अध्यक्षता एंव दिशा-निर्देशन में दीवानी न्यायालय गौतमबुद्धनगर में किया गया। जिसमें जनपद न्यायालय में कार्यरत न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 146252 वाद तथा प्री-लिटिगेशन स्तर पर राजस्व न्यायालय द्वारा 83713 मामले, बैकं द्वारा 272 मामलें, एनपीसीएल द्वारा 28 मामलें व यूपीपीसीएल के 1460 मामलें तथा श्रम न्यायालय द्वारा 188 मामलें व धनराशि 13327829 है, मनोरंजन विभाग द्वारा 07 मामलों का निस्तारण किया गया, पुलिस विभाग द्वारा 10555 मामलों का निस्तारण किया गया।

बीएसएनएल द्वारा 83 मामलें तथा तथा यातायात विभाग द्वारा 388210 मामलों का निस्तारण हुआ इस प्रकार प्री-लिटिगेशन के 511087 मामलें निस्तारित हुये। ऋचा उपाध्याय, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 657899 वाद निस्तारित हुए।

रेलवे के रिटायर्ड जीएम से ठगी करने के मामले में 6 गिरफ्तार

● पार्सल में ड्रग्स होने के नाम पर डराया था

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

विदेश जा रहे पार्सल में ड्रग्स होने के नाम पर रेलवे के रिटायर्ड जीएम को डराने और डिजिटल अरेस्ट कर 52 लाख की ठगी करने वाले छह साइबर जालसाजों को नोएडा साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये जालसाज स्काइप कॉल के माध्यम से फोन कर लोगों से साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे।

पुलिस ने उनके पास से सौ मोबाइल और एक कार बरामद की है। पुलिस इस गिरोह के अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। नोएडा साइबर क्राइम थाने के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि पुलिस की टीम ने रविवार को राजस्थान निवासीकिशन, लखन, महेंद्र, 32 वर्षीय संजय शर्मा, 31 वर्षीय प्रवीण जांगिड़ और शंभू दयाल को गिरफ्तार कर लिया है। यह सभी राजस्थान के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं।

इन आरोपियों ने मई महीने में नोएडा में रहने वाले रेलवे के रिटायर्ड जीएम प्रमोद कुमार के साथ डिजिटल अरेस्ट कर 52 लाख 50 हजार रुपये की ठगी की थी। यह आरोपी व्हाट्सएप कॉल और स्काइप कॉल करके लोगों को फोन करते हैं और विदेश जा रहे पार्सल में ड्रग्स होने की बात बात कर मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा पकड़े जाने का झांसा देते हैं।

दिल्ली से देहरादून के बीच आना-जाना होगा आसान

गाजियाबाद। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे का 96 फीसद काम पूरा हो चुका है। अगस्त 2024 तक इसे पूरा करने की अंतिम तिथि है। इस प्रोजेक्ट समेत एनएचएआई की देशभर की परियोजनाओं की रिव्यू बैठक को लेकर अधिकारियों द्वारा इन दिनों तैयारी की जा रही हैं।

यह बैठक 15-16 जुलाई को प्रस्तावित है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे को अगस्त तक पूरा करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

अधिकारियों ने निर्माण करने वाली कंपनियों को गुणवत्ता के साथ सुरक्षित कार्य करने के भी दिशा निर्देश जारी किए हैं। 2324 करोड़ की लागत से बन रहे दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के चालू होने के साथ ही दिल्ली से देहरादून की दूरी काफी कम हो जाएगी।

बिजली के बढ़े बिलों पर भाजपा ने खोला मोर्चा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्ष को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग

● ज्यादा पीपीएसी वसूलने से बिजली के बिल बढ़े हुए आ रहे : सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बिजली के बढ़े बिलों के खिलाफ भाजपा ने मोर्चा खोल दिया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जयंत नाथ को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे इस मामले में उचित कार्रवाई करें और बिजली वितरण कम्पनियों को प्रति यूनिट शुल्क से ही लाभ में होने के बावजूद भी बढ़ा हुआ पीपीएसी, पेंशन अधिभार, मीटर किराया, लोड अधिभार आदि लगाए जाने की जांच के आदेश दे।

भाजपा नेता ने ऐलान किया है कि पीपीएसी एवं अन्य सरचार्ज के विरोध में सोमवार भाजपा सभी 14 जिलों में बिजली दफ्तरों पर प्रदर्शन करेगी। वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर की मौजूदगी में कहा कि दिल्ली के लोग आज दोहरी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, एक तरफ भीषण गर्मी के बाद उन्हें उमस भरे मानसून का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ उन्हें भारी भरकम बिजली बिलों का भुगतान करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सचदेवा ने दावा किया कि दिल्ली वालों को बिजली बिल सिर्फ गर्मियों में खपत के कारण ही नहीं, बल्कि अत्यधिक पीपीएसी और अन्य शुल्कों के कारण भी भारी भरकम हैं। अप्रैल-मई से ही बिल की राशि को लेकर लोगों में आक्रोश है और भाजपा की एक टीम ने कुछ

दिल्ली विद्युत निगम आयोग के अध्यक्ष को लिखा पत्र दिखाते वीरेंद्र सचदेवा। फोटो: रंजन डिमरी

बिजली शुल्क विशेषज्ञों और आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर इसका अध्ययन किया है।

रिपोर्ट से पता चला है कि आज दिल्ली वालों के बिजली बिलों में शामिल पीपीएसी उपभोक्ताओं, खासकर निम्न और उच्च मध्यम वर्ग के लिए बड़ी समस्या बन गया है। डीईआरसी के अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा गया है कि मौजूदा बिजली दरें बिजली वितरण कंपनियों को लाभ में रखने के लिए पर्याप्त हैं, बशर्ते वे अपनी कारोबारी योजना ठीक से बनाएं। दुर्भाग्य से बिजली वितरण कंपनियां अत्यधिक गर्मी या उमस भरे मौसम या भीषण सर्दी की मांग को पूरा करने के लिए कोई योजना नहीं बनाती हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि अप्रैल के मध्य में अचानक बिजली आपूर्ति का संकट पैदा हो गया और फिर दिल्ली सरकार और बिजली वितरण कम्पनियां बिजली ग्रिड या अधिशेष वाले राज्यों से अतिरिक्त बिजली खरीदने के लिए जाग उठीं, जो बिजली जाहिर तौर पर ऐन समय पर प्रीमियम पर मिलती है। सचदेवा ने कहा है कि 1.5 फीसदी बिजली खरीद समझौता शुल्क (पीपीएसी) पहली बार वर्ष 2011 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा अवैध रूप से लगाया गया था।

2014 में राष्ट्रपति शासन के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल की तत्कालीन केन्द्रीय बिजली मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात के बाद इसे वापस ले लिया गया। लगभग अगस्त 2014 से सितंबर 2015 के बीच शुल्क वापस नहीं लगा। वर्ष 2015 में केजरीवाल सरकार सत्ता में आई और उसने बिजली वितरण कम्पनियों की पीपीएसी और पेंशन अधिभार को फिर से लागू करने की मांग का समर्थन किया।

दिल्ली को चाहिए डबल इंजन की सरकार : रामवीर बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कि लोकसभा की सातों सीटों पर परचम लहराने के बाद अब अगले वर्ष के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस लें। उन्होंने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार की लापरवाही और अनदेखी के कारण लोगों का जीवन नारकीय बन गया है। अब डबल इंजन की सरकार ही दिल्ली की जनता को निजात दिला सकती है।

बिधूड़ी ने देवली विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं को धन्यवाद के लिए आयोजित समारोह में कहा कि अब दिल्ली की समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा का ही सत्ता में आना जरूरी है। आज दिल्ली पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रही है। बिजली के दाम बढ़ने से जनता त्रस्त हो गई और उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। कुछ देर की बारिश में ही दिल्ली डूब जाती है। सीवर, नालियां, गलियां, सड़कें समेत अन्य सभी विकास कार्य पूरी तरह ठप्प पड़े हैं।

यमुना नदी में नाबालिग समेत दो लोग डूबे, तीसरे को बचाया

● दोनों की तलाश में जुटी गोताखोरों की टीम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अलीपुर यमुना नदी में रविवार सुबह स्वरूप नगर खड्डा कॉलोनी के रहने वाले नाबालिग राकेश (17) और राजीव (23)डूब गए। जबकि समय रहते एक युवक पवन को किसी तरह से बचा लिया गया।

दमकलकर्मियों को नदी का बहाव तेज होने के कारण सर्च ऑपरेशन में काफी दिक्ततों का सामना करना पड़ा। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही हैं। तीन दिन पहले ही पल्ला घाट नंबर पांच और सात पर तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई थी। जबकि एक को किसी तरह से बचा लिया गया था।

जानकारी के मुताबिक अलीपुर पुलिस को सुबह बख्तावरपुर स्थित यमुना नदी में दो युवकों के डूबने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के मौके पर आने से पहले एक युवक पवन को स्थानीय लोगों ने किसी तरह से नदी से बाहर निकला लिया था। जिसको तुरंत नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद पवन की हालत डॉक्टरों ने स्थिर बताई। नदी का बहाव काफी तेज होने के कारण दमकलकर्मियों और गोताखोरों को दोनों युवकों को तलाशने में काफी दिक्कतें आई। जिन्होंने करीब डेढ़ से दो किलोमीटर दूरी तक सर्च ऑपरेशन चलाया। दोनों के परिवार वाले भी नदी पर दोनों के मिलने का इंतजार करते रहे। राजीव के परिवार वालों ने बताया कि उनका अपना शादी आदि समारोह में डेकोरेशन का काम है।

परिवार में माता पिता बहन और दो भाई हैं। सुबह राजीव बोलकर गया था कि वह इलाके के दो और साथियों के साथ नदी पर नहाने जा रहा है। परिवार को हादसे की जानकारी उस वक्त मिली,जब परिवार खेत पर था। एक व्यक्ति ने उनको मामले की जानकारी दी थी। उसी वक्त से देर शाम तक परिवार नदी पर ही था और दमकलकर्मियों के सर्च ऑपरेशन को देखकर अपनों को तलाशने की कोशिश कर रहा था।

पीड़ित के परिजनों ने बताया कि वह फूल व्यापारी हैं। उन्होंने यमुना किनारे फूलों की खेती उगाई है जिसे तोड़ने के लिए राजीव, राकेश और रोहन यमुना किनारे पहुंचे थे। लेकिन गर्मी ज्यादा होने के चलते वह नदी में नहाने के लिए चले गए। ऐसे में उनके साथ भी वही हुआ, जो इससे पहले यमुना में डूबने वाले युवकों के साथ हुआ था। इन्हें भी यमुना की गहराई का अंदाजा नहीं हो पाया और डूब गए। फिलहाल यमुना में डूबने वाले युवकों के साथ-साथ लापरवाही अब यहां प्रशासन की भी नजर आ रही है। प्रशासन की तरफ से यहां न ही पुलिस पेट्रोलिंग की जा रही है और न ही फ्लड विभाग की तरफ से कोई साइन बोर्ड लगाया गया है। साथ ही न ही रेवेन्यू डिपार्टमेंट इस पर कोई संज्ञान ले रहा है. जिसके चलते आए दिन यमुना में डूबने के मामले बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में 5 युवकों की डूबने की खबर पुलिस को मिल चुकी है। रविवार को 2 युवक यमुना में डूबे, जिनका रेस्क्यू ऑपरेशन बोर्ट क्लब के गोताखोर की टीम द्वारा लगातार जारी है। अलीपुर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रहा है।

प्रदूषण कम करने के अभियान में बाधक बन रहे एलजी : आप

● बिना अनुमति पेड़ कटवाने के मामले में प्रियंका कक्कड़ ने साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने राजधानी में अवैध तरीके से सैकड़ों पेड़ काटने के मामले में उपराज्यपाल पर निशाना साधते हुए प्रदूषण कम करने के अभियान में बाधक बताया है।

आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में यह आरोप लगाया। उन्होंने दिल्लीवालों को वायु प्रदूषण में धकेलने की भाजपा और एलजी की साजिश पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने रिज क्षेत्र में सुप्रीम कोर्ट की बिना अनुमति के 1100 पेड़ कटवा कर दिल्ली को वायु प्रदूषण मुक्त बनाने के केजरीवाल सरकार के प्रयासों को ग्रहण लगाने का काम किया है।

दिल्ली की हवा साफ करने के लिए सरकार ने पिछले 10 वर्षों मे करोड़ पौधे लगाकर ग्रीन कवर 23 फीसद से ज्यादा कर दिया है। इसके अलावा, इंडस्ट्री को पीएनजी में शिफ्ट किया, 1800 ई-बसें चलाई, 24 घंटे बिजली दी और 6 सिटी फॉरेस्ट भी विकसित कर रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड खुद कहता है कि एक परिपक्व पेड़ साल में 22 किलो कार्बन डाई ऑक्साइड खींचता है और दो लोगों की ऑक्सीजन की जरूरतें पूरी करता है। ऐसे में एलजी को बताना चाहिए कि वो किस पूंजीपति मित्र को फायदा पहुंचाने के लिए बिना परमिशन लिए पेड़ काटने के निर्देश दिए।

उन्होंने पूछा कि पिछले 10 वर्षों में आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए अनेकों लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कदम उठाए हैं। इस लॉन्ग टर्म पॉलिसी के तहत आज दिल्ली की सभी इंडस्ट्री सीएनजी से पीएनजी ईंधन पर आ चुकी हैं। आज दिल्ली में एक प्रगतिशील इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी है, जिसके तहत दिल्ली में, पूरे देश में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदे गए हैं। केजरीवाल सरकार ने पूरी दिल्ली में अब तक 1800 चार्जिंग स्टेशन बनाए हैं।

दिल्ली वालों की समस्या पर आवाज उठाएंगे: कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि हमारा मुख्य उदेश्य लोगों की आवाज को दिल्ली में गूंगी बहरी सरकारों के कानों तक पहुंचाने का है, जिसका प्रयास कांग्रेस कार्यकर्ता जागरुकता के साथ कर रहे है। चाहे घरों तक पेयजल पहुँचाने का मामला हो, जल भराव हो, जल निकासी, बिजली कटौती, बिजली दरों में बढ़ोत्तरी हो, जनता से जुड़ी समस्याएं को कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार उठा रहे है और लोगों के बीच चर्चा भी कर रहे है। जनता की परेशानियों और समस्याओं के समाधान में दिल्ली की नेतृत्वहीन केजरीवाल सरकार चौतरफा विफल हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के बदरपुर जिला की कार्यकारिणी की कालकाजी विधानसभा के गोविंदपुरी क्षेत्र में आयोजित बैठक को संबोधित किया जिसका आयोजन जिला अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल ने किया।

मुनक नहर से बरामद कार में मिला मानव कंकाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को मुनक नहर से पानी कम होने के बाद एक क्षतिग्रस्त कार बरामद की जिसमें एक मानव कंकाल मिला। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब हरियाणा से दिल्ली को पानी की आपूर्ति करने वाली मुनक नहर की एक उप-शाखा में दरार आने से जल स्तर कम हो गया। अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को क्षतिग्रस्त कार दिखाई दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार समयपुर बादली इलाके के अंतर्गत आने वाली नहर के एक हिस्से से बरामद की गई। ऐसा संदेह है कि बरामद हुआ कंकाल सितंबर 2020 से विजय विहार के बुद्ध विहार इलाके से लापता विनोद नामक व्यक्ति का है। हालांकि नर कंकाल की पहचान के लिए पुलिस डीएनए टेस्ट कराएगी। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान यह सामने आया है कि यह गाड़ी विनोद के नाम से पंजीकृत है। पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर विनोद के बेटे रवि से सैंपल देने के लिए कहा है।

डूसू कार्यालय में तोड़फोड़ को लेकर आरोप प्रत्यारोप हुआ तेज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के नार्थ कैंपस स्थित दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) के कार्यालय में तोड़फोड़ को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की ओर से कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई में आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

एबीवीपी ने एनएसयूआई के डूसू उपाध्यक्ष अभि दहिया, यश नांदल, रौनक खत्री, सिद्धार्थ शेयोरन सहित लगभग 40 लोगों पर इस तोड़फोड़ का आरोप लगाया गया है। एबीवीपी के प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री ने कहा कि एनएसयूआई के गुंडों ने 14 जुलाई की सुबह तकरीबन 3 से 4 बजे के बीच हमला करके डूसू अध्यक्ष तुषार डेढ़ा के कार्यालय, विजिटर रूम, डूसू सचिव अपराजिता तथा डूसू सह-सचिव सचिन बैसला के कार्यालय में तोड़फोड़ की। इस हमले डूसू अध्यक्ष कार्यालय में रखी प्रभु श्रीराम की मूर्ति भी टूट गई। डूसू

● एबीवीपी ने एनएसयूआई पर दबंगई करने का लगाया आरोप

कार्यालय के विजिटर कक्ष में छात्रों के ठंडे पानी के लिए रखा गया वाटर डिस्पेंसर तथा प्रिंटर आदि भी तोड़ दिया। हर्ष अत्री ने कहा कि प्रत्यक्षदर्शी गार्ड ने उन्हें बताया कि तोड़फोड़ के पहले उपस्थित गुंडों ने डूसू कार्यालय परिसर में एनएसयूआई से डूसू उपाध्यक्ष के कमरे में बैठकर शराब पी। एबीवीपी डूसू अध्यक्ष तुषार डेढ़ा, सचिव अपराजिता तथा सह-सचिव सचिन बैसला और दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की गरिमा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होने देगी। एबीवीपी प्रदेश मंत्री ने कहा कि एबीवीपी इस पूरे घटनाक्रम की कड़ी निंदा करती है।

एबीवीपी इस पूरे मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति तथा दिल्ली पुलिस कमिश्नर से मिलेगी। अभाविप मांग करती है कि इस मामले में शामिल डूसू उपाध्यक्ष अभि दहिया व अन्य गुंडों को पुलिस तुरंत गिरफ्तार करे तथा विश्वविद्यालय प्रशासन डूसू उपाध्यक्ष अभि दहिया को तुरंत पद से हटाएं।

करंट लगने से मृत महिला के परिवार को मुआवजा दे आप सरकार: भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● विधायक अजय महावर ने मदद करने का दिया भरोसा

उत्तर पूर्व दिल्ली के भजनपुरा में शनिवार सुबह हुई तेज बारिश के दौरान यमुना विहार के सर्विस रोड पर भरे पानी में करंट लगने से पूनम देवी नामक महिला की मौत हो गई थी। रविवार को भाजपा का एक प्रतिनिधमंडल महिला के पति रविन्द्र कुमार से मिला। विधायक अजय महावर ने पीड़ित परिवार को सहायता राशि दी और हर संभव मदद करने का भरोसा दिया।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने केजरीवाल सरकार से मांग की है कि मृतका के परिजनों को 50 लाख रुपये की सहायता राशि और बीमार बच्चा जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है, उसके इलाज का समुचित व्यवस्था सरकार द्वारा किया जाए क्योंकि यह प्रशासनिक लापरवाही से मृत्यु का मामला हैं। अजय महावर ने कहा कि महिला की मृत्यु पीडब्ल्यू विभाग के बिजली के खंबे से पानी में करंट आने के कारण हुआ है। दिल्ली सरकार की लापरवाही के कारण हुई इस मौत की जिम्मेदार सरकार है। क्षेत्र की स्ट्रीट लाइट के खंबों का रखरखाव ठीक से नहीं होता है।

लाजपत नगर में दो गुटों में गोलीबारी, चार पकड़े

नई दिल्ली। लाजपत नगर इलाके में बीती रात युवक अभिषेक सागर उर्फ कटिया को पीट पीटकर अधमरा करने के बाद गोली मार दी थी। पुलिस ने वारदात में शामिल तीन नाबालिगों समेत चार को पकड़ा है। आरोपी की पहचान अभिषेक तनेजा के रूप में हुई है। पुलिस ने वारदात में पिस्टल और दो कारतूस भी बरामद कर लिये।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुछ दिन पहले ही आरोपी अभिषेक तनेजा पर पीड़ित अभिषेक सागर ने अपने साथियों के साथ मिलकर जानलेवा हमला किया था। उसी का बदला लेने के लिए आरोपी ने अपने नाबालिग साथियों के साथ मिलकर लाठी से हमला किया।

केजरीवाल का स्वास्थ्य चिंताजनक: आप

● सीएम का शुगर लेवल खतरनाक रूप से हो रहा कम: आतिशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को आरोप लगाया कि न्यायिक हिरासत में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है। दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मधुमेह से पीड़ित केजरीवाल का शुगर लेवल खतरनाक रूप से कम हो गया है।

आतिशी ने कहा, भाजपा ने केजरीवाल को फर्जी मामले में जेल में डालने की साजिश रची। उनके स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है। उनका वजन 8.5 किलोग्राम कम हो गया है और सोते समय उनका शुगर स्तर पांच बार 50 से नीचे चला गया। यह विशेष रूप से मधुमेह रोगी के लिए चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा, अगर केजरीवाल को स्ट्रोक आता है, अगर उनके मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है या उन्हें स्थाई क्षति पहुंचती है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? मंत्री ने दावा किया कि जेल में आप

प्रमुख को उचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है। जब मंत्री से पूछा गया कि क्या वे इस मामले को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे, तो उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर वे अपने वकीलों और डॉक्टरों से सलाह ले रहे हैं। आतिशी ने कहा, भाजपा को पता होना चाहिए कि अगर अरविंद केजरीवाल को कुछ हुआ तो न सिर्फ देश बल्कि भगवान भी उन्हें माफ नहीं करेगा।

संक्षिप्त समाचार

खेलों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लें युवा : सोलंकी

नई दिल्ली। पेनकेक सिलत दिल्ली स्टेट चैंपियनशिप दिल्ली के द्वारका सेक्टर-1 में संपन्न हुई ये चैंपियनशिप दो दिन चली और सैकडो खिलाड़ियों ने भाग लिया कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि के रूप मे पालम 360 खाप के प्रधान चौ सुरेन्द्र सोलंकी पहुँचे और खिलाड़ियों का होशलाअफजाई किया चौ सोलंकी ने कहाँ कि ये खेल हिंदुस्तान मे नया है और मुझे खुशी है कि इसकी शुरुआत दिल्ली से हो रही है दिल्ली देहात के बच्चों को इस खेल में रुचि दिखा देना चाहिए ताकि जिस तरीक़े से अन्य खेलों के देहांत के बच्चे देश का नाम रोशन करते हैं इस खेल में भी अंतरराष्ट्रीय लेवल पर देश का नाम रोशन करें ये एक ऐसा खेल है जो खेलों के मिश्रण से बना है इसमें जूडो, कराटे , मार्शल आर्ट जैसे कई खेलों का मिश्रण दिखा इसकी शुरुआत भले ही इंडोनेशिया से हुई है पर मुझे उम्मीद है हिंदुस्तान के खिलाड़ी इसमें काफी आगे जाएँगे।

गांवों में मालिकाना हक को लेकर पंचायत

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने गांवों की 18 सूत्री मांगों को लेकर गांव बुढेला में पंचायत की। इस दौरान खास तौर पर गांवों को मालिकाना हक देने की मांग जोर शोर से उठाई गई। पंचायत की अध्यक्षता जगदीश तंवर गांव बसई दारापुर ने की। इस मौके पर दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव, पंच प्रमुख अधिवक्ता यमन यादव, साइकल संस्था के अध्यक्ष पारस त्यागी बुढेला, दिल्ली ग्राम विकास पंचायत के सचिव डा. रामनिवास सहरावत बवाना, राष्ट्रीय युवा संघ के अध्यक्ष आदित्य तंवर नारायण, पंचायत प्रमुख पालम प्रकाश तंवर, हुमायूंपुर वीरेंद्र फोगाट, मादीपुर सुधीर शर्मा, पीरागढ़ी विनोद शौकीन,ख्याला राजकुमार यादव आदि ने गांवों की मांगें पूरी करने नहीं होने तक निरंतर आवाज उठाने का ऐलान किया। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि सरकार गांवों को मालिकाना हक जल्द दे, गांवों का हाउस टैक्स माफ करें, गांवों में बिजली- पानी के कनेक्शन जल्द बहाल किए जाए समेत अन्य मांग पूरी की जाए।

संतुष्टि सर्वेक्षण: दिल्ली मेट्रो यात्रियों से मांग रहा फीडबैक

● 15 जुलाई से शुरू होगा 10वां ऑनलाइन सर्वेक्षण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो ने अपने यात्रियों की सुख सुविधाओं का ध्यान रखते हुए एक महीने के लिए 10वां ऑनलाइन ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण 2024 आयोजित करेगी। दिल्ली मेट्रो द्वारा आयोजित 10वें ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण की शुरुआत 15 जुलाई (सोमवार) से होगी जो 14 अगस्त 2024 तक चलेगा।

इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य मेट्रो सेवाओं और सुविधाओं के संबंध में होगा। इसके लिए एक विशेष प्रश्नावली तैयार की गई है, जिसके आधार पर यात्रियों से फीडबैक इकट्ठा किया जाएगा और यात्रियों की प्रतिक्रिया ली जाएगी। इसके अलावा सर्वेक्षण में सुधार के लिए सुझाव भी मांगे जाएंगे। जो यात्री सर्वे में भाग लेना

चाहते हैं वह डीएमआरसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं और वेबसाइट के होम पेज पर दिए गए लिंक पर क्लिक करके अपने इनपुट सबमिट कर सकते हैं। सर्वे का फॉर्म अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषा में उपलब्ध होगा। सर्वेक्षण में सात (07) विषय शामिल हैं जिन पर प्रतिक्रिया मांगी गई है। सभी विषयों पर प्रतिभागियों द्वारा भरे जाने के लिए सर्वेक्षण लिंक केवल एक महीने के लिए डीएमआरसी की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे।

यात्री मेट्रो के कामकाज के महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकेंगे, जिसमें उपलब्धता एवं एक्सेस, ग्राहकों को दी जाने वाली सुविधाएं, जानकारी, सेवाओं की गुणवत्ता, ग्राहक सेवाएं, मेट्रो स्टेशन क्षेत्र के बाहर, सुरक्षा, संरक्षा और कम्फर्ट जैसे सवाल शामिल है।

डीएमआरसी के मुताबिक, दिल्ली मेट्रो यह जानने के लिए सर्वेक्षण का आयोजन कर रही है कि यात्रियों को दी जा रही सेवाओं के बारे में यात्री क्या सोचते हैं? सर्वेक्षण के परिणामों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर मेट्रो सुविधाओं और सेवाओं के विभिन्न घटकों का आकलन करने और उनमें आवश्यक सुधार करने में सहायता मिलेगी ताकि लोगों को अधिक सुविधाएं मिल सके।

ऑनलाइन काम कराने के नाम पर ठगी, गिरफ्तार

नई दिल्ली। ऑनलाइन काम करके पैसे कमाने का लालच देकर लोगों से करीब 20 लाख रुपये ठगने वाले पीएचडी ठग तेलंगाना के रहने वाले लक्कू अखिलेश्वर रेड्डी को साइबर द्वारका पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल फोन और सिमकार्ड भी जब्त कर लिया है। आरोपी के पकड़े जाने के बाद पांच वारदातों का खुलासा हुआ है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल 27 नवंबर को साइबर थाना द्वारका में शिकायतकर्ता अक्षय कुमार सिंह ने बताया कि 23 नवंबर को उन्हें पार्ट टाइम जॉब के बारे में टेलीग्राम पर एक संदेश मिला। आरोपी ने क्रिप्टो करेंसी खरीदने और बेचने के लिए एक वेबसाइट पर एक खाता बनाने के लिए कहा और उसको कुछ प्रीपेड कार्य सौंपे गए।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 15 जुलाई, 2024

'चुनौतियों से निपटने को युवा पेशेवरों का विजन अहम'

मनोहर लाल बोले, युवाओं के ज्ञान का उपयोग कर शासन को आधुनिक जरूरतों के अनुसार चलाया जाना जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीएमजीजीए के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में युवा पेशेवरों के साथ केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर।

केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान समय में शासन-प्रशासन के सामने आ रही चुनौतियों का सामना करने के लिए नए युवा पेशेवरों का विजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए युवा पेशेवरों के ज्ञान का उपयोग कर शासन को आधुनिक जरूरतों के अनुसार चलाया जाना अति आवश्यक है। यह बात उन्होंने नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में शनिवार देर शाम हरियाणा में सुशासन सहयोगी कार्यक्रम (सीएमजीजीए) के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में कही।

उन्होंने कहा कि साल 2035 तक देश में बिजली की वर्तमान मांग दोगुनी हो जाएगी और हाउसिंग में 130 करोड़ जनता को मकान उपलब्ध करवाने होंगे। इन बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नए युवा पेशेवरों के विशेष सहयोग की आवश्यकता रहेगी, ताकि हम देशभर में नए आयामों को छू सकें। मनोहर लाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि-जब मैंने हरियाणा में मुख्यमंत्री के तौर पर राज्य की बागडौर संभाली तो मुझे कोई अनुभव नहीं था। मैं पहली बार विधायक भी बना था। इस संबंध में जब मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की कि मुझे इस संबंध में कोई अनुभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आप विधायक तो हैं, लेकिन जब मैं मुख्यमंत्री बना था तो मैं विधायक भी नहीं था।

जब आप कार्य करेंगे तो सीखते जाएंगे अर्थात सीखने व सिखाने का क्रम चलता रहता है। मनोहर लाल ने रोहतक में साल 1996 में आई बाढ़ के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि मैं हरियाणा में किसी भी ब्यूरोक्रेट को जानता नहीं था। केवल वर्तमान में चीफ सेक्रेटरी टीवीएसएन प्रसाद को जानता था। वे उस समय रोहतक में उपायुक्त थे। लेकिन मेरे मन में था कि बाढ़ में लोगों की सेवा करनी है तो उस सेवा भाव के साथ मैंने रोहतक में बाढ़ के दौरान प्रशासन के साथ मिलकर कार्य किया और सीखा। ऐसे ही उन्होंने बताया कि जब विधानसभा का सत्र लगता है तो भी काफी कुछ सीखने और समझने को मिलता है और कुछ वर्तमान स्थितियां सिखा देती हैं, बस आपमें कुछ करने की ललक होनी चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जब उन्होंने हरियाणा में मुख्यमंत्री के तौर पर बागडौर संभाली तो हरियाणा को पोलिसी पैरालीसस का नाम दिया जाता था। सरकारी सिस्टम में नियम-कायदे नहीं चलते थे। हमने इस सिस्टम को ठीक करने के लिए नियम-कायदे से संचालित करने के लिए व्यवस्था बनाने का बीड़ा उठाया।

उन्होंने कहा कि सीएमजीजीए कार्यक्रम के एक्स-सीएमजीजीए वह स्वयं हैं और हमें सीएमजीजीए कार्यक्रम पर गर्व है। उन्होंने कहा कि अच्छा आदमी होने के नाते अच्छा नेता भी कहलाने में संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं भी लीक से हटकर काम करने का आदी हूं। कठोर निर्णय लेकर हमने कार्य किए हैं, उनमें चाहे नई व्यवस्थाएं खड़ी करने की बात हो, देश व समाज की सेवा करने की बात हो।

चालक की लापरवाही से छह साल के छात्र के पैरों के ऊपर से गुजरी कार

● गंभीर रूप से घायल अवस्था में बच्चा अस्पताल में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में सीसीटीवी में कैद बच्चे के पैरों के ऊपर से गुजरती गाड़ी।

हां एक गाड़ी एक स्कूल के बच्चे के दोनों पैरों से गुजर जाती है, लेकिन उसके ड्राइवर को इसका आभास तक नहीं हो पाता। बच्चा अब गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में उपचाराधीन है। यह घटना 11 जुलाई की है, लेकिन इसका सीसीटीवी फुटेज अब वायरल हो रहा है।

सीसीटीवी में नजर आ रहा है कि एक लाल रंग की गाड़ी जा रही है। इसी बीच वह गाड़ी एक स्कूल के बच्चे को कुचल देती है। उसके पैरों के ऊपर से ड्राइवर साइड के दोनों पहिये गुजर जाते हैं। जिला के गांव धुनेला की यह घटना है। इस घटना के सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहे हैं। यह दर्दनाक हादसा सबके रोंगटे खड़े कर देने वाला है। यह हादसा तब हुआ जब बच्चे स्कूल की छुट्टी होने के बाद अपने घर लौट रहे होते हैं। मात्र 6 साल के बच्चे के पैरों के ऊपर से गुजरे गाड़ी के एक तरफ के दोनों पहियों के नीचे आने से बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों पहिये पांवों के ऊपर से गुजर जाने के बाद दूसरी तरफ से एक व्यक्ति कार से नीचे उतरकर देखता है। गंभीर हालत में बच्चे को अस्पताल पहुंचाया गया। लोगों ने कहा कि ड्राइवर की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। हादसे के समय और भी बच्चे गली से गुजर रहे थे। यह घटना और भी बड़ी हो सकती थी।

राजयोग से हर समस्या का समाधानः सारस्वत

● ब्रह्माकुमारीज के स्पार्क विंग द्वारा दो दिनी सम्मेलन आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में ब्रह्माकुमारीज स्थित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत व अन्य।

राजयोग से ही हर समस्या का समाधान हो सकता है। राजयोग हमें क्रिएटिव और इनोवेटिव बनाता है। विकास एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। जो राजयोग से ही संभव है। यदि हम आध्यात्मिक हैं तो हमारे व्यक्तित्व में शांति और प्रेम जैसे गुण स्वाभाविक रूप से होंगे। यह बात नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत ने कही।

वे रविवार को ब्रह्माकुमारीज के स्पार्क विंग द्वारा आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। ओम शांति रिट्रीट सेंटर के दादी प्रकाशमणि सभागार में राजयोग के द्वारा एक नया संगठनात्मक और सामाजिक परिवेश विकसित करना विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज गूगल और एप्पल जैसी कंपनियां भी अपने कर्मचारियों के लिए योग के सत्र आयोजित करती हैं। संस्था के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी बीके बृजमोहन ने कहा कि आज का युग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। जिस कारण मानव आज भाव शून्य हो गया है। उन्होंने कहा कि बिना मानव मूल्यों के व्यक्ति एक मशीन के समान है। आज हम सशक्तिकरण की बात करते हैं। लेकिन सबसे पहले आत्मिक सशक्तिकरण की जरूरत है। राजयोग के अभ्यास से ही आत्मा को सशक्त किया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज के स्पार्क विंग की अध्यक्ष बीके अंबिका ने सम्मेलन के विषय में कहा कि राजयोग से ही हम अपने आंतरिक व्यक्तित्व को निखार सकते हैं।

डिप्टी स्पीकर से फर्रुखनगर को उपमंडल का दर्जा दिलाने की मांग

गुरुग्राम। हैरिटेज सिटी फर्रूखनगर को उप मंडल का दर्जा दिलाने व प्रजापति चौपाल बनाने की मांग को लेकर इलाके का एक प्रतिनिधिमंडल समाजसेवी रविंद्र कुमार प्रजापति खेडा खुर्रमपुर की अध्यक्षता में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा से मिला।

डिप्टी स्पीकर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह हैरिटेज सिटी फर्रूखनगर को उप मंडल बनवाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व कैबिनेट सब कमेटी के नाम न केवल पत्र लिखकर, बल्कि स्वयं भी इसकी पैरवी करेंगे। उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार प्रत्येक वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए विकास कर रही है। जिसका लाभी समूचे हरियाणा प्रदेश को मिल रहा है। डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा को सौंपे ज्ञापन में समाजसेवी रविंद्र कुमार प्रजापति, प्रजापति कुम्भकार संघ के अध्यक्ष विनोद कुमार डिघलिया, सरपंच एसोशिएसन के खंड उपाध्यक्ष सरपंच शिवताज प्रजपति, बीजेपी नेता पवन यादव, पूर्व गिरदावर ज्ञानचंद महचाना, विक्रम सिंह प्रजापति ढाणा, शिक्षा समितिके अध्यक्ष रोशन लाल प्रजापति ने बताया कि फर्रूखनगर इलाके का उदय मुगल काल में हुआ था। देश की आजादी और उन्नति में यहा के नागरिकों ने भरपूर सहयोग ही नहीं बल्कि सहादत में भी अग्रीणी भूमिका निभाई थी।

पिछड़ा वर्ग अभिनंदन समारोह में शिरकत करेंगे शाह

● 20 को हिसार में होगा महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह का होगा आयोजन

● गुरुग्राम के लोगों को निमंत्रण देने पहुंचे विस उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा।

विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा ने कहा कि मंगलवार 16 जुलाई को महेंद्रगढ़ में स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में पिछड़ा वर्ग अभिनंदन समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसमें गृह मंत्री अमित शाह बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, प्रदेश के सभी मंत्रीगण, सांसद और विधायक भी समारोह में विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

समारोह में गुरुग्राम की भी भागीदारी रहे, इसके लिए वे जिले के लोगों को निमंत्रण देने पहुंचे। विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार 20 जुलाई को हिसार में भी राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने समाज के लोगों को समारोह का निमंत्रण देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा संत महापुरुषों की शिक्षा व विचारों को घर-घर पहुंचाने के लिए राज्य स्तर पर संत महात्माओं की जयंतियों का आयोजन कराया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश सरकार द्वारा हिसार में राज्य स्तर पर महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती का भव्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे।

तीसरी बार फिर बनेगी भाजपा की सरकारः त्रिखा

● भाजपा विस्तारित मण्डल की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भाजपा विस्तारित मण्डल की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन 3 नंबर-सी ब्लॉक हनुमान मंदिर में संपन्न हुआ। इस बैठक में बड़खल विधायिका श्रीमति सीमा त्रिखा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जेटली, वजीर सिंह डागर, निर्वतमान महापौर सुमन बाला, मण्डल अध्यक्ष अमित आहूजा, जिला कोषाध्यक्ष राजन मुथरेजा,अंजू भड़ाना, वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम सुन्दर कपूर, राधेश्याम भाटिया, निर्वतमान पार्षद मनोज नासवा, हरप्रीत सिंह हन्नी, अल्का भाटिया, सतीश फागना मुख्य रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन मण्डल अध्यक्ष अमित आहूजा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवल से की गई। इसके पश्चात आए हुए मेहमानों का पुष्प गुच्छा भेंट कर और पटका पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमति सीमा त्रिखा ने कहा कि जनता ने लगातार दस साल से कांग्रेस को नकारा हुआ है और आगे भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ करने के लिए जनता तैयार बैठी है। उन्होनें कार्यकताओं की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि कार्यकर्ता जब मेहनत करता है तो देश और प्रदेश में कमल खिलता है। उन्होंने कहा कि 2014 में हरियाणा की जनता ने यह करिश्मा करके दिखाया और पूर्ण बहुमत की सरकार बनी।

'अग्निवीर भर्ती देश भक्त युवाओं का अपमान'

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सुखबीर तंवर।

पटौदी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखबीर तंवर ने कहा कि मोदी नीति केंद्र सरकार द्वारा अग्निपथ नाम से भारतीय सेना के तीनों अंगों थल सेना, वायु सेना एवं जल सेना में मात्र 4 वर्ष के लिये अग्निवीर भर्ती करना राष्ट्र भक्त युवाओं का अपमान है।

उन्होंने कहा कि सेना में उत्तर भारतीयों की संख्या शेष भारत के अनुपात में ज्यादा है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश किसान बाहुल्य प्रदेश हैं, किसान और श्रमिक के बच्चों के लिये राष्ट्र भक्ति प्रदर्शित करने के अलावा स्थायी सरकारी रोजगार प्रमुख स्त्रोत है। स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले ब्रिटिश काल में और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना के तीनों अंगों में करीब 70000 से 80000 भर्तियां हर वर्ष होती रही हैं। अग्निपथ के माध्यम से अधिकतम 50000 अग्निवीर प्रति वर्ष भर्ती किये जाने का प्रावधान किया गया है। भर्ती किये जाने वाले अग्निवीरों से मात्र 25 प्रतिशत को सेना की स्थायी सेवा में रखा जायेगा। शेष 75 प्रतिशत को 4 वर्ष बाद बिना पेंशन और दूसरी सुविधाओं के सेना से हटा दिया जायेगा।

सरकारी विभागों के भ्रष्टाचार का अड्डा बना आयुध डिपो 900 मीटर क्षेत्रः पंकज डावर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अशोक विहार फेस-3 में लोग अपनी समस्याएं पंकज डावर के सामने रखते हुए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर ने रविवार को अशोक विहार फेस-3 में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्हें बताया गया कि चार दिन पहले हुई बरसात का पानी अभी तक जमा है। तीन दिन से पीने के पानी की सप्लाई नहीं आ रही।

इस दौरान पंकज डावर ने कहा कि जो पार्टी हर समय ईमानदारी का पहाड़ा पढ़ती है, उसकी आंखें आयुध डिपो 900 मीटर परिधि क्षेत्र में क्यों बंद हो जाती हैं। यह क्षेत्र सरकारी विभागों के भष्टचार का अड्डा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों को पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है।

विकास में योगदान दे रही महिलाएंः कौर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है बस इच्छाशक्ति होनी चाहिए। महिलाएं आज पुरूषों से भी आगे निकलकर देश की तरक्की में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह बात डीसीपी सैंट्रल जसलीन कौर ने महिला उद्यमी ईशू तेवतिया के तीसरे ब्रमीस एगलैस बेकरी अशोका एन्कलेव मेन रोड़ सेक्टर-34 के उदघाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि लोगों से कही। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में तिगांव विधायक राजेश नागर भी मौजूद थे। इस अवसर पर जसलीन कौर ने कहा कि ईशू तेवतिया ना केवल महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही है ब्लकि वह माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के उस कथन को भी सार्थक कर रही है जिसमें उन्होनें कहा है कि भारत 'महिला विकास' से 'महिला के नेतृत्व में विकास' की तरफ आगे बढ़ रहा। राजेश नागर ने कहा कि हमारी देश की महिलाएं अपने आत्मबल से खुद को आत्मनिर्भर बना रही हैं। नारी का समग्र विकास, सशक्त नारी ही न्यू इंडिया है। इस अवसर पर ईशू तेवतिया ने कहा कि उनका बचपन से ही शौक था केक और चॉकलेट बनाने का और अपने इस शौक को पूरा करने के लिए उन्होनें एमएनसी कंपनी की भारी भरकम सैलरी तक छोड़ दी। उन्होनें कहा कि मेरी इस चाहत को पूरा करने में मुझे अपने ऐसे दोस्तों का सहयोग मिला।

जगत सिंह नागर ने टिकट के लिए पेश की दावेदारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जगत सिंह नागर एडवोकेट ने आज तिगांव विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी से अपनी दावेदारी पेश करते हुए चुनाव लड़ने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी ने उन पर भरोसा करते हुए उन्हें टिकट दी तो वह जीत कर पार्टी की झोली में यह सीट डालने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 30 वर्षों से वह कांग्रेस पार्टी में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष से लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य के रूप में भी कार्य कर कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया है। लोकतंत्र में टिकट मांगने का सबको अधिकार है। इसके तहत ही उन्होंने अपनी तिगांव विधानसभा क्षेत्र से टिकट की दावेदारी पेश की है और उन्होंने प्रदेश कांग्रेस में अपना आवेदन भी कर दिया है। श्री नागर आज फरीदाबाद के सैक्टर-16ए स्थित मैगपाई पर्यटन स्थल पर पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के पूर्व लोकसभा अध्यक्ष रिन्कू चंदीला, कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़, मास्टर रतिचंद, जिले सिंह, करतार सिंह नागर, पूर्व आर्मी ऑफिसर भगत सिंह नागर, जयवीर नागर जसाना विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर जगत सिंह नागर एडवोकेट ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।

एक शाम-अमर सुरों के नाम कार्यक्रम बना यादगार

● पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने कराया इस कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गीत-संगीत के कार्यक्रम में प्रस्तुति देते गायक कलाकार।

पूर्व विधायक एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता उमेश अग्रवाल द्वारा शीतला माता रोड स्थित प्रकाश फार्म में आयोजित एक सुरीली शाम-अमर सुरों के नाम कार्यक्रम यादगार बन गया। लोगों ने घंटों तक इस कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। इसी के साथ उमेश अग्रवाल ने विधानसभा चुनाव-2024 में गुरुग्राम विधानसभा से चुनाव लडने की ताल ठोंक दी।

पूर्व विधायक की ओर से गीत-संगीत के इस कार्यक्रम में गायकों ने अपने गीतों के माध्यम से रात साढ़े 11 बजे तक समां बांधे रखा। श्रोताओं की रुचि देखकर मंच संचालन कर रहे गायक प्रदीप पल्लवी ने कहा कि वे पहली बार गुरुग्राम में कार्यक्रम देने आए हैं। यहां के श्रोताओं का गीत-संगीत के प्रति जैसा आकर्षण एवं रुचि देखी ऐसी उन्हें कम ही देखने को मिलती है। डॉ. सुनीत शेखरी, कुमार गगन और सुमन अरोड़ा ने यहां पुराने गानों की प्रस्तुति दी। पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से वे गुरुग्राम के लोगों से जुड़े रहते हैं। गुरुग्राम के लोगों ने सदा ही उनसे विशेष स्नेह रखा है। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व लेजर वैली ग्राउंड पर आयोजित अन्नकुट कार्यक्रम में भी लोगों ने जिस भारी संख्या में हिस्सा लिया।

राज्य में फिर कमल खिलाने को कमर कसें कार्यकर्ताः राजेश

● तिगांव मंडल की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक में बोले विधायक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विधायक राजेश नागर ने आज तिगांव मंडल की विस्तारित बैठक को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों को लेकर हमेशा सजग रहता है। आपने हाल ही में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को तीसरी बार अवसर दिलाया है तो अब तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की सरकार बनाने के लिए तैयार है।

विधायक राजेश नागर ने कहा कि हमारे लिए देश पहले की नीति सर्वोपरि है। वहीं हम अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति तक सरकार को पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने सभी को लोकसभा चुनाव की जीत की बधाई दी।

विधायक राजेश नागर ने कहा कि सभी लोग अपने स्थानीय समस्याओं को उनके पास लाएं जिन्हें हम जल्द से जल्द पूरा कर सकें। नागर ने कहा कि हम सबको जनता के बीच में रहकर जनता की समस्याओं का निराकरण करना है। ऐसा नहीं है कि हमारी सरकार है तो हम आराम कर सकें। हमारे ऊपर बहुत जिम्मेदारियां हैं, विपक्ष तैयार रहता है झूठी खबरों को भी बढ़ा-चढ़ा कर पेश करने के लिए।

समाज सेवा का माध्यम है राजनीतिः नवीन

● विजन तैयार, जनता के साथ मिलकर गुरुग्राम को बनाएंगे सपनों का शहर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-7 स्थित आर्य विद्या मंदिर स्कूल में गुरुग्राम की बात अपनों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम में बोलते नवीन गोयल।

व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा, हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल ने रविवार को शहर में कई स्थानों पर जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखते हुए हर कदम पर साथ देने का वायदा भी किया। नवीन गोयल ने जनता की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करने के प्रति आश्वस्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय वर्मा व कमल वर्मा का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन डा. अर्जुन वशिष्ठ ने किया।

सेक्टर-7 स्थित आर्य विद्या मंदिर स्कूल में गुरुग्राम की बात अपनों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जनसंवाद का मतलब यही है कि हम कहां खड़े हैं, हमें कहां जाना है। उन्होंने कहा कि राजनीति मौज, आनंद लेने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाजसेवा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले जनता के बीच आए थे। जनता के भरपूर सहयोग और समर्थन से आज कैनविन जनसेवा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि अब लगभग 70 दिन चुनाव में बाकी हैं। सभी इस अपने मिलने वालों से समर्थन की बात करें। उन्हें पक्का करें। विधानसभा पहुंचकर विजन के साथ काम करेंगे। उन्होंने जनता से भावुकता से जुड़ते हुए कहा कि हमने 20 साल पहले इसी गुड़गांव में शटरिंग के फट्टे उतारे हैं। एक मजदूर की तरह काम किया है। इसलिए आज समाज सेवा के भाव भी वही हैं।

सिपाही भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षण कल से

5000 पदों के लिए एचएसएससी ने जारी किया शेड्यूल, पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में होगी मापदंड परीक्षा

● हर उम्मीदवार की होगी फोटो व वीडियोग्राफी

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने पांच हजार पुरुष कांस्टेबलों की भर्ती के लिए पीएमटी परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। पहले शेड्यूल में पदों की संख्या के 6 गुना उम्मीदवारों को पीएमटी की परीक्षा के लिए बुलाया गया है। महिला कांस्टेबलों की शारीरिक परीक्षा का शेड्यूल बाद में जारी किया जाएगा।

आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने रविवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि विज्ञापन संख्या 06/2024, श्रेणी संख्या 01 के तहत कामन पात्रता टेस्ट ग्रुप सी के क्वालीफाई कर चुके उम्मीदवार, जिन्होंने पुलिस कांस्टेबल (जीडी) के पदों के लिए आवेदन किया है, उनके शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) (कद, छाती व वजन) परीक्षा के आयोजित करने का कार्यक्रम जारी किया है।

हिम्मत सिंह ने इस संबंध में बताया कि शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी पुलिस भर्ती प्रक्रिया के मानदंडों के अनुरूप डिजिटल डिस्प्ले मॉनिटर से किया जाएगा। मौके पर ही हर उम्मीदवार की फोटो एवं वीडियोग्राफी होगी। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का विवरण, पीएमटी की तिथि और समय और एडमिट कार्ड की जानकारी आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि 16 जुलाई से पंचकूला के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में पहला स्लॉट प्रात: 6.30, दूसरा 8.30 बजे तथा तीसरा 10.30 बजे तथा चौथा बाद दोपहर 12.30 बजे किया जाएगा,जिसमें 2000 उम्मीदवारों का शारीरिक परीक्षण होगा।

हिम्मत सिंह ने बताया कि 23 जुलाई तक हर दिन 4 स्लॉट में शारीरिक जांच होगी। इसी प्रकार 17 जुलाई को 3000 अभ्यर्थियों का तथा 18 से 23 जुलाई तक प्रतिदिन 5000 उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षण का आयोजन करने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। पहले चरण के बाद शीघ्र ही शेष उम्मीदवारों की परीक्षा का शेड्यूल जारी किया जाएगा।

आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि परीक्षा में शामिल होते समय पुरुष अभ्यर्थी मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, हिडन कैमरा व अन्य सामग्री न लेकर आएं। उम्मीदवारों को केवल आधार कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, फोटो युक्त वोटर कार्ड तथा पते का सबूत का मूल दस्तावेज व आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड किया स्कैन युक्त एडमिट कार्ड और एक एडमिट फोटो चस्पा किया गया साथ लाना होगा। इन दो दस्तावेजों के अलावा किसी भी प्रकार के अन्य दस्तावेज टेस्ट स्थल पर नहीं ले जा सकेंगे।

जीरकपुर के सिंहपुरा बस स्टैंड से मिलेगी बस सुविधा

चेयरमैन ने बताया कि जीरकपुर के सिंहपुरा बस स्टैंड से उम्मीदवारों को पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम तक लाने की हरियाणा परिवहन की बसों की व्यवस्था होगी। इसके अलावा जो उम्मीदवार अपने निजी वाहनों से आना चाहते हैं उनके लिए देव नगर की तरफ इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि आयोग ने पीएमटी परीक्षा के लिए ताऊ देवीलाल स्टेडियम में अभ्यर्थियों की परीक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, जिसमें चिकित्सक अमले के साथ एंबुलेंस, मोबाइल टायलेट, वाटर टैंकर तथा वाटर प्रुफ टेंट की व्यवस्था होगी।

शिकायत सुनने के लिए मौजूद रहेगी आयोग की टीम

उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों को किसी प्रकार की दिक्कत व शिकायत है तो मौके पर ही उसका निदान करने के लिए हरियाणा कर्मचारी आयोग की टीम उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा शारीरिक परीक्षा में सहयोग के लिए खेल विभाग के कोच भी मौजूद रहेंगे।

महिलाओं को उतारनी होगी नथुनी व कानों की बाली

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने महिला अभ्यर्थियों से अपील की कि वह नथनी, कानों की बाली व अन्य सामग्री साथ न लाएं। सभी उम्मीदवारों की बायोमेट्रिक व आई मैट्रिक से जांच होगी, तभी उन्हें अंदर जाने की अनुमति होगा। अगर बायोमेट्रिक में किसी उम्मीदवार की जगह दूसरा व्यक्ति परीक्षा देने के लिए प्रवेश करता पकड़ा गया तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई होगी और एफआई दर्ज कराई जाएगी।

दिव्यांग शिक्षकों को नहीं दिया जाएगा मिड-डे-मील का प्रभार

चंडीगढ़। शिक्षा विभाग राजकीय स्कूलों में मिड-डे-मील से बच्चों के स्वास्थ्य से किसी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। विभाग की ओर से मिड-डे-मील बनाने से लेकर परोसने और संभाल रखने तक के नए सिरे से निर्देश जारी किए हैं। अब मौलिक शिक्षा निदेशक द्वारा जारी आदेशों के अनुसार स्कूलों में कार्यरत दिव्यांग शिक्षकों को मिड-डे-मील का प्रभार न देने के निर्देश जारी किए हैं। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत जारी की गई है कि भारत सरकार द्वारा संचालित मिड-डे-मील योजना के तहत पहली से आठवीं तक के बच्चों को स्कूलों में भोजन परोसा जाता है। भोजन बनाने और परोसने तक स्कूल के मुख्य शिक्षक व शिक्षक निगरानी रखेंगे। मगर किसी भी दिव्यांग शिक्षक को मिड-डे-मील का प्रभार नहीं दिया जाएगा। विकलांग संघ उमंग, सिरसा की ओर से शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर अवगत कराया था कि दिव्यांग शिक्षकों को मिड-डे-मील का प्रभार दिया जा रहा है।

पुलिसकर्मियों का दैनिक यात्रा भत्ता हुआ दोगुना

● दस दिन की बजाय अब मिलेगा 20 दिन का यात्रा भत्ता

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में पुलिस कर्मचारियों को अब दोगुना दैनिक यात्रा भत्ता मिलेगा। गृह विभाग के प्रस्ताव को लागू करते हुए वित्त विभाग ने पुलिस कर्मियों के लिए दैनिक यात्रा भत्ते को महीने में 20 दिन तक बढ़ा दिया है। अभी तक पुलिस कर्मचारियों को महीने में 10 दिन का यात्रा भत्ता दिया जा रहा था।

वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने शनिवार को दैनिक यात्रा भत्ते को बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके लिए हरियाणा सिविल सेवा (यात्रा भत्ता) नियम में संशोधन किया गया है। अधिसूचना के अनुसार सभी पुलिसकर्मियों को, चाहे वे किसी भी स्थान पर तैनात हों, दैनिक यात्रा भत्ता महीने में 20 दिन किया जाएगा। पुलिस स्टेशनों में तैनात पुलिसकर्मियों की तर्ज पर सभी पुलिसकर्मी दैनिक भत्ता लेने के पात्र होंगे। पुलिस कर्मचारियों को अमूमन ड्यूटी के चलते प्राय 10 दिन से अधिक समय तक स्टेशन से बाहर रहना पड़ता है। कभी-कभी तो यह अवधि 20 दिन से भी अधिक हो जाती है। इसलिए लंबे समय से दैनिक यात्रा भत्ता बढ़ाने की मांग उठ रही थी। पुलिस कर्मचारियों का दैनिक यात्रा भत्ता बढ़ाने के लिए पिछले महीने 27 जून को हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी जा चुकी है।

मंत्री खुद जांचेंगी स्कूलों की व्यवस्था

● तीन अगस्त तक सभी जिलों का दौरा करके लेंगी फीडबैक

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा प्रदेश के सभी जिलों का दौरा करेंगी। इस दौरान उनके साथ शिक्षा विभाग के आला अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। स्वयं का फीडबैक जुटाने के बाद शिक्षा मंत्री प्रदेश की स्कूली शिक्षा में नए सत्र के दौरान बदलाव करेंगी।

इस दौरान शिक्षा मंत्री शिक्षकों, विद्यार्थियों व स्कूल प्रबंध समिति (एसएमसी) के सदस्यों से सीधे रूबरू हो रही हैं। शिक्षा मंत्री के तीन अगस्त तक प्रस्तावित दौरे को लेकर शिक्षा निदेशालय की हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद शाखा ने शेड्यूल जारी कर दिया है। सुबह व शाम की पाली में वे जिलों में एसएमसी के करीब एक हजार सदस्यों के अलावा डीईओ, डीईईओ और बीईओ से भी रूबरू होकर शिक्षा संसाधनों, सुविधाओं और समस्याओं को जानेंगी। छह श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली एसएमसी को शिक्षा मंत्री सम्मानित करेंगी। शिक्षा मंत्री एक दिन में दो पालियों में एसएमसी सदस्यों से रूबरू होंगी। निपुण योजना के तहत छह से आठ स्टाल समेत विभिन्न विषय जैसे खेल, एडवेंचर क्लब, एनएसक्यूएफ, पीएमश्री, संस्कृति मॉडल स्कूल, ई-अधिगम, एमडीएम और समग्र शिक्षा की गतिविधियों पर आठ से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे जिनका अवलोकन शिक्षा मंत्री सहित आलाकमान करेगी।

यह रहेगा मंत्री का कार्यक्रम

17 जुलाई	गुरुग्राम -नूंह
20 जुलाई	कैथल -करनाल
24 जुलाई	महेंद्रगढ़ -रेवाड़ी
25 जुलाई	भिवानी -चरखी दादरी
27 जुलाई	पानीपत -सोनीपत
31 जुलाई	रोहतक -झज्जर
2 अगस्त	फतेहाबाद-सिरसा
3 अगस्त	जींद -हिसार

रोटरी क्लब ने शिविर में एकत्रित किया 70 यूनिट रक्त

फरीदाबाद। सेक्टर-88 एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल में रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद ग्रीन के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के कई जगह से लोग रक्तदान करने पहुंचे। जिसके कारण शिविर में 70 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस अवसर पर एस आर एस इंटरनेशनल स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर और आरसीएफ प्रेसिडेंट रोटेरियन विनय गोयल ने शिविर में पहुंचे सभी अतिथियों का और रक्तदाताओं का शिविर को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया। रक्तदान शिविर में रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद ग्रीन के रोटेरियन पदाधिकारियों में रोटेरियन संजीव जोहरी वाईस प्रेसिडेंट, रोटेरियन प्रमोद मनोचा-चीफ पैटर्न, रोटेरियन प्रवेश शर्मा सेक्रेटरी, रोटेरियन प्रदीप साहू-ट्रेजरार, रोटेरियन बिजेन्दर यादव, रोटेरियन प्रभाकर झा, रोटेरियन हरीश आहूजा, रोटेरियन डॉ विजय शर्मा, रोटेरियन विकास गिल, रोटेरियन जितेंदर भाटिया सहित सभी रोटेरियन का इस कैम्प को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा।

हरियाणा में गंदगी से विधायक भी परेशान

कई बार विधानसभा पहुंच चुका है चंडीगढ़ में एमएलए फ्लैट्स परिसर में फैली गंदगी का मामला

● कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने विधानसभा स्पीकर से की शिकायत

● विधानसभा ने लगा रखे हैं कर्मचारी, फिर भी नहीं होती सफाई

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सैक्टर-तीन स्थित एमएलए फ्लैट्स में रहने वाले हरियाणा के विधायक अपने घरों के आगे फैली गंदगी से परेशान हैं। विधायकों के घरों के आगे फैले कचरे के ढेरों का मामला विधानसभा स्पीकर के समक्ष पहुंच गया है। कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने शुक्रवार को विधानसभा स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता को फोटो तथा वीडियो भेजकर शिकायत की है।

गीता भुक्कल के अलावा किरण चौधरी, बीबी बतरा, ईश्वर सिंह, सीताराम यादव, दूड़ाराम बिश्नोई, रेणु बाला, शकुंतला खटक सहित कई विधायक इस कैम्पस में रहते हैं।

कैम्पस में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। बदबू फैली है और मच्छर पनप रहे हैं। करीब छह माह पहले भी इसी तरह की शिकायत भेजी गई थी। डेढ़ साल और तीन साल पहले भी साफ-सफाई को लेकर विधानसभा तक मामला पहुंच गया था। कचरा उठाने के लिए विधानसभा की ओर से सफाई कर्मी भी लगाए हुए हैं। इसके बाद भी कूड़ा उठाया नहीं जा रहा। विधायकों की गाड़ियों के आगे-पीछे ही नहीं, फ्लैट्स की सीढ़ियों के सामने भी कूड़े के ढेर पड़े हैं।

गीता भुक्कल ने बताया कि इस संदर्भ में चंडीगढ़ नगर निगम को भी शिकायत की गई लेकिन यह एरिया विधानसभा के अंतर्गत आने की वजह से निगम की ओर से कोई कदम नहीं उठाए गए। निगम की ओर से यह सुविधा दी गई कि उसकी गाड़ी नियमित रूप से यहां आया करेगी। स्वीपरों द्वारा समय पर कूड़ा नहीं उठाने व सफाई नहीं करने की वजह से कैम्पस में गंदगी का आलम है।

स्वच्छ और हरित वातावरण के लिए पौधरोपण जरूरी: वोहरा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने लोगों से प्रधानमंत्री के वृक्षारोपण अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अन्तर्गत पौधरोपण करने का आह्वान किया।

वोहरा ने बड़खल विधानसभा में छोटे-छोटे बच्चों के साथ और अपनी भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम के साथ मिलकर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि हरियाली बढ़ाने, सुंदरीकरण करने, जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने, पर्यावरण वातावरण को बेहतर बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करना बेहद ज़रूरी है। सड़कों व फुटपाथों के किनारे पड़ी खाली जमीन, पार्कों, उद्यानों, अमृत सरोवरों के आस पास जो भी ज़मीन ख़ाली है उस पर फलदार पौधों का रोपण किया जाना चाहिए और ना केवल पौधे लगाये जाये उन पौधों का रखरखाव भी है पूरी जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए।

आपातकाल लगा कांग्रेस ने घोंटा था लोकतंत्र का गला: मनोहर

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

● पूर्व मुख्यमंत्री बोले कांग्रेस ने रैलियों में लहराकर किया संविधान का अपमान

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र में काला अध्याय करार देते हुए केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाने के फैसले को सराहनीय बताया। कांग्रेस द्वारा थोपी गई इमरजेंसी के दौरान अत्याचार सहने वाले हर व्यक्ति को संविधान हत्या दिवस सच्ची श्रद्धांजलि है।

रविवार को चंडीगढ़ में जारी एक बयान में मनोहर लाल ने कहा कि 'संविधान हत्या दिवस' याद दिलाएगा कि जब संविधान को रौंदा गया था, तब क्या हुआ था। यह भारतीय इतिहास का काला दौर था। आपातकाल के दौरान लाखों लोगों को अकारण न केवल जेल में डाला गया, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला भी घोंटने का काम कांग्रेस ने किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले का उद्देश्य उन लाखों लोगों के संघर्ष का सम्मान करना है, जिन्होंने तानाशाही सरकार की असंख्य यातनाओं व उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष किया। संविधान हत्या दिवस हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा की भावना जागृत करेगा। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल का ऐलान किया था और 21 महीने, यानी 21 मार्च 1977 तक देश को आपातकाल का दंश झेलना पड़ा। विपक्षी नेता जयप्रकाश नारायण, लाल कृष्ण अडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी सहित देश की जनता ने आपातकाल के खिलाफ आवाज उठी और उन्हें जेलों में बंद कर दिया गया। मनोहर लाल ने कहा कि 50 साल पहले कांग्रेस के आपातकाल के दौरान जो परिस्थितियां पैदा हुई और जिस तरह का दमनकारी चक्र चलाया गया था, वह देशवासियों की स्मृति को ताजा रखेगा। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जो कुछ किया, वह लोकतंत्र की हत्या थी, हमें हमेशा इस बात से अवगत रहना चाहिए कि कांग्रेस ने संविधान के साथ क्या किया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने संविधान बदलने का भ्रम फैलाया।

समाज निर्माण में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा गुरुकुल: देवव्रत

● आर्य समाज के एक कार्यक्रम में बोले गुजरात के राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

गुरुकुल का वेद प्रचार विभाग गांव-गांव जाकर युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृति को रोकने एवं लोगों को सन्ध्या, हवन के माध्यम से वैदिक संस्कृति से जोड़कर सभ्य समाज के निर्माण में अनुकरणीय कार्य कर रहा है।

युवाओं में बढ़ती नशे की लत ने हजारों घरों को बर्बाद कर दिया है, युवाओं को कुरीतियों से बचाने के लिए आर्यसमाज से जोड़ना होगा तभी समाज में नई जाग्रति आएगी। उक्त शब्द गुरुकुल में आयोजित आर्यसमाज के एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहे। गुरुकुल के वेद प्रचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, हिसार, करनाल, यमुनानगर, अम्बाला, पंचकूला आदि जिलों से आर्यसमाज के 200 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर राजकुमार गर्ग, रामनिवास आर्य, जयपाल आर्य, जसविन्द्र आर्य, मनीराम आर्य, सूर्यदेव आर्य, संजीव आर्य सहित सभी वेद प्रचारक मौजूद रहे।

'सरकार सरपंचों की तर्ज पर दे सकती है पार्षदों को तोहफा'

● सर्किट हाऊस में कार्यकर्ताओं की बैठक में बोले, मंत्री सुभाष सुधा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार सरंपचों व पंचों की तर्ज पर नगर पार्षदों को भी तोहफा दे सकती है। इन पार्षदों की मुख्य मांगों को मुख्यमंत्री नायब सिंह के समक्ष रखा गया है। अब 25 जुलाई को हिसार में नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं के पार्षदों, वाईस चेयरमैन, चेयरमैन के प्रदेश स्तरीय बैठक रखी गई है। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह पार्षदों को सौगात दे सकते है।

सुभाष सुधा रविवार को सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने लोगों की समस्याओं को सुना और समाधान के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए है। राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश में पहली बार सभी नगर निकायों के पार्षदों की एक प्रदेश स्तरीय बैठक बुलाई गई है।

इस बैठक में नगर पार्षदों की मांगों और समस्याओं को रखा जाएगा और उन्हें पूरी उम्मीद है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सरपंचों और पंचों की तर्ज पर नगर पार्षदों को सौगात दे सकते है।

ट्रैफिक लाइट्स पर सरकार खर्च करेगी 70 लाख

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि शहर में ट्रैफिक जाम जैसी समस्या से निजात दिलाने के लिए अब नगर परिषद की तरफ से नई ट्रैफिक लाईट और बिलंकर लगाने की योजना तैयार की है। इस परियोजना पर अनुमानित लागत 70 लाख रुपए आएगी। इस परियोजना को अंतिम अनुमति के लिए प्रदेश सरकार के पास भेजा गया है। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने रविवार को सर्किट हाउस में बातचीत कर रहे थे। राज्यमंत्री ने कहा कि पिपली चौक और नए बस स्टैंड पर यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नगर परिषद द्वारा थानेसर शहर में नई ट्रैफिक लाइट प्रणाली पर 70 लाख रुपये का बजट खर्च किया जाएगा।

महानिदेशक ने की स्वास्थ्य कार्यक्रमों को लेकर बैठक

पलवल। स्वास्थ्य सेवाएं और दंतक विभाग के महानिदेशक डॉ. रणदीप सिंह पुनिया ने रविवार को एनआईटी फरीदाबाद स्थित गोल्फ क्लब में पलवल और फरीदाबाद के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित कार्यक्रमों को और बेहतर बनाने के लिए दिशा निर्देश दिए। जिला पलवल में एनसीडी प्रोग्राम को और बेहतर करने के लिए पलवल जिले के चिकित्सकों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया।

नर्सिंग वेलफेयर एसो. 25 को करेगा हड़ताल

● 23 व 24 को काले बिल्ले लगाकर करेंगे काम

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रदेश सरकार पर मांगों के प्रति वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा ने 25 जुलाई को दो घंटे की हड़ताल का ऐलान कर दिया है। सभी जिला प्रधानों से विचार विमर्श करके सरकार के खिलाफ आंदोलन की रूपरेखा तैयार की है। राज्य प्रधान विनीता बांगड़ ने रविवार को जारी जानकारी में बताया कि यह आंदोलन उनके अधिकारों और मांगों के प्रति सरकार के उदासीन रवैये के खिलाफ एक सख्त संदेश देने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

आगामी 25 जुलाई को दो घंटे के लिए हड़ताल की जाएगी। नर्सिंग एसोसिएशन की मुख्य मांगों में केंद्र के समान नर्सिंग अलाउंस 7200 रुपये दिए जाएं। नर्सिंग कैडर को केंद्र के समान ग्रुप-सी से ग्रुप-बी में शामिल किया जाए। जिससे उनको यथोचित सम्मान मिले। नर्सिंग कैडर की डीजीएचएस कार्यालय में डिप्टी डायरेक्टर नर्सिंग की पोस्ट को अति शीघ्र भरा जाए। उपरोक्त मांगें सरकार द्वारा अनेकों वर्षों से न मानने पर पूरे हरियाणा का नर्सिंग स्टॉफ 23 व 24 जुलाई को काले बिल्ले लगाकर रोष प्रदर्शन एवं 25 जुलाई को सुबह नौ बजे से 11 बजे तक दो घंटे की हड़ताल करेंगे।

डीग में विकास कार्यों का शिलान्यास

● नयनपाल रावत बोले, पृथला क्षेत्र के समुचित विकास के लिए हूं वचनबद्ध

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पृथला विधानसभा क्षेत्र के विधायक नयनपाल रावत ने आज गांव डीग के लोगों को विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए यहां एक करोड़ 36 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

इस राशि साढे 24 लाख से खेत खलियान का रास्ता,साढे सात लाख से श्मशान घाट की चारदिवारी, पांच लाख से एससी श्मशान घाट में टीन का शेड का कार्य, छह लाख से जनरल श्मशान घाट में टीन शेड, 70 लाख से गांवों के विभिन्न रास्तों का निर्माण, आठ लाख से गांव में स्कूल का सौंदर्यीकरण, दस लाख की राशि से ब्राह्मण वाटिका का सौंदर्यीकरण व पार्क निर्माण, पांच लाख से गांव में हैंड पम्प का निर्माण करवाया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों ने फूल माला पहनाकर विधायक नयनपाल रावत का स्वागत किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक नयनपाल रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व वाली सरकार प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रही है, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में समान रुप से विकास कार्य चल रहे है, पृथला क्षेत्र भी विकास से अछूता नहीं है और यहां भी युद्धस्तर पर विकास कार्य चल रहे है।

जगदीश नायर ने किया दो पुलों के निर्माण कार्य का शिलान्यास

पलवल। होडल विधानसभा के विधायक जगदीश नायर ने रविवार को 8 करोड़ 52 लाख की लागत से बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग में बनने वाले दो पुलों के निर्माण कार्य का नारियल तोड़कर विधिवत शिलान्यास किया। इनमें से एक पुल का निर्माण गोंछी ड्रेन पर गांव बनचारी से सौंध रास्ते और दूसरे का निर्माण गांव बनचारी से लोहिना रास्ते पर किया जाएगा। विधायक ने बताया कि प्रत्येक पुल के निर्माण कार्य में 4 करोड़ 26 लाख रुपए की लागत आएगी। दोनों के निर्माण कार्य में कुल 8 करोड़ 52 लाख की लागत आएगी और ये दोनो ही पुल सिंचाई विभाग द्वारा तीन महीने में बनाकर जनता को समर्पित कर दिए जाएंगे।

नवीन जिंदल को मिला कठोर अग्नि तपस्या का फल: महंत

● जग ज्योति दरबार में पहुंचे भाजपा सांसद ने लिया आशीर्वाद

सौरभ चौधरी। कुरुक्षेत्र

जग ज्योति दरबार में कुरुक्षेत्र क्षेत्र से तीसरी बार सांसद बनने के बाद नवीन जिंदल अपने सहयोगियों के साथ पहुंचे। उनका जग ज्योति दरबार के महंत राजेंद्र पुरी ने स्वागत किया एवं आशीर्वाद दिया। इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री कृष्ण बेदी भी उनके साथ थे। महंत राजेंद्र पुरी एवं दरबार के श्रद्धालुओं ने सांसद नवीन जिंदल को विधिवत सम्मान भी दिया। इस मौके पर सांसद नवीन जिंदल भूले नहीं कि जग ज्योति दरबार में महंत राजेंद्र पुरी ने लोकसभा चुनावों में उनकी विजय की कामना के लिए भीषण गर्मी में कठोर अग्नि तपस्या की। सांसद नवीन जिंदल ने मनोकामना पूर्ण होने पर आभार व्यक्त किया।

महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि सांसद नवीन जिंदल ने जग ज्योति दरबार धाम में आकर संगत का चुनाव में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जग ज्योति दरबार की संगत मौजूद रही। इस मौके पर सांसद नवीन जिंदल ने विशेष तौर पर लोकसभा चुनावों के दौरान ही भीषण गर्मी में महंत राजेंद्र पुरी द्वारा की गई कठोर अग्नि तपस्या का जिक्र करते हुए आभार व्यक्त किया। साथ ही आशीर्वाद लिया। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि उन्होंने कठोर अग्नि तपस्या के समय संकल्प लिया था कि जब तक नरेंद्र मोदी देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बनते तथा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल व नवीन जिंदल अपने संसदीय क्षेत्र में चुनाव में विजयी नहीं हो जाते हैं तब तक महंत राजेंद्र पुरी की कठोर अग्नि तपस्या जारी रहेगी। महंत राजेंद्र पुरी ने सांसद नवीन जिंदल की भावना एवं प्रेम के लिए आभारी हैं। सांसद नवीन जिंदल ने चुनाव के समय मेहनत से कार्य करने वाले लोगों को याद रखा है।

जो बाइडेन

क्षमता पर सवाल

जो बाइडेन की क्षमता पर सवालों के साथ उन पर हमले तेज हो रहे हैं। ऐसे में डेमोक्रेटिक पार्टी को कठोर निर्णय लेना होगा कि जो बाइडेन उसके राष्ट्रपति उम्मीदवार बने रहें या उनका विकल्प पेश किया जाए। दोनों स्थितियां कठिन हैं और उनके सकारात्मक व नकारात्मक पक्ष हैं। बाइडेन की आयु व उनकी क्षमताओं के प्रदर्शन से पार्टी को 'प्लान बी' पर विचार करना होगा। लेकिन डेमोक्रेटों के लिए समय तेजी से बीतता जा रहा है और यही स्थिति विकल्पों की है। हालांकि, इस प्रकरण की शुरुआत काफी पहले हो गई थी, पर 'राष्ट्रपति बहस' एक प्रकार से 'ऊंट की पीठ पर आखिरी तिनका' सिद्ध हुई जिसमें बाइडेन का प्रदर्शन बहुत खराब था। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद बाइडेन के पक्ष में मजबूत तर्क हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण विधायी उपलब्धियों का लंबा समय देखा है जिनमें व्यापक ढांचागत संरचना विधेयक, महत्वाकांक्षी जलवायु परिवर्तन पहलें तथा जीवन्त कोविड-19 टीकाकरण अभियान शामिल हैं। बाइडेन प्रशासन जटिल अंतरराष्ट्रीय संबंधों से निपटने में सफल हुआ है। उसने अंतरराष्ट्रीय खतरों से निपटने में सफलता पाई है तथा खासकर चीन और रूस के खिलाफ गठबंधनों को मजबूत किया है। उनके मध्यमार्गी दृष्टिकोण का लक्ष्य अत्यधिक विभाजित राष्ट्र को एकजुट करना था। इसके लिए उन्होंने प्रगतिशील व मध्यमार्गी डेमोक्रेटों तथा निर्दलीयों व रिपब्लिकनों से भी अपील की। लेकिन बाइडेन की आयु और उनकी संज्ञानात्मक क्षमताओं पर चिन्ता बनी हुई है। 81 साल की आयु में वे अमेरिकी इतिहास के सबसे वयोवृद्ध राष्ट्रपति हैं। उनकी क्षमताओं तथा मानसिक सतर्कता पर राजनीतिक विरोधी तथा मीडिया अनुमान लगाते रहे हैं। जनमत सर्वेक्षणों से स्पष्ट है कि मतदाताओं का बड़ा हिस्सा उनकी क्षमताओं से असहज तथा चार वर्ष का एक और कार्यकाल देने पर दुविधाग्रस्त है। इसके साथ ही कुछ मुद्दों से निपटने के उनके तरीकों पर भी सवाल उठ रहे हैं जिनमें अफगानिस्तान से वापसी तथा वर्तमान आर्थिक चुनौतियां शामिल हैं। इसके लिए उनको दोनों पक्षों के राजनेताओं की आलोचना झेलनी पड़ी है।

इन विवादों से अफवाहों को बल मिला है कि क्या डेमोक्रेटों को 2024 में विजय दिलाने के लिए बाइडेन सर्वोत्तम उम्मीदवार हैं। लेकिन चुनाव को अब केवल चार महीने बचे हैं और डेमोक्रेटों द्वारा उनका विकल्प तलाशना कठिन है। ऐसे में 25वां संशोधन लागू करना भी आत्यन्तिक व असंभव लगता है जो सेवा करने में अक्षम राष्ट्रपति को हटाने का प्राविधान करता है। इसके संभावित राजनीतिक नतीजों के साथ ही 'अक्षमता' के स्पष्ट व अविवादित प्रमाण होने चाहिए। इस प्रकार यह रास्ता जोखिम भरा है। यदि डेमोक्रेट विकल्प तलाशने का निर्णय करें तो राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में अनेक हाई-प्रोफाइल नेता सामने आएंगे। वर्तमान उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस सर्वाधिक संभावित पसंद हो सकती हैं। पहली महिला, पहली अश्वेत व पहली दक्षिण एशियाई उप-राष्ट्रपति के रूप में उनका प्रस्ताव बहुत मजबूत है, पर उनके नेतृत्व तथा नीतिगत प्रभावशीलता पर गहरे सवाल हैं। परिवहन सचिव व साउथ बेंड, इंडियाना के पूर्व मेयर पीट बुटीगेग एक और उम्मीदवार हो सकते हैं। वे युवा, स्पष्ट वक्ता तथा नीतिगत समझदारी वाले व्यक्ति हैं। इसके साथ ही प्रगतिशील नीतियों के पैरोकार व कैलीफोर्निया के गवर्नर गाविन न्यूसन ने भी राजनीतिक चुनौतियों का दृढ़ता से सामना किया है। इस प्रकार वर्तमान समय में डेमोक्रेट भारी दुविधा के शिकार हैं। अंतत: निर्णय बाइडेन की प्रभावी नेतृत्व क्षमता तथा पुन: चुनाव जीतने की संभावना पर होगा।

तालिबानों से महिलाओं का संघर्ष

तालिबान अधिकारियों के इनकार के बावजूद अफगान महिलायें अपने प्रति गंभीर व अमानवीय अत्याचारों के खिलाफ उठ कर खड़ी हो रही हैं। विडंबना है कि विश्व जनमत इस उत्पीड़न पर खामोश है।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक, द पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

तालिबान अधिकारियों के इनकार के बावजूद अफगान महिलायें अपने प्रति गंभीर व अमानवीय अत्याचारों के खिलाफ उठ कर खड़ी हो रही हैं। इसके अनेक प्रमाण भी सामने आ रहे हैं। 'द गार्जियन' में जाहरा जोया, क्रिस मैक्ग्रील, खुदाबाद पोलादी, एन्नी केली व टाम लेविट की रिपोर्ट 6 जुलाई, 2024 को प्रकाशित हुई। इसका शीर्षक 'वीडियो एपियर्स टु शो गैंग-रेप आफ अफगान वीमेन इन तालिबानी जेल' है, यानी इस वीडियो में संभवत: तालिबानी जेल में अफगान महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई है। इससे अफगानिस्तान में जघन्य स्थिति का पता चलता है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वीडियो 'द गार्जियन' तथा अफगानिस्तान में महिला संबंधी मुद्दों पर खबरें देने वाले आनलाइन मीडिया 'रुखसाना मीडिया' द्वारा यह वीडियो देखा गया।

इसमें एक युवा महिला और मानवाधिकार कार्यकर्ता से तालिबान जेल में सशस्त्र लोगों द्वारा सामूहिक बलात्कार व अत्याचार दिखाया गया है। इसमें दिखाया गया है कि महिला से अपने कपड़े उतारने को कहा गया और उसके बाद दो लोगों द्वारा उससे कई बार बलात्कार किया गया। उसे नंगी खड़े देखा गया, उसकी आवाज लड़खड़ा रही है और हमलों के दौरान उसे पहचाना जा सकता है। 'द गार्जियन' और 'रुखसाना मीडिया' में महिला को यह कहते दिखाया गया है कि उसे तालिबान के खिलाफ सार्वजनिक रूप से विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के कारण गिरफ्तार किया गया तथा तालिबानों की जेल में उससे कई बार सामूहिक बलात्कार किया गया। यह वीडियो उसे अफगानिस्तान से भाग जाने के बाद भेजा गया। उसे धमकी दी गई कि यदि उसने सार्वजनिक रूप से 'इस्लामी अमीरात' के खिलाफ कुछ बोला तो यह वीडियो उसके परिवार को दिखाया जाएगा तथा इसे सोशल मीडिया पर डाल दिया जाएगा। रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न, पिटाई तथा अत्याचारों के अन्य उदाहरण भी दिए गए हैं। इनमें न केवल तालिबानों द्वारा महिला-अधिकारों के दमन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वालों को बिजली के झटके देने, बल्कि युवा महिलाओं और किशोरियों द्वारा हिजाब नियमों के उल्लंघन की बात भी कही गई है। 'द गार्जियन' की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामी अमीरात अफगानिस्तान के सूचना एवं संस्कृति उप-मंत्री तथा मुख्य प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने गिरफ्तार महिलाओं के व्यापक यौन उत्पीड़न के आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, वे इसके अलावा और कुछ कर भी नहीं सकते थे, पर महिलाओं के आरोपों पर संदेह नहीं किया जा सकता है। अफगानिस्तान जैसे देशों में यौन हिंसा की शिकार महिलाओं के प्रति व्याप्त पूर्वाग्रहों को देखते हुए ये सही लगते हैं।

ऐसे में महिला और उसके रिश्तेदारों के लिए यह कहना बड़ी हिम्मत और प्रतिबद्धता का काम है कि हिरासत में उसके साथ बलात्कार या यौन उत्पीड़न हुआ है। संयुक्त राष्ट्रसंघ ने भी गिरफ्तारियों व हिरासतों पर टिप्पणी की है। अजीत कुमार सिंह ने 11 मार्च, 2024 को 'साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल' पर लिखा था कि अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन-यूएनएएमए ने 'इस्लामी ड्रेस कोड' के कथित उल्लंघन पर महिलाओं और लड़कियों की गिरफ्तारी और हिरासत पर गंभीर चिन्ता व्यक्त की है।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव की विशेष प्रतिनिधि तथा यूएनएएमए की प्रमुख रोज़ा ओटुनबायेवा के हवाले से लिखा है कि प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई तथा शारीरिक हिंसा 'खासकर अफगान महिलाओं के लिए अत्यधिक अपमानजनक व खतरनाक है।' उन्होंने कहा है कि हिरासत से 'अफगान महिलाओं पर बहुत भारी दाग लग जाता है जिससे उन पर खतरा और बढ़ जाता है।' महिलाओं के खिलाफ तालिबान के हमले 1996-2001 के बीच चले उनके पहले शासनकाल की याद दिलाते हैं जो उनके वर्तमान दूसरे शासनकाल में भी जारी हैं। बलात्कार और यौन उत्पीड़न ऐसे अत्याचारों का हिस्सा हैं।

इसकी शुरुआत सितंबर, 2021 में उस समय हुई जब तालिबान ने काबुल में महिला मामलों के मंत्रालय का बोर्ड हटा दिया और उसके स्थान पर 'मिनिस्ट्री फार द प्रमोशन आफ वर्च्यू एंड प्रिवेंशन आफ वाइस' का बोर्ड लगा दिया। अफगानिस्तान की सत्ता में पहली बार आए तालिबानों के शासनकाल में मनमाने व कठोर उत्पीड़न के लिए उनको काफी बदनामी झेलनी पड़ी थी। सरकार की आदिमकालीन सोच वाली घोषणाओं के चलते उन्होंने महिलाओं के प्रति अत्यधिक कठोरता बरती थी। वर्तमान समय में भी महिलाओं के खिलाफ अनेक कठोर कदम उठाए गए हैं। महिलाओं को एक पुरुष संरक्षक के बिना 70 किलोमीटर से अधिक यात्रा पर प्रतिबंध है जो उनका पति या 'महरम' हो। 'महरम' का अर्थ नजदीकी रक्त संबंधी है, जैसे पिता, बेटा, भाई, बाबा, परबाबा, ऐसा भतीजा जिससे विवाह प्रतिबंधित हो और जिसकी उपस्थिति में उसे हिजाब पहनने की जरूरत न हो। महिलाओं को सार्वजनिक स्थलों पर 'समुचित' हिजाब तथा ऐसे ढीलेढाले काले कपड़े पहनने चाहिए जिनसे उनका शरीर और चेहरे पूरी तरह ढक जांए। इसके लिए उनके पुरुष रिश्तेदारों को जिम्मेदार ठहराया गया है जिनको अपना कर्तव्य पालन न करने पर दंड भुगतना पड़ता है। महिलाओं को प्राथमिक स्तर के बाद शिक्षा तथा हर प्रकार के रोजगार से वंचित किया गया है। सबसे बुरी बात है कि 23 मार्च, 2024 को अफगानिस्तान के राज्य टेलीवीजन पर प्रसारित एक मौखिक संदेश में तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबातुल्ला अखुंदजादा ने कहा था कि 'हम महिलाओं को कोड़े लगाएंगे और हम व्याभिचार के लिए उनको पत्थर मार-मार कर मार डालेंगे।' तालिबान ने इस घोषणा के पहले ही महिलाओं को कोड़े लगाना शुरू कर दिया था। उनको सेलफोन प्रयोग करने तथा अपने प्रेमियों या रिश्तेदारों से बात करने के 'अपराध' में कम से कम 30 कोड़े लगाने की सजा दी जाती थी। तालिबानों की आदिमकालीन सोच को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नहीं था। 1996 से 2001 में सत्ता में पहली बार आने के समय उन्होंने यही सब किया था।

ऐसे में यह देख कर अत्यधिक आश्चर्य होता है कि बाकी दुनिया अफगान महिलाओं के साथ हो रहे इस घोर उत्पीड़न व मानवाधिकार उल्लंघन पर एकदम चुप है। दुनिया के अनेक जिम्मेदार देश और उनके राजनेता तालिबानों द्वारा अफगान महिलाओं पर ढाए जाने वाले ऐसे अत्याचारों के खिलाफ कुछ नहीं कह रहे हैं। इस सबंध में सारी दुनिया में स्वयं को लोकतंत्र के रक्षक की तरह पेश करने वाले पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों की चुप्पी और अधिक चिन्ताजनक हैं। लोकतांत्रिक देश तालिबानों के खिलाफ इस मामले में किसी प्रभावी कार्रवाई के मामले पर भी पूरी तरह खामोश हैं। विडंबना है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा उससे जुड़ी संस्थायें भी अफगान महिलाओं और लड़कियों के उत्पीड़न पर सक्रिय नहीं दिख रही हैं, जबकि इस बारे में 'द गार्जियन' तथा 'रुखसाना मीडिया' की स्पष्ट वीडियो आधारित प्रमाणित रिपोर्ट के अलावा अन्य अनेकानेक प्रमाण सारी दुनिया के समक्ष मौजूद हैं।

हाल ही में दोहा और कतर में 25 देशों के राजदूतों का वैश्विक सम्मेलन हुआ। इसमें अमेरिका, रूस, चीन और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि शामिल थे। इस सम्मेलन में अनेक मुद्दों पर तालिबान के साथ संपर्क को प्रोत्साहित करने की बात कही गई। यह अपने किस्म का तीसरा वैश्विक सम्मेलन था। हालांकि, तालिबान ने पहले दो सम्मेलनों में भाग नहीं लिया था, पर इस सम्मेलन में भी वह इस शर्त पर भाग लेने को तैयार हुआ था कि आयोजकों की ओर से कोई महिला सम्मेलन में भाग नहीं लेगी। संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा तालिबानों की यह शर्त मान लेने की मानवाधिकार संगठनों से व्यापक रूप से निन्दा की थी। उनका यह आरोप था कि संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा अन्य देशों द्वारा तालिबानों की यह शर्त मान लेने का अर्थ उनको महिला-अधिकारों को और कुचलने का अवसर देना होगा।

मानवाधिकार संगठनों की यह बात बिल्कुल सही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मानवाधिकारों और महिला अधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करने वालों को अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा महिलाओं व लड़कियों पर किए जा रहे अमानवीय अत्याचारों और दमन की जरा भी चिन्ता नहीं है।

मोदी-पुतिन मुलाकात से रिश्तों में आई नई जान

पारुल चंद्रा
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जब यह धारणा बढ़ रही थी कि भारत और रूस के बीच संबंधों में गति कम हो रही है, यहां तक कि ठहराव आ रहा है, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर-स्तरीय बैठक द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान करने में मदद करेगी।

भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच दो वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद आयोजित 22वें शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी की पूरी क्षमता को अनलॉक करने का संकल्प लिया। शिखर सम्मेलन के परिणामों ने मॉस्को के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए नई दिल्ली के इरादे को व्यक्त किया, भले ही रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने और उसके बाद उसके देश पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद पुतिन को पश्चिमी देशों द्वारा व्यापक रूप से बदनाम किया गया हो। पुतिन के रूस-यूक्रेन युद्ध में व्यस्त होने के कारण, जो अब अपने तीसरे वर्ष में है, शिखर-स्तरीय बैठकें पीछे छूट गई थीं। पिछली शिखर वार्ता दिसंबर 2021 में नई दिल्ली में हुई थी। शिखर वार्ता में दोनों पक्षों की ओर से न केवल 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' को पुनर्जीवित करने की उत्सुकता दिखाई गई, बल्कि आर्थिक सहयोग को भी संबंधों का आधार बनाया गया। यह एक अलग संयुक्त वक्तव्य में परिलक्षित हुआ, जिसमें आर्थिक सहयोग के लिए नौ प्रमुख क्षेत्रों की रूपरेखा बताई गई, जिसमें 2030 के लिए 100 बिलियन डॉलर का नया द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य निर्धारित किया गया। मोदी-पुतिन शिखर वार्ता में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता को दुनिया के सबसे खूनी अपराधी को गले लगाते हुए देखकर निराशा और शांति प्रयासों के लिए विनाशकारी झटका व्यक्त किया, लेकिन इससे नई दिल्ली के कीव के साथ घनिष्ठ संबंधों को नुकसान पहुंचने की संभावना नहीं है। भारत ने भले ही आक्रमण की निंदा न की हो, लेकिन मोदी ने पुतिन से कहा कि युद्ध के मैदान में शांति नहीं है जबकि उन्होंने बातचीत की आवश्यकता पर भारत की स्थिति को दोहराया। वाशिंगटन ने मोदी-पुतिन की मुलाकात पर अपनी

नाराजगी भी जताई है, लेकिन ऐसा लगता नहीं है कि इससे मॉस्को के साथ उसके संबंधों पर कोई असर पड़ेगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक ज़रूरतें इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। बेशक, इनमें से एक रूस-चीन के बीच बढ़ती नज़दीकियां हैं। रूस के साथ नज़दीकी संबंधों पर ज़ोर देने से मॉस्को की साझेदार के रूप में देखता है। पश्चिमी दुनिया प्रतिबंधों से प्रभावित रूस को यूक्रेन युद्ध के मामले में अलग-थलग रखना चाहेगी, लेकिन भारत का व्यापक और गहरे आर्थिक संबंधों के लिए प्रयास उसकी अपनी रणनीतिक ज़रूरतों को दर्शाता है। प्रतिबंधों के बावजूद भारत की रूसी तेल खरीद न सिर्फ़ जारी रहेगी बल्कि इसमें और वृद्धि होने की उम्मीद है। रूस से कच्चे तेल का आयात 2021 में 2.5 मिलियन टन से बढ़कर 2023 में 90 मिलियन टन हो गया है, भारत को यह स्पष्ट है कि यह उसकी ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों पक्षों द्वारा वाशिंगटन के प्रति नई दिल्ली के झुकाव को लेकर चिंताएं भी दूर होंगी। भारत अब तक दो भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच संतुलन बनाने में कामयाब रहा है और उसे ऐसा करना जारी रखना चाहिए। भारत रूस को समय-परीक्षित भरोसेमंद ऊर्जा क्षेत्र में निवेश भी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। रूस से उर्वरक आयात भी भारत के कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। रूसी तेल आयात ने द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ों को 65.70 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने में मदद की है। लेकिन जबकि भारतीय आयात 61.44 बिलियन डॉलर का था, इसके निर्यात का हिस्सा मात्र 4.26 बिलियन डॉलर था। रियायती दरों पर रूसी तेल आयात करने में खुश होने के बावजूद, नई दिल्ली को रूस के साथ व्यापार की टोकरी को चौड़ा करके इस व्यापार असंतुलन को दूर करने की आवश्यकता होगी। भारत से निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में फार्मास्यूटिकल्स, कार्बनिक रसायन, लोहा और इस्पात और विद्युत मशीनरी शामिल हैं।

दोनों पक्षों ने गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को खत्म करने और यूरेशियन आर्थिक संघ -भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र की स्थापना की संभावना पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की, जो द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के इरादे की गंभीरता को दर्शाता है। भारत और ईएईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौते के लिए पूर्ण वार्ता शुरू करने की प्रेरणा से भी व्यापार संबंधों को बढ़ावा मिलना चाहिए।

कनेक्टिविटी भी दोनों पक्षों के लिए प्राथमिकता बनी हुई है। इसका मतलब होगा भारतीय सामानों के लिए यूरेशियाई बाजारों तक पहुंच। हालांकि, प्रस्तावित (अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन) गलियारा अभी भी वास्तविकता बनने से बहुत दूर है। जबकि चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा स्थापित करने के लिए दोनों पक्षों के बीच फिर से रुचि है, जिसे पहली बार 2019 में पेश किया गया था, यह भी देखा जाना बाकी है कि यह फलीभूत होगा या नहीं। शिखर सम्मेलन ने निश्चित रूप से रक्षा क्षेत्र में मजबूत सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया, जो भारत के सुरक्षा प्रतिमान का एक महत्वपूर्ण तत्व है।

रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, भले ही नई दिल्ली अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अमेरिका, फ्रांस और इज़राइल जैसे अन्य देशों की ओर रुख करके विविधता लाने के निरंतर प्रयास कर रहा हो। भारत निस्संदेह यूक्रेन युद्ध के कारण रूसी सैन्य हार्डवेयर और पुर्जों की आपूर्ति में देरी पर अपनी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेगा।

मोदी-पुतिन शिखर सम्मेलन ने भले ही पश्चिम को नाराज़ कर दिया हो, लेकिन यह बिल्कुल स्पष्ट है कि नई दिल्ली तब तक अपना काम जारी रखेगी जब तक कि यह उसकी रणनीतिक प्राथमिकताओं को पूरा करता रहे।

आप की बात

बिगड़ैल नाबालिग

देश में रसूखदारों के बिगड़ैल शहजादों के ही अधिकतर हिट एन रन मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे बिगड़ैल नाबालिग कहीं फुटपाथ पर सोये लोगों पर नशे में गाड़ी चढ़ा देते हैं तो कहीं अन्य दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। ऐसी दर्दनाक घटनाएं अक्सर मीडिया व सोशल मीडिया में आने लगी हैं। दूसरी ओर लव जिहाद के गंभीर व दर्दनाक किस्से भी मीडिया की सुर्खी बन रहे हैं। कभी किसी लड़की के टुकड़े करके फ्रिज में रख दिए जाते हैं तो कहीं बोरियों में भरकर नदी में बहा दिए जाते हैं। समाज और सरकार को ऐसे मामले रोकने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। देश के कानूनविदों व पुलिस को मिलकर नाबालिगों द्वारा किए अपराधों को रोकने पर विचार करना चाहिए। यह सच है कि नाबालिगों व पहली बार अपराध करने वालों को वयस्कों व आदतन अपराधियों जितनी सजा नहीं दी जा सकती है। लेकिन बचपन से ही बच्चों में समाज के प्रति जिम्मेदारी तथा अपराध और दंड से भय करना सिखाया जाना चाहिए। गंभीर अपराधों में नाबालिग को वयस्क की तरह सजा देने का अधिकार भी यथासंभव न्यायालय के विवेकाधिकार तथा स्थितियों के विश्लेषण पर छोड़ने से नाबालिगों द्वारा किए जाने वाले अपराधों पर लगाम लगाई जा सकती है। यह कदम जरूरी हो गया है।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

शूटिंग में दुर्घटनायें

फिल्म व टेलीविजन के इतिहास में शूटिंग के दौरान दुर्घटनाओं के कारण मौतें होती रही हैं। 1980 से 1990 तक स्टंट के दौरान 37 मौतें हुईं। इनमें से 24 मौतें हेलीकॉप्टर उपयोग संबंधी थीं। भारतीय फिल्म उद्योग में भी ऐसी दुर्घटनाएं होतीं रहतीं हैं। इंडियन 2 की शूटिंग में एक विशाल क्रेन गिरने से तीन तकनीशियनों की मौत हो गई, जबकि अभिनेता कमल हासन, काजल अग्रवाल और निर्देशक शनमुगम शंकर बच गए। 2004 में खाकी के सेट पर ऐश्वर्या राय बच्चन के पैर में जीप की टक्कर से फ्रैक्चर हो गया था। 1980 के दशक में कुली के फिल्मांकन के दौरान अमिताभ बच्चन बुरी तरह घायल हो गए थे। इसी तरह की एक दुर्घटना में 2021 में न्यू मेक्सिको में फिल्म शूटिंग के दौरान हेलिना हैचिन्स की गोली लगने से मौत हो गयी थी। गोली अभिनेता एलेक बाल्डविन के हाथों से चली थी। जबकि शूटिंग के दौरान नियम ये है कि बन्दूक असली होती है मगर उसके अंदर गोली नकली होनी चाहिए। अब सबूतों के अभाव में बाल्डविन को बरी कर दिया गया है। फिल्मों व टेलीवीजन शूटिंगों में होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए समुचित उपाय किए जाते हैं और खतरनाक मामलों में प्रशिक्षित लोगों का प्रयोग होता है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

प्रशासन की जिम्मेदारी

प्रशिक्षु आईएएस को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे लोगो को सर्वश्रेष्ठ सुशासन देने का निर्देश दिया। मोदी ने उनसे अपने कार्य के प्रति सक्रियता दिखाते हुए कल्याणकारी योजनाओं को आम जन तक पहुचाने का अनुरोध किया। देश में जनता द्वारा चुनी सरकार का कर्तव्य है कि वह नीतियां बनाने के साथ ही उनके क्रियान्वयन में अधिकारियों और प्रशासनतन्त्र की जवाबदेही तय करे। अधिकारियों को भी जमीनी स्तर पर विकास कार्यों का निरीक्षण करने के साथ ही आम जनता की समस्याओं को समझना चाहिए। विडंबना है कि केन्द्र सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों और निर्देशों के बावजूद केन्द्र व राज्य की अनेक जन-कल्याणकारी योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन नहीं हो रहा है तथा उनमें भ्रष्टाचार की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। गांवों में शौचालय निर्माण व पीएम आवास बनाने की अगली किश्तों तथा मनरेगा की बकाया धनराशि न मिलने की शिकायतें भी आ रहीं हैं। प्रशासन की जिम्मेदारी जनता की शिकायतें दूर करना भी है। जनता तथा सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं के बीच नियमित संवाद से भी प्रशासन की जिम्मेदारी व जवाबदेही सुनिश्चित करने में सहायता मिल सकती है।

कुलदीप मोहन त्रिवेदी, उन्नाव

स्वागत योग्य फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं को भी अब गुजारा भत्ता उनके पति से सीआरपीसी की धारा 125 के अंतर्गत दिलाने का फैसला दिया है। यह निर्णय निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो केस को याद रखते हुए ये निर्णय दिया है जिसमें इसका प्रावधान था। लेकिन राजीव गांधी की सरकार ने 1986 में बनाए कानून से सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला निष्प्रभावी कर दिया था। अब 1986 का वह कानून धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता मांगने के अधिकार पर लागू नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट का ये कहना भी स्वागत योग्य है कि गुजारा भत्ता कोई खैरात नहीं है बल्कि तलाकशुदा महिला का मौलिक अधिकार है। विडंबना है कि अनेक कट्टरपंथी मौलाना इसे शरीयत में दखलंदाजी कह रहे हैं, जबकि दुनिया के अनेक मुस्लिम-बहुल देशों में महिलाओं को यह अधिकार प्राप्त है। कई मुस्लिम देशों में पुरुषों को बिना अदालती फैसले तलाक देने पर प्रतिबंध है तथा वे एक से अधिक महिलाओं से विवाह नहीं कर सकते हैं। भारतीय मुसलमानों को भी अब दकियानूसी सोच छोड़ कर आगे बढ़ना चाहिए।

–**भगवानदास छारिया,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगाः सूर्य प्रताप शाही

तीन दिवसीय आम महोत्सव का समापन

● निर्यातकों को 20 लाख रूपये तक मार्ग व्यय में अनुदान की सुविधा दी जा रही हैः दिनेश प्रताप सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को तीन दिवसीय आम महोत्सव के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये कहा कि योगी सरकार के नेतृत्व में उद्यान विभाग नई ऊंचाई छू रहा है। प्रदेश का आम आज देश नहीं बल्कि विदेशों में भी भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसल का उचित दाम मिले, इसके लिए केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलायी जा रही है। निर्यात को बढ़ाने हेतु विश्वस्तरीय पैक हाउस, ट्रीटमेंट सेन्टर एवं आधुनिक टेस्टिंग सेन्टर की स्थापना की जा रही हैं। पैक हाउस के माध्यम से किसानों के उत्पादों का ट्रीटमेंट, पैकिंग और सुरक्षित रखते हुए विदेशी बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशों में प्रदेश के किसानों के उत्पादों की डिमांड ज्यादा हो इसके लिए हमें अपने उत्पादों की देखरेख और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगा। आम महोत्सव जैसे आयोजन किसानों को उनके उत्पादों में सुधार करने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि जिस प्रकार वर्ष 2023 में निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु उद्यान विभाग एवं प्रगतिशील बागवानों का प्रतिनिधि मण्डल मास्को, रूस भेजा गया था उसी प्रकार इस वर्ष भी एक प्रतिनिधि मण्डल यूक्रेन भेजा जायेगा। उन्होंने किसानों के आय में वृद्धि के लिये अधिक से अधिक निर्यात पर जोर दिया।

रूस में आयोजित आमरस-2023 कार्यक्रम की सफलता का जिक्र करते हुए बताया कि रूस में प्रदेश के आम की निरन्तर मांग बनी हुई है। उन्होंने योगी सरकार द्वारा निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु दी जाने वाली सुविधाओं व अनुदान के बारे में संक्षेप में अवगत कराया निर्यात को प्रोत्साहित करने के फलस्वरूप आम की विभिन्न प्रजातियों दशहरी, रतौल एवं लंगड़ा को जी0आई0 टैग प्राप्त हो चुका है तथा गौरजीत, चौंसा आदि प्रजातियों को जी0आई0 टैग दिलाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। इसी प्रकार निर्यात में आने वाली परिवहन लागत पर भी अनुदान की सुविधा प्रदान करते हुये निर्यातकों को 20 लाख रूपये तक मार्ग व्यय में अनुदान की सुविधा दी जा रही है। निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जेवर एयरपोर्ट के पास इन्टीग्रेटेड टेस्टिंग एवं ट्रीटमेंट पार्क का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश में बिकने वाला 80-90 रूपये प्रति किलो के आम का रूस में मूल्य 800-900 रूपये प्रति किलो तक प्राप्त हो जाता है, जो किसानों की आय एवं समृद्धि बढ़ाने में मददगार है।

आम महोत्सव-2024 में मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही तथा मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा पुरस्कार वितरण कर विजेताओं को सम्मानित किया गया। आम के विभिन्न प्रजातियों की 07 श्रेणियों में एवं 46 वर्गों की प्रतियोगिता में 41 विजेताओं द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के कुल 115 पुरस्कार तथा आम आधारित संरक्षित उत्पादों की प्रतियोगिता के 11 वर्गों के 19 विजेताओं द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के कुल 19 पुरस्कार तथा आम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्श के विजेता अब्दुल सलीम, मलिहाबाद, लखनऊ को अरूणिका प्रजाति के प्रदर्श प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्श का पुरस्कार तथा आम की विभिन्न किस्मों में 09 पुरस्कार प्रदान किये गये। महोत्सव के अवसर पर सर्वाधिक 17 पुरस्कार श्री इकबाल अहमद, मलिहाबाद, लखनऊ तथा एस0सी0 शुक्ला, गोमतीनगर, लखनऊ द्वारा 13 पुरस्कार प्राप्त किये हैं।

तीन दिनों तक चलने वाले इस आम महोत्सव में 7 श्रेणियों के 58 वर्गो में आम की विभिन्न प्रजातियों तथा उनके प्रसंस्कृत उत्पादों की प्रतियोगितायें आयोजित की गई। जिसमें आम की लगभग 800 प्रजातियों के 2660 नमूने प्रदर्शित किये गये। महोत्सव में जहां एक ओर आम की विभिन्न प्रजातियों में 1224 प्रतिभागियों द्वारा 2340 नमूने प्रदर्शित किये गये, वहीं दूसरी ओर आम की संरक्षित पदार्थ वर्ग में 90 प्रतिभागियों द्वारा 310 नमूने प्रदर्शित किये गये। आम पकवान के 03 प्रतिभागियों द्वारा 10 नमूने प्रदर्शित किये गये। केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, उद्यान विभाग के सहारनपुर, बस्ती, प्रयागराज, झांसी (बरूआसागर) एवं लखनऊ (मलिहाबाद) में स्थापित औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्रों तथा प्रगतिशील बागवानों के द्वारा अपने-अपने संस्थानों/बागों में उगायी जाने वाली प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया है। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्यों ने भी प्रतिभाग करते हुये अपने प्रदर्श प्रदर्शित किये।

प्रदेश में आम की सुप्रसिद्ध दशहरी, लंगड़ा, चौंसा, गौरजीत, लखनऊ सफेदा, रटौल, आम्रपाली प्रजातियों के साथ-साथ टॉमी एटकिन्स, सन्सेशन, अरूणिका आदि रंगीन प्रजातियां भी आकर्षण का केन्द्र रही। आम महोत्सव-2024 के अन्तिम दिवस में किसानों, उद्यमियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, छात्रों के समक्ष खाद्य प्रसंस्करण के महत्व एवं रोजगार सृजन में योगदान विषय पर तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में विषय विशेषज्ञों द्वारा टेस्टिंग, फूड सेफ्टी, मूल्य सम्वर्धन, पैकेजिंग पर, अर्धप्रसंस्करण, आम के उत्पाद प्रसंस्करण एवं प्रोडक्ट टेस्टिंग विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। समापन अवसर पर विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रायबरेली, श्रीमती वन्दना चौधरी, अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा, कृषि निदेशक एवं निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डिफेंस कॉरिडोर में वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर रही योगी सरकार

● यूपीडा की देख-रेख में 537 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निर्माणाधीन

लखनऊ। देश को रक्षा उत्पाद के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश में आकार ले रहे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में योगी सरकार वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर कर रही है। इसके लिए सरकार की ओर साढ़े 9 सौ करोड़ रुपए खर्च किये जा रहे हैं। इसके अंतर्गत डिफेंस कॉरिडोर में सड़क, बिजली, पानी, सीवर और सुरक्षा के उच्चकोटि के प्रबंध किये जा रहे हैं। प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के 6 नोड हैं, जिनमें से 5 नोड के लिए ये रकम तय की गई है। यूपीडा के अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अबतक करीब 187 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो गये हैं। वहीं 537 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निर्माणाधीन हैं।

यूपीडा की ओर से कराए जा रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के कार्यों में अलीगढ़, कानपुर, झांसी, लखनऊ और चित्रकूट नोड में 941.19 करोड़ रुपए खर्च होने हैं। इसमें अलीगढ़ नोड के लिए 122 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किये जा रहे हैं। यहां 37 करोड़ से अधिक के कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 61 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निर्माणाधीन हैं। वहीं 13 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों का टेंडर हो चुका है। इसके अलावा तकरीबन 10 करोड़ रुपए आगामी कार्यों के लिए रखा गया है। इसी प्रकार कानपुर नोड के लिए 62 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किये जाएंगे। यहां भी 32 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य हो चुके हैं, 16 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निर्माणाधीन हैं, जबकि 13 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य के टेंडर हो चुके हैं। ऐसे ही झांसी के लिए सर्वाधिक 517 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य हो रहे हैं। इसमें 102 करोड़ से अधिक के कार्य हो चुके हैं, 376 करोड़ से अधिक के कार्य निर्माणाधीन हैं, जबकि 37 करोड़ से अधिक आगामी कार्यों के लिए रखे गये हैं।

लखनऊ नोड में 82 करोड़ के कार्य निर्माणाधीन

वहीं लखनऊ नोड की बात करें तो यहां 166 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य हो रहे हैं, जिसमें से 14 करोड़ से अधिक के कार्य हो चुके हैं, जबकि 82 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निर्माणाधीन हैं। यहां पर 13 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों का टेंडर हो चुका है, जबकि 56 करोड़ रुपए से अधिक आगामी कार्यों के लिए रखे गये हैं। इसी प्रकार चित्रकूट नोड में 71 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किये जाएंगे। यहां पर 39 लाख रुपए के कार्य निर्माणाधीन हैं, जबकि 10 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों का टेंडर हो चुका है। यहां 61 करोड़ रुपए से अधिक आगामी कार्यों के लिए रखे गये हैं। बता दें कि रक्षा उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) अहम भूमिका निभाने जा रहा है। देश के दो डिफेंस कॉरिडोर में से एक यूपी में तेजी से आकार ले रहा है। राज्य में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के 6 नोड आगरा, अलीगढ़, लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट और झांसी हैं। योगी सरकार के प्रयासों से इन नोड्स में करीब 25 हजार करोड़ रुपए के निवेश का रास्ता साफ हो गया है, जिससे 40 हजार युवाओं के लिए सीधे-सीधे रोजगार का सृजन होगा। यूपीडा के अधिकारियों के अनुसार यूपीडीआईसी के लिए अबतक 154 एमओयू हो चुके हैं। अबतक 16 सौ हेक्टेयर से अधिक भूमि अधिग्रहीत की जा चुकी है, जिसमें से सात सौ हेक्टेयर से अधिक भूमि 42 औद्योगिक समूहों को आवंटित हो गई है। इन 42 उद्योग समूहों की ओर से करीब आठ हजार करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है।

वर्चुअल मूल्यांकन से स्वास्थ्य सेवाएं बढ़ाएगी सरकार

● एनक्वास पाने वाली सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर आमजन को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय स्टैंडर्ड का इलाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्वास) प्रमाण पत्र के लिए वर्चुअल माध्यम से मूल्यांकन कराने जा रही है। अभी तक एनक्वास की टीम स्वयं जाकर इन स्वास्थ्य इकाइयों का भौतिक सत्यापन करती थीं। इस प्रक्रिया में काफी वक्त लगता था। योगी सरकार के इस फैसले से एनक्वास प्रमाणित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की संख्या तेजी से बढ़ेगी। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर करने में मदद मिलेगी।

देश में अभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की संख्या 1.70 लाख से अधिक है। वहीं उत्तर प्रदेश में 17 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रियाशील हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में 'आयुष्मान भारत, गुणवत्ता स्वास्थ्य' लांच किया है, उसमें एक बड़ा बदलाव यह भी है। दो अन्य पहल भी की गई हैं, जिनमें इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड (आईपीएचएस) के लिए डैशबोर्ड और फूड वेंडर्स के लिए स्माट फूड लाइसेंस देना शामिल है। इसके अलावा एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं के लिए एनक्वास व कायाकल्प सर्टिफिकेट के लिए संशोधित दिशा निर्देश जारी हुए हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के एनक्वास सर्टिफिकेशन के लिए वर्चुअल मूल्यांकन और डैशबोर्ड की शुरुआत करने का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा तक आम लोगों की पहुंच को बढ़ाना तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। वर्चुअल विजिट में रोगियों, कर्मचारियों और समुदाय के लोगों के साथ बातचीत भी की जा सकेगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने इस संबंध में प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों, अपर निदेशक व सीएमओ को पत्र जारी किया है। पत्र में निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक जनपद में हर महीने 10 से 20 चिकित्सा इकाइयों का वर्चुअल मूल्यांकन जरूर कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 50 प्रतिशत स्वास्थ्य इकाइयों को वर्ष 2025 तक और वर्ष 2026 तक प्रदेश की सभी स्वास्थ्य इकाइयों को एनक्वास प्रमाणित कराने के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का यह सराहनीय फैसला है। इससे दूरस्थ इलाकों में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का भी मूल्यांकन हो सकेगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के महाप्रबंधक डॉ. निशांत कुमार जायसवाल ने बताया कि अब तक प्रदेश की 275 चिकित्सा इकाइयां एनक्वास सर्टिफिकेशन प्राप्त कर चुकी हैं, जिसमें 56 जनपद स्तरीय, 42 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 24 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सम्मिलित हैं एवं अगले तीन महीने में इतनी ही और इकाइयों को इसके दायरे में लाने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार केवल उन्हीं स्वास्थ्य इकाइयों को यह प्रमाण-पत्र प्रदान करती है जो मानक के अनुसार मरीजों का उपचार और देखभाल करती हैं। जो स्वास्थ्य इकाइयां एनक्वास प्रमाणित होंगी वहां के स्थानीय लोगों के लिए उन इकाइयों में सुविधाएं भी बढ़ी मिलेंगी। उन्होंने बताया कि एनक्वास प्रमाण पत्र देने वाली संस्था नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर (एनएचएसआरसी) को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय आईएसक्यूएईए एक्रीडिएशन मिला है। इसका मतलब है कि एनक्वास न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मानक का प्रमाण पत्र है बल्कि एनएचएसआरसी अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करने वाली संस्था भी है।

बेनकाब हो चुकी है भाजपाः अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा जनता के बीच बेनकाब हो चुकी हैं प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भ्रष्टाचार चरम पर हैं भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं की अराजकता और गुण्डई से गरीब पीड़ित है। किसान, नौजवान संकट में है। महंगाई, बेरोजगारी से हर वर्ग त्राहि-त्राहि कर रहा है। जनता भाजपा के झूठ और लूट को समझ गयी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संविधान विरोधी कार्य किया है। लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया है। संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग कर भाजपा बाबा साहब के संविधान को बदलना चाहती थी, पिछड़ों, दलितों का आरक्षण छीना, नौकरियों में घोटाला किया। लोकसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को सबक सिखाया है, विधानसभा चुनाव 2027 के चुनाव में भाजपा का पूरी तरह से सफाया हो जाएगा।

जनता भाजपा के कुशासन, भेदभाव और नफरत की राजनीति से ऊब गयी है। उन्होंने कहा कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व से लेकर नीचे तक बनाया गया भ्रमजाल टूट चुका है। भाजपा की कथनी और करनी एक दूसरे से विपरीत है। लोकसभा चुनाव में पराजय से भाजपा में घबराहट है। इनके अपने सहयोगी और समर्थक किनारा करने लगे हैं। जनता में भाजपा की साख पूरी तरह खत्म हो चुकी है। भाजपा सरकार ने हर वर्ग को धोखा दिया। किसान, नौजवान, मध्यम वर्ग गरीबों में निराशा है। बीजेपी ने राजनीति को व्यापार बना दिया है। महंगाई बढ़ाकर सबको ठगा है। भाजपा ने किसी को नहीं छोड़ा। भाजपा ने अपनी गलत नीतियों से दलितों, पिछड़ों, नौजवानों, कर्मचारियों, व्यापारियों महिलाओं सभी को संकट में डाला। लोगों को प्रताड़ित किया। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की जनता समाजवादियों की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रही है। जनता समाजवादी पार्टी पर भरोसा कर रही है। समाजवादी पार्टी जनता के दुःख-दर्द और उसकी जरूरतों को समझती है। समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है। हमेशा जनता के हित में फैसले लिए है। प्रदेश की जनता ने समाजवादी पार्टी पर जो भरोसा जताया है पार्टी उसे और मजबूत करेगी।

भाजपा की सरकार पूरी तरह से नाकाम : अजय राय

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय रविवार को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनपद लखीमपुर खीरी पहंचे। जहां उन्होंने जनपद की विधानसभा पलिया के ब्लॉक बिजुआ के ग्राम एलनगंज में हाल ही में इलाज व संसाधनों के अभाव के कारण इंटर की छात्रा शिवानी की हुई मृत्यु व उसके पार्थिव शरीर को लेकर उनके भाइयों को घर के लिए पाँच किलोमीटर पैदल चलना पड़ा जिसका संज्ञान लेते हुए कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने पीड़ित परिवार जनों से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान पीड़ित परिवार ने बताया की दिवगंत शिवानी बीमार चल रही थी और डॉक्टरों ने उसे इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया था। बाढ़ के कारण यातायात प्रभावित था, किसी प्रकार की सरकारी सहायता भी उपलब्ध नही थी। नतीजा शिवानी की इलाज के आभाव में मृत्यु हो गई और दुर्दशा इतनी की भाइयों को शिवानी के शव को कंधे पर उठाकर ही घर के लिये चलना पड़ा। गांव में ना तो सड़क सुविधा है और प्राथमिक इलाज़ के लिए भी 20-22 किलोमीटर जाना पड़ता है।हाई स्कूल इंटर पढ़ाई की सुविधा नही है, सोलर पॉवर प्लांट खराब पड़ा हुआ है जिसके कारण बिजली तक नहीं है। जंगल के बैरिएर पर निकलने पर उगाही की जाती है। सरकार व प्रशासन की उदासीनता के चलते ग्राम व क्षेत्र के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर है।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा की सरकार पूरी तरह से नाकाम हो चुकी है और पूरे प्रदेश के साथ यह क्षेत्र भी पिछड़ेपन की मार झेल रहा है। इलाज की कोई सुविधा नहीं है जिसके कारण हमने एक होनहार बेटी शिवानी को खो दिया। 20-22 किलोमीटर तक सड़क मार्ग उपलब्ध नहीं है, जंगल और गड्ढों से भरा हुआ कच्चा रास्ता है, जिसपर बरसात और रात में किसी आकस्मिक घटना में चल पाना नामुमकिन है। इतनी बड़ी घटना के बावजूद प्रदेश की सरकार ने अभी तक पीड़ित परिवारजनों की मदद करना तो दूर किसी प्रशासनिक नुमाइंदे तक को परिवारजनों के पास नहीं भेजा है।

पीड़ितों से मुलाकता करते दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अजय राय ने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। सरकार से आपकी मदद व क्षेत्र के विकास की माँग की जायेगी साथ ही कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार और क्षेत्र की माँगो को विधानसभा और लोकसभा में उठाने का भी काम करेगी। पीड़ित परिवार की व्यथा को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पीड़ित परिवार को कांग्रेस पार्टी की तरफ से त्वरित राहत हेतु पचास हजार का चेक सौंपा। यह धनराशि कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा मोना ने अपने विधायक के तौर पर मिलने वाले वेतन खाते से दी। श्रीमती मोना ने कांग्रेस की करूणा, प्रेम और त्याग की भावना के अनुरूप कार्य करते हुए पीड़ित परिजनों की परेशानियों से खुद को जोड़ते हुए उनकी सहायता की और कांग्रेस पार्टी की ओर हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कार्यकर्ताओं के साथ विधानसभा श्रीनगर ब्लॉक फूल बेहड के ग्राम पिपरा गुम के बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करते हुए उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। श्री राय खुद चलकर बाढ़ क्षेत्र पहुंचे और वहां की वास्तविक हकीकत को जाना तथा वहां के लोगों की समस्याएं जानी तथा उनसे वादा करते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उनकी समस्याओं से अवगत कराते हुए उन्हें त्वरित लाभ पहुचाने की मांग करेंगे।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय राय के साथ प्रदेश महासचिव व संगठन प्रभारी अनिल यादव, प्रदेश महासचिव सैफ अली नकवी, पूर्व सांसद रवि वर्मा, जिला प्रभारी संजीव पांडे, मोहम्मद शमीम, राजेश सिंह काली, जिलाध्यक्ष प्रहलाद पटेल, शहर अध्यक्ष सिद्धार्थ त्रिवेदी,पूर्व जिला अध्यक्ष इकबाल अहमद, जिला प्रवक्ता अमित गुप्ता, महिला जिला अध्यक्ष मंजू मिश्रा, चंद्रा प्रभा अवस्थी, आशीष मिश्रा, प्रेम वर्मा, राम कुमार वर्मा, कमर आलम, के के मिश्रा, रवि तिवारी, एजाज अहमद आदि मौजूद रहे।

भयावह रूप ले चुकी है महंगाईः रीबू श्रीवास्तव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव ने कहा है कि प्रदेश के कृषि मंत्री का यह बयान कि 100 रूपये किलो से ज्यादा दाल कहीं नही हैं' भयावह रूप ले चुकी महंगाई और उससे परेशान जनता का मजाक उड़ाने जैसा है। यह गरीब जनता के प्रति उनकी संवेदनहीनता को प्रदर्शित करता है।

रीबू ने कहा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सदैव सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का विरोध सड़क से संसद तक किया है। यही कारण है कि प्रदेश की जनता ने उन पर अपना भरोसा जताते हुए समाजवादी पार्टी को देश की तीसरी नम्बर की ताकतवर पार्टी बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रीबू श्रीवास्तव के अनुसार समाजवादी महिला सभा कृषि मंत्री के गैर जिम्मेदाराना बयान का विरोध करते हुए प्रदेश में ज्ञापन के माध्यम से कृषि मंत्री से मांग करती है या तो दाल की कीमत 100 रूपये करें या फिर अपनी अज्ञानता के लिए देश की जनता से माफी मांगे।

सपा लोहिया वाहिनी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नामित

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की स्वीकृति से समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अभिषेक यादव द्वारा श्री संदीप चौधरी निवासी बस्ती को समाजवादी लोहिया वाहिनी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नामित किया गया है।

बाढ़ को लेकर सरकार ने बरती सतर्कता, ग्राउंड जीरो पर खुद भी पहुंचे सीएम योगी

● हवाई सर्वे के साथ ही नाव से बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का किया मुआयना ●प्रदेश में 10 दिनों के अंदर 11 हजार से अधिक लोगों को किया रेस्क्यू ●बाढ़ की दृष्टि से प्रदेश के 24 जिले अतिसंवेदनशील और 16 जिले संवेदनशील

लखनऊ। बाढ़ को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पहले से ही की गई तैयारियों ने जनता को बड़े नुकसान से बचा लिया हे। प्रदेश में मानसून से पहले अतिसंवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों में की गई तैयारियां का नतीजा है कि हजारों लोगों की जान बचाने में सरकार को सफलता मिली है। पिछले दस दिनों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करीब 12 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता का ही असर रहा कि अफसर भी ग्राउंड जीरो पर दिखाई दिये, वहीं मुख्यमंत्री खुद बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर वास्तुस्थिति से अवगत होते रहे। एक तरफ जहां उन्होंने हवाई सर्वे के माध्यम से बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का मुआयना किया तो वहीं नाव से भी प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। सीएम ने बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत सामग्री किट वितरित की और आपदा पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना भी दी। आपदा के दौरान अपनों को खोने वालों के परिजनों को सीएम ने सहायता धनराशि का चेक प्रदान किया। श्रावस्ती के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में 11 लोगों का रेस्क्यू करने वाले 7 लोगों को सीएम ने प्रशस्ति पत्र सौंपा व एक लाख रुपए का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की।

योगी सरकार ने प्रदेश में मानसून के दस्तक देने से पहले ही बाढ़ की तैयारियां शुरू कर दी थीं। सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ की दृष्टि से अतिसंवेदनशील 24 और संवेदनशील 16 जिलों में आपदा की स्थिति बनने से पहले ही सारी तैयारियां मुकम्मल कर ली गयीं थी। इसको लेकर सीएम योगी ने जून के दूसरे सप्ताह से ही अधिकारियों के साथ बैठकों का दौर शुरू कर दिया था। सीएम ने राहत कार्यों से जुड़े अधिकारियों को शासनस्तर से लेकर फील्ड में तैनात अधिकारियों को पूरी ताकत से काम करने के निर्देश दिये थे। उन्होंने अधिकारियों के साथ मीटिंग कर राहत कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सीएम ने राहत कार्यों के दौरान छोटी-छोटी कमियों को दूर करने के निर्देश दिये। इतना ही नहीं वह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की लगातार मॉनीटरिंग करते रहे।

मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरुप अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर राहत कार्यों को अंजाम दिया। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। श्रावस्ती में नेपाल में अचानक पानी छोड़े जाने से खेत में काम कर रहे 11 श्रमिकों को देरात रेस्क्यू ऑपरेशन चला करीब 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित बचाया गया। पीलीभीत में टापू पर फंसे 7 लोगों को एयरफोर्स से समन्वय बनाकर एयरलिफ्ट कर सुरक्षित बचाया गया। कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 76 लोगों को रेस्क्यू कर बचाया गया। राहत आयुक्त ने बताया कि पिछले दस दिनों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 11962 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। 21,239 से अधिक मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 804 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गए हैं, जिसमें कुल 1,365 लोग रह रहे हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 1178 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं, लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है। इन क्षेत्रों में 914 नाव चलाई जा रही हैं। आपदा से प्रभावित लोगों को 23,93,41 से अधिक लंच पैकेट और 7,345 से अधिक खाद्यान्न सामग्री भी वितरित की गयी है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों के लिए 12 एनडीआरएफ, 9 एसडीआरएफ, 23 पीएसी और 1 एसएसबी को तैनात किया गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आर्मी एयरफोर्स एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी से निरंतर समन्वय बना हुआ है। पीलीभीत में 7,433 व्यक्तियों को नाव द्वारा तथा 170 मवेशियों को रेस्क्यू किया गया। वहीं श्रावस्ती में 213 मवेशियों और 2280 व्यक्तियों का रेस्कयू किया गया। बाढ़ शरणालयों में रहने वाले प्रत्येक शरणार्थी के लिए पके हुये स्वच्छ और पौष्टिक भोजन की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। यहां स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल टीम गठित की गई है। पेय जल, औषधियों और ओआरएस की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। शरणार्थियों के विश्राम के लिए बिस्तरों की भी व्यवस्था की गई है। शरणालयों में रात्रि के लिए समुचित प्रकाश व्यवस्था भी की गई है। यहां आने वाले शिशुओं के लिए दूध व पुष्टाहार की भी व्यवस्था की गई है। वहीं महिलाओं के लिये स्वच्छता संबंधी डिग्निटी किट की व्यवस्था की गई है। उनकी प्राइवेसी को भी सुनिश्चित किया गया है। प्रत्येक शरणालय में शरणार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वर्षा व बाढ़ के कारण विषैले जंतुओं की सक्रियता के दृष्टिगत ब्लॉक स्तर पर एंटीवेनम, औषधियों व इंजेक्शनों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। पशुओं को ऊंचे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है और उनके लिये चारा-पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

हिंदू महासभा ही हिंदुओं का एकमात्र राजनीतिक संगठनः मनोज

संवाददाता। फतेहपुर

अखिल भारत हिंदू महासभा की हिंदुओं का एकमात्र राजनीतिक संगठन है। धर्मांतरण, जनसंख्या व घुसपैठ नियंत्रण समेत अन्य कानून बनाए जाने की मांग को लेकर हिंदू महासभा अभियान चलाएगी। यह बात रविवार को महासभा के नवमनोनीत प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज त्रिवेदी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन व अदालत की पैरवी फैजाबाद की सत्र अदालत में 1950 से उच्च न्यायालय तक महासभा ने ही पूरी पक्षकार बनकर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रयागराज मंडल के नवमनोनीत उपाध्यक्ष राम गोपाल शुक्ल ने कहा कि वर्तमान समय में जनपद में अधिकांश सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार व्याप्त है।

महासभा आंदोलन करके रिश्वत लेने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को चिन्हित कराकर कानूनी कार्रवाई कराने का काम करेगी। नवमनोनीत जिलाध्यक्ष शशिकांत मिश्र ने कहा कि संगठन के ढांचे को न्याय पंचायत स्तर तक खड़ा करके ब्लाक व ग्राम स्तर की कमेटियां बनाकर संगठन की नीतियों का प्रचार-प्रसार करेंगे। संगठन हिंदुत्व के साथ-साथ अन्य सामाजिक गतिविधियों में भी अपनी भागीदारी निभाएगी। इस मौके पर प्रवक्ता राम आसरे आर्य, सदर तहसील अध्यक्ष ब्रह्मेश तिवारी, करन सिंह पटेल, श्रवण कुमार राजपूत, संतोष देववंशी, डा. प्रमोद पांडेय, रमाशंकर शुक्ल, सुनील कुमार गुप्ता, धनंजय पांडेय, महिला जिलाध्यक्ष संगीता गुप्ता, शिवाकांत तिवारी भी मौजूद रहे।

अखिल भारत हिंदू महासभा की भंग चल रही प्रदेश व जिला कार्यकारिणी को बहाल कर दिया गया है। जिसमें अभी तक प्रदेश महामंत्री का दायित्व संभाल रहे मनोज त्रिवेदी को वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष व काशी प्रांत का प्रभार सौंपा गया है।

मोहर्रम पर कदीमी काला तख्त अलम और जरी के निकले जुलूस

संडीला, हरदोई। मोहर्रम के मौके पर शहादत ए इमाम हुसैन की याद में निकलने वाले जूलूसों के क्रम में सात्वीं मोहर्रम को प्राचीन काले तख्त के जुलूस से सुबह का प्रारंभ हुआ। नगर के मोहल्ला पुरानी तहसील से उठने वाले इस प्राचीन जुलूस को ऐतिहासिक जुलूस कहा जाता है। इसको उठाने वाले स्व अमजद अली खां की चौथी पीढ़ी के सदस्य शब्बीर खां ने जानकारी देते हुए बताया कि इसकी शुरूआत नवाब वाजिद अली शाह, अवध के नवाब के द्वारा किया गया था। जुलूस उठने के मौके पर 21 तोपों की सलामी दी गयी थी। इसके अलावा शहर में तमाम तरह के लंगर के साथ साथ कई कुओं तक में शीरीनी डाली गयी थी ताकि लोग जी भरकर शरबत पी सकें। तभी से इसका सिलसिला चल रहा है। यह जुलूस 7 मोहर्रम की सुबह उठकर 8 मोहर्रम की सुबह ठीक 8 बजे वापस अपनी जगह पहुंचता है। लोगों ने बताया कि पहले यहां एक आलीशान इमामबाड़ा हुआ करता था, जो धीरे-धीरे खंडर में बदल गया और अब मात्र वह प्लेटफार्म बचा है जिसपर यह तख्त रखा जाता है और जहां से जुलूस की शुरूआत होती है। जमीदारी समाप्त होने का सीधा असर इस जुलूस की आन, बान, शान पर भी पड़ा है।

कहीं नांव से तो कहीं पैदल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच रही स्वास्थ्य टीमें

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बाढ़ प्रभावित दूरस्थ क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य टीमें नाव व पैदल चलकर पहुंच रही हैं और स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। शनिवार को सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता द्वारा भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया गया।

जनपद की चार तहसीलें बाढ़ से बहुत अधिक प्रभावित हैं और यही कारण है की इन सभी बाढ़ क्षेत्र में संक्रामक रोगों का खतरा भी बढ़ गया है। इसके दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर हैं। शनिवार को सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने विकास खंड नकहा के बाढ़ प्रभावित गांव खानीपुर व रहरिया का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सीएचसी अधीक्षक डॉ रामू सिंह भी मौजूद रहे। बाढ़ राहत शिविर पर उन्होंने दी जा रही दवाओं और उनकी उपलब्धता को देखा, मरीज से बात की। उसके बाद में विकासखंड ईसानगर के ग्राम लुधौनी पहुंचे, जहां पर आशाओं से टीकाकरण के विषय में जानकारी की।

जहां आशाओं द्वारा बताया गया कि बाढ़ में भी टीकाकरण ना छूटे इसलिए वह सभी को जागरुक कर रही हैं, साथ ही लोगों को पानी को शुद्ध कर के पीने के बारे में भी बताया जा रहा है। इसी के साथ वह सिसैया पीएचसी, धौरहरा व रमियाबेहड़ सीएचसी पर भी पहुंचे। जहां पर उन्होंने स्रेक बाइट और एंटी रेबीज की उपलब्धता को देखा।

सीएचसी फूलबेहड़ में अधीक्षक डॉ पवन के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पहुंची हुई टीमों का निरीक्षण कर ओआरएस जिंक व अन्य दावों का वितरण किया। डिप्टी सीएमओ डॉ धनीराम द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र जसवंत नगर, व कोइना पुरवा ईसानगर का भ्रमण किया गया, जहां पर विधायक विनोद शंकर अवस्थी द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री बांटी गई, तो वहीं सीएससी खमरिया अधीक्षक डॉ पंकज कुमार के नेतृत्व में टीम द्वारा दवाओं का वितरण किया गया।

मोहम्मदी विधायक विनोद शंकर अवस्थी द्वारा स्वास्थ्य टीमों से भी उपलब्ध दवाओं की जानकारी ली गई। निघासन तहसील में अधीक्षक डॉ प्रमोद रावत स्वास्थ्य टीम के साथ नाव पर सवार होकर बाढ़ ग्रस्त गांव जीतपुरवा पहुंचे, जो चारों तरफ से पानी से घिरा हुआ है।

गांव में भी पानी भरा है। लोगों को यहां पर स्वास्थ्य टीम ने दवाओं का वितरण किया, ओआरएस जिंक सहित अन्य संक्रामक रोगों से संबंधित मरीजों व अन्य बीमारियों के मरीजों को भी दवाई दी गई।

कम्हरियां गांव में चल रही अपंजीकृत क्लीनिक को किया गया सीज़

मौदहा, हमीरपुर। बिना पंजीकरण क्षेत्र में चल रही अस्पतालों पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने नकेल कसना शुरू कर दी है रविवार को क्षेत्र के कम्हरिया गांव में लगभग एक वर्ष से ज्यादा समय से संचालित अवैध अस्पताल पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गीतम सिंह ने छापेमारी कर सीज किया है। यह अस्पताल डॉक्टर शनी नामक व्यक्ति चलाता था जो कि मूल रूप से इसी गांव का रहने वाला था लेकिन वर्तमान समय में लखनऊ में रहता है जो अपने गांव में प्रत्येक शनिवार की शाम आकर अपने निवास स्थान पर चर्म रोग, मुहासे, दाग.धब्बा, खुजली तथा बालों से संबंधित अनेक प्रकार की बीमारियों का इलाज करने का दवा करता है तथा दूर दराज से आए हुए मरीजों को अंग्रेजी एवं आयुर्वेदिक दवाओं के भारी भरकम कीमत के पर्चे लिखकर देता था और गाढ़ी कमाई कर अपनी जेब भरता रहा है।

वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी के इस कार्यवाही से क्षेत्र भर में संचालित बिना पंजीकृत अस्पताल संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। नगर सहित क्षेत्र भर में संचालित अवैध अस्पतालों पर बैठकर झोलाछाप डॉक्टर भोले भाले मरीजों की जेबों पर डांका डालने का काम करते हुए छोटी सी छोटी बीमारियों पर हजारों रुपए का परिचय बनाकर उन्हें ठगने का काम करने में महारत हासिल किये हैं।

या हुसैन की गूंज के साथ निकला पलंग का जुलूस

मौदहा, हमीरपुर। मौदहा कस्बा में रविवार को पलंग का जुलूस धूमधाम से निकाला गया है। यह जुलूस गंधीगर इमाम चौक से उठकर अपने परम्परागत मार्गों से होते हुए सोमवार की भोर में पुन: अपने गन्तव्य स्थान पर सम्पन्न हुआ है। इस दौरान जगह जगह लंगर और शीतल पेय पदार्थों के साथ ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पलंग का जुलूस मौदहा कस्बा के गंधीगर इमाम चौक से दोपहर बाद उठा जो कि नगर के मोहल्ला कजियाना से गदाईए छोटा अलाव, पुरवा, चौधराना, सिजवहिया, हुसैनिया, हैदरगंज बड़ा कसौड़ा, भुईयां रानी, छोटा कसौड़ा, चिकवा मोहाल, उपरौस, मराठीपुरा पुरा, कोतवाली गेट, जीजीआईसी, मथुरा मंदिरए नेशनल चौराहाए गुड़ाही बाजार होकर सोमवार के तड़के पुन: गंधीगर के इमाम चौक पर पहुंचा जहां फातहा व सलाम पेश कर समापन हुआ। इस दौरान मातमी धुनें और मरसिया सुनाई दिए और युवाओं ने ढोल ताशे बजाए।

भुइयां देवी मंदिर में मेले के दौरान भक्तों की उमड़ी भीड़

कुरारा, हमीरपुर। विकास खंड क्षेत्र के झलोखर गांव स्थित स्थित प्राचीन भुइंया रानी मंदिर में आषाढ़ मास के चौथे रविवार को मेला आयोजित किया गया। वही देवी मंदिर में भक्तो ने पूजा अर्चना की। तथा मंदिर परिसर में भौरिया बनाकर पूजा अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान ब्लाक क्षेत्र के गांवों से भक्तो की भीड़ एकत्र रही।

विकास खंड क्षेत्र के झलोखर गांव में प्राचीन मां भुइंयारानी का मंदिर स्थित है। इस मंदिर में वर्ष भर प्रत्येक रविवार को भक्तो का आवागमन रहता है। यहां की ऐसी मान्यता है कि वात रोग इस मंदिर की मिट्टी का लेपन करने से दूर हो जाता है। अन्य प्रांत के लोग भी मंदिर में आते रहते हैं। मंदिर के पुजारी राजेन्द्र प्रजापति ने बताया कि आषाढ़ मास में इस मंदिर की महत्ता बढ़ जाती है। तथा प्रत्येक रविवार को ब्लाक क्षेत्र के गांवों के लोग मंदिर परिसर में आग के उपले में भौरिया बनाकर खाते हैं। तथा मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं। वहीं समाजसेवी अखिलेश सिंह गौर ने बताया कि इस मंदिर में मिट्टी ;रजद्ध का महत्व विशेष हो जाता है। इस मिट्टी में औषधीय तत्व पाए जाते हैं।

पुलिस ने सात वारंटियों को किया गिरफ्तार

गुरसहायगंज, कन्नौज। उच्चाधिकारियों के निर्देशन में कोतवाली पुलिस द्वारा न्यायालय में चल रहे विभिन्न मुकदमों में काफी समय से गैर हाजिर चल रहे सात लोगों को छापेमारी कर हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की गई है। रविवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. संसार सिंह के मार्गदर्शन एवं सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे के नेतृत्व में उप निरीक्षक श्याम पाल सिंह, रोबिन सिंह, राजेश प्रताप सिंह ने हमराह सिपाहियों के साथ मुखबिर की सूचना पर छापेमारी कर निहाल पुत्र नसीम, तहसीन च तस्कीन पुत्रगण बाकर निवासी ग्राम डुडबा बुजुर्ग, बाबू पुत्र जदुवीर सिंह निवासी ग्राम बारामऊ बांगर, सुरेंद्र पुत्र गंधर्व सिंह निवासी ग्राम बदनापुर, छोटू गुप्ता पुत्र महेंद्र कुमार निवासी मोहल्ला रामकृष्ण नगर, पप्पू पुत्र जलील निवासी मोहल्ला बगिया समधन को हिरासत में लेकर पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय भेजा गया।

क्विक न्यूज

लोडर की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत

कुरारा, हमीरपुर। थाना क्षेत्र के सरसई गांव निवासी युवक की लोडर के टक्कर से दर्दनाक मौत हो गई। वही लोडर के नीचे फंसे युवक को लोडर चालक रगड़ते हुए कदौरा कस्बे तक ले गया। पीछा कर रहे ग्रामीणों ने पेट्रोल पंप के पास पकड़ पाए। क्षेत्र के सरसई गांव निवासी प्रहलाद कुशवाहा 22 वर्ष पुत्र शिवनारायण बीती शाम गांव के समीप बने गेस्टहाउस के पास से वापस घर की तरफजा रहा था।तभी कुरारा की तरफसे कदौरा जा रहे लोडर ने पीछे से युवक को टक्कर मार दिया। तथा युवक का शव लोडर के नीचे फंस गया तथा उसको रगड़ते हुए ले गया।उदनपुर गांव में जब रोशनी में लोगो ने देखा तो लोडर के नीचे युवक का हाथ दिखाई दिया। पीछा करने पर कदौरा के पहले पेट्रोल पंप पर पकड़ लिया। पुलिस को सूचना मिलने पर वह सड़क में आ ई तथा लोडर से शव को निकाला। तथा परिजन भी मौके पर पहुंचे। तथा लोडर चालक के खिलाफकदौरा थाने में तहरीर दी है।

ट्रैक्टर की टक्कर से चालक समेत चार सवारियां घायल

राठ, हमीरपुर। सेना रोड पर सवारियां लेकर आ रहे ई रिक्शा में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में रिक्शा में सवार चालक सहित चार सवारियां घायल हो गई। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। जहां एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया है।मझगवां थाने के जराखर गांव निवासी चालक मूलचंद्र अहिरवार ने बताया कि रविवार की सुबह जराखर से ई रिक्शा में सवारियां लेकर राठ आ रहा था। तभी सेना रोड आरा मशीन के पास करगवां गांव की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने पीछे से जोरदार रिक्शा में टक्कर मार दी। रिक्शे में सवार जराखर गांव निवासी 60 वर्षीय नंदराम पुत्र उमराव, गंगा राम पुत्र दुलीचंद्र, खिरिया गांव निवासी भागवली पुत्र लालदिवान, झांसी जनपद के मछली कांछ निवासी दुर्जन पुत्र खेमचंद्र घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। डॉ चंद्रशेखर राजपूत ने बताया कि गंगाराम की हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया है।

उपेक्षा के चलते ट्रांसफर को लेकर विवाद गहराया

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। दलित बाहुल्य ग्राम कोंधवा में विद्युत कर्मियों ने मनमाने ढंग से खर - फूस की बनी झोपडी के पास रख दिया है जब पडोसी गरीब विश्राम व उनकी पत्नी रामचेती व पुत्र सालिगराम ने विरोध किया तब वह सब लडाई - झगड़ा पर अमादा होने लगे पीडित परिवार इधर - उधर भटकने को विवश है। जानकारी के अनुसार दलित बाहुल्य ग्राम कोंधवा है जोकि तहसील गोला के ठीक पीछे है। इस ग्राम में अति गरीब विश्राम लाल का परिवार रहता है जिसको उजाड़ने के लिए कुछ ग्रामीण बिजली विभाग से मिलकर बड़ा ट्रांसफार्मर रखवा दिया हैंजिससे उसका झोपड़ीनुमा मकान पर खतरा पैदा हो गया है। अपनी व परिवार की सुरक्षा को लेकर बिजली विभाग का रखा गया ट्रांसफार्मर जिसमें अभी किसी का विद्युत कनेक्शन नही हुआ है इस लिए अभी रखे गए बिजली ट्रांसफार्मर को वहां से हटवाने की मांग जायज है और अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता और उप खंड अधिकारी गोला को तत्काल संज्ञान में लेकर स्थान परिवर्तन कराने की मांग की है।

उमा फॉउंडेशन ने जरूरतमंद महिला को पहुंचाई मदद

रसूलाबाद, कानपुर देहात। अपने लिए तो सभी जीते हैं जो लोग दूसरों के लिए जिएं और उनके भी दुख दर्द को समझे असल मायने में वही सच्चे इंसान है। मानवता हर व्यक्ति के अंदर सबसे पहले होनी चाहिए। मानव ही मानव के दर्द को समझ सकता है। यह बात समाजसेवी व उमा फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कही। रसूलाबाद कस्बे में संचालित उमा फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप शुक्ला व सचिव गौरव कुमार के द्वारा इटैली गांव में एक प्रसूता व उसके शिशु को कपड़े, फल, मच्छरदानी सहित कई आवश्यक वस्तुएं भेंट की गई। उमा फॉउंडेशन के द्वारा बेटी बचाव,बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बेटियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि उनका पालन-पोषण अच्छे से हो सके। इसी क्रम में इटैली गांव की रहने वाली रीतू देवी पत्नी मनोज का प्रसव हुआ और उसने बेटी को जन्म दिया। परिवार के पास ऐसी स्थिति नहीं कि वह बच्चे का अच्छे से पोषण कर सके क्योंकि रीतू का पति 6 माह पूर्व एक मामले में जेल जा चुका है उसकी तीन बेटियां व एक बेटा है। खेतों में मजदूरी करके वह व उसकी बेटी अपने परिवार को चलाती है। ऐसे में जब संगठन के लोगों को यह बात पता चली तो संगठन ने मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाये। गांव पहुंचकर शिशु को पुष्टाहार, कपड़े, मच्छरदानी, तौलिया,साबुन,तेल, पाउडर इत्यादि चीजें भेंट की।

औद्योगिक इकाई में छत से गिरकर श्रमिक की मौत

संडीला, हरदोई। इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक औद्योगिक इकाई में काम करते समय एक श्रमिक की ऊपर से नीचे गिरकर मौत हो गयी। श्रमिक की मौत के बाद परिजन ने शव को औद्योगिक इकाई के सामने रखकर जबरदस्त हंगामा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रमैयाखेड़ा निवासी 20 वर्षीय आशीष कुमार इंडस्ट्रियल एरिया के फेज 2 में स्थित एक स्मॉल इंडस्ट्री में काम करता था। इस फैक्ट्री में पड़े हुए टिन शेड को उतारने के लिए आशीष को ऊपर चढ़ाया गया। टिन शेड उतारते हुए उसका बैलेंस बिगड़ गया और वह सिर के बल नीचे गिर गया, जिससे उसकी तत्काल मौत हो गयी। इसी इकाई में काम करने वाले उसके भाई ने सारी घटना के बारे में परिजन को सूचना दी। पहले तो औद्योगिक इकाई के लोग इस मामले को दाएं बाएं करते रहे लेकिन जब मामले ने तूल पकड़ लिया और मृतक के परिजन ने गेट के सामने शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया तब जाकर फैक्ट्री के कर्ता धर्ताओं के कान पर जूं रेंगी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा, हालांकि शुरूआत में पुलिस का रवैया भी लीपा पोती वाला ही दिख रहा था लेकिन जब किसान यूनियन के लोग वहां पहुंचना शुरू हुए तब पुलिस सावधान हुई। मृतक के परिजन ने घोषणा की कि जबतक पर्याप्त मुआवजे नहीं मिल जाता, वे शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

राज्यपाल से सम्मानित होंगे डॉ. अनुराग

फतेहपुर। रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन डा. अनुराग श्रीवास्तव लगातार उत्कृष्ट कार्य करके ख्याति हासिल कर रहे हैं। जिस पर उत्तर प्रदेश रेडक्रास की चयन समिति ने राज्यपाल के हाथों प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के लिए उनके नाम का चयन किया है। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष डा. हिमांशु नायक ने एक विज्ञप्ति जारी की। जिसमें बताया गया कि 16 जुलाई को राजभवन में होने वाली वार्षिक सामान्य बैठक में प्रातः दस बजे पहुंचकर पुरस्कार ग्रहण करें। इस उपलब्धि की जानकारी जब रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन व उनके समर्थकों को हुई तो खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने उनको बधाई दी।

शिकायत के बाद भी विवादित भूमि से नहीं हटा अवैध कब्जा

फतेहपुर। मंदिर की विवादित भूमि का मुकदमा न्यायालय सिविल जज जू.डि. में विचाराधीन होने व एसडीएम के आदेश के बावजूद भी दबंगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को अभी तक हटवाया नहीं गया है। जिससे पीड़ित न्याय के लिए भटक रहा है। पीड़ित का कहना रहा कि यदि उसे न्याय न मिला तो वह सीएम की चौखट पर पहुंचकर गुहार लगाएगा। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के के असनी गांव निवासी सुनील कुमार गुप्ता पुत्र स्व. शारदा प्रसाद ने बताया कि गांव में स्थित भूमि गाटा संख्या 610 पर प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर स्थापित है, यह भूमि विवादित है। जिसका मुकदमा न्यायालय सिविल जज जू.डि. में विचाराधीन है। पूर्व में शिव प्रसाद, अमन, विनोद, प्रमोद आदि ने अवैध कब्जे का प्रयास किया था। जिस पर उसने विरोध दर्ज कराते हुए एसडीएम से शिकायत की थी। जिस पर एसडीएम ने मौके पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था।

कांग्रेसियों ने उप चुनाव में इंडी गठबंधन की सफलता का मनाया जश्न

संवाददाता। फतेहपुर

हाल ही में देश के सात राज्यों की तेरह विधानसभा सीटों के उपचुनाव में ग्यारह सीटों पर गठबंधन की जीत होने पर खुशी से लबरेज कांग्रेसियो ने मिष्ठान वितरण कर अपनी खुशी का इजहार किया।

शहर के पटेलनगर चौराहे पर दोपहर बारह बजे जिलाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह चौहान एवं शहर अध्यक्ष मो. आरिफ गुड्डा की अगुवाई में एकत्रित कांग्रेसियों ने लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राहगीरों को मिष्ठान वितरण किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष ने कहा कि धर्म के नाम पर अधर्म की राजनीति करने वालों को अब जनता खुद आइना दिखा रही है।

आने वाला समय भाजपा मुक्त भारत की ओर बढ़ रहा है। गंदी राजनीति का परिणाम अच्छा कैसे हो सकता है। इन्हे तो अब परमेश्वर ने भी नकार दिया है।

शहर अध्यक्ष मो. आरिफगुड्डा ने कहा कि आज देश का हर नागरिक इनकी ओछी मानसिकता से परिचित हो चुका है। छल प्रपंच से चुनाव जीत कर देश को गर्त में डालकर विदेश में भारत की छवि को धूमिल किया है जो सर्वथा अक्षम्य है। पूर्व अध्यक्ष महेश द्विवेदी, प्रवक्ता देवी प्रकाश दुबे, संगठन प्रभारी राजन तिवारी, शेख एजाज अहमद आदि ने भी अपने संबोधन में कांग्रेस की जीत का श्रेय राहुल गांधी की कड़ी मेहनत और उनकी बेदाग छवि को देते हुए जनता को बधाई दी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता औसाफ सईद चच्चा, मो. इशरत खान, आंनद सिंह, शहाब अली, रुद्र तिवारी, कमल मिश्रा, सलीम खान, शहबाज अंसारी, अमित श्रीवास्तव, सूफ्यिाना अंसारी, अब्दुल रज्जाक, फैसल अब्बास, नफीस खान, हिमांशु गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बच्चों को युवा विकास समिति ने बांटी शिक्षण सामग्री

फतेहपुर। शिक्षा के बिना यह जीवन बिल्कुल ही अधूरा है। शिक्षा वह साधन है, जो व्यक्ति को सफल और महान दोनों बनाता है, उक्त विचार युवा विकास समिति के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र मिश्रा ने अलीपुर स्थित झोपड़िया में गरीब परिवार के बच्चों के बीच पठन पाठन का सामग्री वितरण करते हुए कही। उन्होंने कहा कि उनके समाजसेवी संगठन के तरफ से ग्रामीण इलाकों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए पहल शुरू किया गया है जिसमें गरीब परिवार के छोटे छोटे बच्चों को मुफ्त में पठन पाठन सामग्री मुहैया कराने के साथ साथ इन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया जा रहा है, ताकि हमारा समाज विकसित हो इसके साथ साथ गाँव,शहर और देश विकसित हो। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चो समिति पदाधिकारियों ने अपने हाथों से कॉपी, बैग और पेंसिल इत्यादि चीजों को देकर बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता का प्रथम योगदानः प्राध्यापक

रसूलाबाद, कानपुर देहात। बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता का प्रथम योगदान होता है इसलिए माता उन्मुखीकरण बैठक का आयोजन विद्यालय में किया जाता है ताकि माता और बच्चे में सामंजस्य बिठाकर बच्चों के शिक्षण कार्य सहित सर्वांगीण विकास को आगे बढ़ाया जा सके। यह बात प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉ.अर्चना मिश्रा ने कही। बच्चों की शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए , माताओं की शाला के प्रति भूमिका ,सहयोग, बच्चों से भावनात्मक लगाव कैसे बनाएं यह जानकारियां प्राथमिक विद्यालय खेमनिवादा में दी गईं। नवीन शैक्षिक सत्र के प्रथम बैठक माता उन्मुखीकरण का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापक डा. अर्चना मिश्रा द्वारा माताओं को बच्चों के नाम लिखे हुए बैच लगाकर व बच्चों द्वारा पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया । इस माह विषय की थीम – बच्चों के शुरुआती वर्षों का महत्व व प्रारम्भिक बाल्यावस्था महत्व व आवश्यकताएं के विषय में बताया गया। अर्चना मिश्रा ने बताया स्थानीय गीत कविताएं एवं कहानियों के द्वारा भाषा ज्ञान की अभिवृद्धि होती है। बच्चों में कल्पना शक्ति, भाषा कौशल, ध्यान केन्द्रित करने की क्षमता में भी सुधार होता है।

युवती ने भाजपा नेता पर लगाया अभद्रता व मारपीट का आरोप

गुरसहायगंज, कन्नौज। जमीनी विवाद को लेकर युवती ने भाजपा नेता एवं उसके साथियों पर उसके एवं उसके भाई के साथ अभद्रता व मारपीट करनें का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। रविवार को क्षेत्र के ग्राम भवानीपुर निवासी अपेक्षा चौहान पुत्री सूर्यभान सिंह द्वारा भाजपा नेता एवं पांच लोगों द्वारा जमीनी विवाद को लेकर विगत दिन पूर्व उसके खेत पर आकर उसे उसके भाई के साथ अभद्रता व मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया। वहीं मामले के संबंध में भाजपा नेता/पूर्व प्रधान का कहना है कि यह जमीन उन्होंने 16 नवंबर 2023 को रामपुर बिनौरा निवासी श्याम कुमारी पत्नी सोवरन एवं उनके पुत्रों राकेश व सोमेंद्र सिंह से बैनामा कराकर खरीदी थी। बताया कि जमीन के स्वामी जोत सिंह द्वारा 1984 में की गई रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर उनकी बेटी श्याम कुमारी व उनके पुत्रों के नाम पर थी। बताया कि मारपीट की घटना बेबुनियाद है। घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे मौजूद हैं जिसमें संपूर्ण बातचीत कैद हुई है। उधर मामले के संबंध में प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे का कहना है कि उच्च न्यायालय द्वारा प्रशासन को चार सप्ताह में हलफ्नामा दाखिल करने सहित यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश पारित किया गया है जिसका अनुपालन कराया जाएगा।

युवती ने किया शादी से इंकार, पुलिस ने कराया समझौता

गुरसहायगंज, कन्नौज। बीती शाम क्षेत्र के ग्राम तरपुर्वा में बारात लेकर गए दूल्हे एवं उसके परिजनों को युवती एवं उसके पिता ने चढ़ावा लेने के उपरांत शादी करने से इनकार कर दिया। जिससे बारातियों में रोष व्याप्त हो गया। बारात सहित दूल्हे ने कोतवाली पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। जिस पर कोतवाल के प्रयासों से दोनों पक्षों में समझौता करवा दिया गया। बताते चलें कि शनिवार की शाम पड़ोसी थाना छिबरामऊ की चौकी सिकंदरपुर के ग्राम अलाह निवासी 26 वर्षीय मनोहर सिंह पुत्र रमेश चंद्र की बारात क्षेत्र के ग्राम तरपूर्वा में पहुंची जहां पर वर पक्ष ने चढ़ावे में जवरात व अन्य सामान दिया।

गलियां चलने लायक नही, रास्ते पर पानी निकलने से गंदगी की भरमार

कुरारा, हमीरपुर। विकास खंड क्षेत्र के डामर गांव में गांव के अंदर वाले मेन रास्ते में नालियों की सफाई व्यवस्था नहीं होने के कारण रास्ते के ऊपर से पानी निकल कर बह रहा है। लोगो को पैदल निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सफाई कर्मचारी का पता नहीं रहता है। सरकार का संचारी रोग अभियान फ्लाप हो रहा है। क्षेत्र के डामर गांव के रास्ते दलदल से भरे हुए हैं। नालियों की सफाई वर्षो से नहीं होने के कारण लोगो पानी कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है। वही बच्चो को विद्यालय आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव के अंदर स्थित पुराने प्राथमिक विद्यालय के पास से छोटे लाल के मकान के समीप तक रास्ते का हाल बेहाल हो गया है। बरसात के मौसम में इस रास्ते से निकलना मुश्किल हो रहा है। लोगो ने अतिक्रमण कर के रास्ता संकरा कर दिया है। तथा दलदल के कारण दो पहिया वाहन फिसल कर गिर जाते हैं। वही नालियों की सफाई व्यवस्था नहीं होने के कारण नालियों का पानी बीच रास्ते से निकल रहा है। गांव निवासी के के यादवए मानसिंहए बाबू सिंह, हरप्रसाद, अशोक कुमार,आदि ने बताया कि इस रास्ते से गांव सहित कुशौली पुरवा के ग्रामीणों का आवागमन रहता है। नालियों के सफाई सालो से नही हो पाई है। जून माह में भी नाली सफाई नही कराई गई है। जिससे पानी पूरे रास्ते में फैल कर निकल रहा है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण का लिया संकल्प

फतेहपुर। शहर के चौक चौराहे के समीप स्थित एक स्वीट हाउस के पच्चीस वर्ष पूर्ण होने पर संचालक समेत उनके परिवारीजनों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण करने का संकल्प लिया। उन्होने परिवारीजनों व मित्रों को एक-एक पौध रोपित करने की जिम्मेदारी दी। संचालक दीपक साहू ने परिवारीजनों व मित्रों के साथ अलग-अलग स्थानों पर पौधों को रोपित किया। साथ ही सभी को संरक्षण का दायित्व भी सौंपा। श्री साहू ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को कम करने व धरती को हरा-भरा बनाने की आज आवश्यकता है। यह तभी संभव हो सकता है जब सभी मिलकर एक-एक पौधा रोपित करें। उसकी जिम्मेदारी का भी दायित्व निभाएं। जिससे पौधे पूर्णत: सुरक्षित हो सकें। उन्होने बताया कि पंद्रह से उन्नीस जुलाई तक एक किलोग्राम मिष्ठान खरीदने पर एक बड़ी स्टील की प्लेट व आधा किलो मिष्ठान खरीदने पर छोटी स्टील की प्लेट भेंट में दी जाएगी। इस मौके पर वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव विनोद गुप्त, जिलाध्यक्ष अरूण जायसवाल, सुशील फौजी, कैलाश चंद्र पुरवार, भैरो प्रसाद, जीतू हयारण, नरायन बाबू गुप्ता, रवी साहू, दिनेश चंद्र साहू, अखिलेश चंद्र साहू, चुन्नू महाराज भी मौजूद रहे।

एक्स पर पीएम मोदी के फॉलोअर की संख्या 10 करोड़ के पार हुई

भाषा। नई दिल्ली

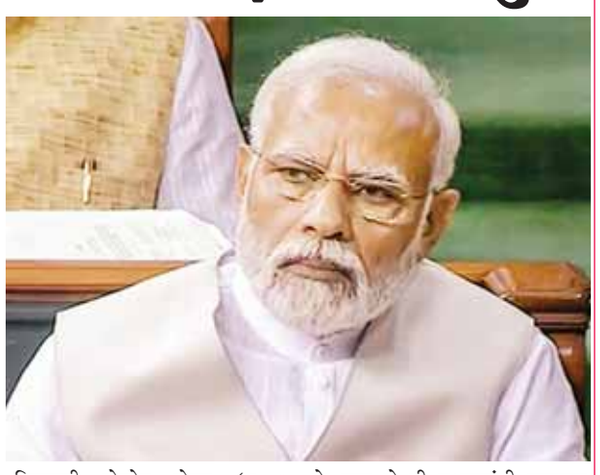

सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फॉलोअर की संख्या रविवार को 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई।अधिकारियों ने बताया कि पिछले तीन साल में उनके फॉलोअर की संख्या में तीन करोड़ की वृद्धि हुई है।वैश्विक स्तर पर वह पहले से ही इस सोशल मीडिया मंच पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले सरकार प्रमुख हैं।अधिकारियों ने बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जैसे विपक्षी नेताओं के क्रमश: 2.75 करोड़ और 2.64 करोड़ फॉलोअर के मुकाबले मोदी के फॉलोअर की संख्या कई गुना अधिक है।अन्य देशों की सरकार प्रमुखों में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के 3.81 करोड़ और तुर्की के राष्ट्र प्रमुख रजब तैयब एर्दोआन के 2.15 करोड़ फॉलोअर हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,"एक्स पर 100 करोड़ इस जीवंत माध्यम पर आकर और चर्चा, बहस, अंतर्दृष्टि, लोगों के आशीर्वाद, रचनात्मक आलोचना तथा बहुत कुछ का हिस्सा बनकर खुश हूं। भविष्य में भी इसी प्रकार से लोगों से जुड़े रहने को उत्सुक हूं।"एक अधिकारी ने कहा, "मौजूदा वैश्विक खिलाड़ियों जैसे विराट कोहली (6.41 करोड़), ब्राजील के फुटबॉलर नेमार जूनियर (6.36 करोड़) और अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स (5.29 करोड़) से भी ज्यादा फॉलोअर प्रधानमंत्री मोदी के हैं।अधिकारी ने कहा, "वह टेलर स्विफ्ट (9.53 करोड़), लेडी गागा (8.31 करोड़) और किम करदाशियां (7.52 करोड़) जैसी हस्तियों से भी आगे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के नेता अक्सर उत्सुकता से मोदी से सोशल मीडिया पर जुड़ते हैं क्योंकि उनसे जुड़ने से उनके अपने फॉलोअर की संख्या, जुड़ाव, विचार और रीपोस्ट में उल्लेखनीय इजाफा होता है।अधिकारी ने कहा कि यह हाल ही में इटली के साथ-साथ ऑस्ट्रिया में भी देखा गया था।प्रधानमंत्री मोदी क्रमश: 2.5 करोड़ सब्सक्राइबर और 9.1 करोड़ से अधिक फॉलोअर के साथ यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर भी प्रभावशाली उपस्थिति रखते हैं।साल 2009 में ट्विटर से जुड़ने के बाद से ही प्रधानमंत्री लगातार इस माध्यम से लोगों से जुड़े रहे हैं। एक्स को पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था।अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी किसी को ब्लॉक नहीं किया है।एक अधिकारी ने कहा,"वह बहुत सक्रिय रहते हैं, कई आम नागरिकों को फॉलो करते हैं, उनके साथ संवाद करते हैं, उनके संदेशों का जवाब देते हैं और कभी भी किसी को ब्लॉक नहीं करते हैं"।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर का आंकड़ा पार करना इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने सीधे संवाद में किस तरह क्रांति ला दी है। इस मील के पत्थर तक पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में उनकी दृष्टि और भी अधिक लोगों तक पहुंचेगी"।

झारखंड चुनाव से पहले झामुमो, कांग्रेस ने घोषणापत्र में किए थे 461 वादे, सब झूठ का पुलिंदा: शिवराज चौहान

भाषा। रांची

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को आरोप लगाया कि झारखंड में पिछले विधानसभा चुनाव से पहले झामुमो और कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कुल 461 वादे किए थे, लेकिन वे सभी झूठ का पुलिंदा थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के झारखंड चुनाव प्रभारी चौहान एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने यहां आए थे। चौहान ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अपने घोषणापत्र में लोगों से 144 वादे किए थे, जबकि कांग्रेस ने 317 वादे किए थे। कुल मिलाकर गठबंधन ने 461 वादे किए थे, लेकिन वे सभी झूठ का पुलिंदा थे। उन्होंने कहा कि झामुमो ने अपने घोषणापत्र में लाखों नौकरियों और युवाओं को 5,000 से 7,000 रुपए का बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था। उन्होंने कहा, राज्य में एक भी बेरोजगार युवा को अभी तक इसका लाभ नहीं मिला है। चौहान ने कहा, इसी तरह, पार्टी ने महिलाओं को ऋण देने के लिए महिला बैंक और किसानों के लिए कृषक बैंक बनाने का वादा किया है। मैं गठबंधन सरकार से पूछना चाहता हूं कि राज्य में कितने महिला और कृषक बैंक स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ सरकार ने खनन को बढ़ावा देने के बजाय पर्यटन के माध्यम से झारखंड का विकास करने का वादा किया था। चौहान ने कटाक्ष करते हुए कहा, पर्यटन विकसित तो नहीं हुआ है, लेकिन खनन बड़े पैमाने पर हो रहा है। उन्होंने कहा, झामुमो ने 25,000 करोड़ रुपए की लागत से पलामू, गढ़वा, गिरिडीह, चाईबासा, दुमका और देवघर को विश्व-स्तरीय शहर बनाने का वादा किया था। मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए कि इन छह शहरों के निवासियों के साथ धोखा क्यों किया गया। इससे पहले दिन में चौहान ने खिजरी विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ता अभिनंदन और विजय संकल्प सभा में भाग लिया। प्रदेश भाजपा हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों की सफलता का जश्न मनाने के लिए छह जुलाई से विधानसभा सीटवार कार्यकर्ता अभिनंदन और विजय संकल्प सभा का आयोजन कर रही है। भाजपा ने आठ लोकसभा सीट जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी ने एक सीट जीती। यह कार्यक्रम 15 जुलाई तक चलेगा। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने झारखंड में 14 लोकसभा सीट में से नौ पर जीत हासिल की है और 81 विधानसभा क्षेत्रों में से 52 पर बढ़त हासिल की। मैं कार्यकर्ताओं को इस सफलता के लिए बधाई देता हूं। चौहान के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री राज्य में पिछले पांच वर्षों में किए गए अनुकरणीय कार्यों का उल्लेख नहीं करेंगे। ठाकुर ने कहा, वह (चौहान) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के युवाओं से किए गए दो करोड़ नौकरियों के वादे के बारे में भी नहीं बोलेंगे। वह अपने शासनकाल के दौरान मध्य प्रदेश में हुए व्यापम घोटाले के बारे में भी बात नहीं करेंगे। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में गठबंधन सरकार ने किसानों का कर्ज माफ किया, सार्वभौमिक पेंशन की शुरुआत की, 21 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए 1,000 रुपए की वित्तीय सहायता सहित अन्य पहल कीं।

ग्वालियर के प्रतिष्ठित विद्यालय में छात्र के साथ कुकर्म

ग्वालियर। ग्वालियर के एक प्रतिष्ठित विद्यालय के 7वीं कक्षा के एक छात्र के साथ एक वरिष्ठ विद्यार्थी ने कथित तौर पर कुकर्म किया। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना स्कूल परिसर के स्वास्थ्य केंद्र के बाथरूम में शनिवार को घटी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निरंजन शर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि स्कूल प्राचार्य की शिकायत पर आरोपी पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के अनेक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जयशंकर ने क्वात्रा की उनके योगदान के लिए सराहना की

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को निवर्तमान विदेश सचिव विनय क्वात्रा की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए प्रशंसा की। वर्तमान में राष्ट्रीय उप सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत विक्रम मिस्री सोमवार को नए विदेश सचिव के रूप में कार्यभार संभालेंगे। क्वात्रा ने एक मई 2022 को विदेश सचिव का पदभार ग्रहण किया था। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, निवर्तमान विदेश सचिव विनय क्वात्रा को विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण और योगदान के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा, विशेष रूप से पिछले दशक में, उन्होंने हमारी कई प्रमुख नीतियों की रणनीति बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में मदद की है। उन्हें उनकी भविष्य की पारी के लिए शुभकामनाएं। विदेश सचिव के रूप में क्वात्रा को कई महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक मुद्दों से निपटना पड़ा, जिनमें यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से उत्पन्न स्थिति, गाजा में इजराइल-हमास की शत्रुता और पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ तनाव जैसी स्थिति शामिल थी। माना जाता है कि वह अमेरिका में भारत के अगले राजदूत बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। तरनजीत संधू के जनवरी में सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद खाली है। क्वात्रा 1988 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए और अपनी सेवा के शुरुआती वर्षों में जिनेवा में भारत के स्थाई मिशन में सेवा दी।

चीन में मारे गए युवक की पार्थिव देह को स्वदेश लाया जाए: गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विदेश मंत्रालय से राजस्थान के युवक सतीश कुमार के पार्थिव शरीर को चीन से भारत लाने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। चीन में सतीश कुमार की कथित तौर पर अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। गहलोत ने एक्स पर लिखा, भीनमाल (जालोर) के सतीश कुमार की 25 जून को चीन में अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। मैंने पहले भी दो बार पत्र लिखकर विदेश मंत्री एस जयशंकर से पार्थिव शरीर को भारत लाने में परिवार की मदद करने का निवेदन किया था परन्तु अभी तक पार्थिव शरीर को नहीं लाया जा सका है। उन्होंने लिखा, मैं जयशंकर एवं विदेश मंत्रालय से पुन: निवेदन करता हूं कि सतीश कुमार के पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए जरूरी कदम उठाएं, जिससे अंतिम संस्कार किया जा सके।

राजभवन के पास कोई भी विधेयक लंबित नहीं, जैसा सरकार ने दावा किया है: बोस

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने रविवार को इस आरोप को खारिज कर दिया कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित आठ विधेयक राजभवन के पास लंबित हैं। बोस ने बताया कि आठ विधेयकों में से छह को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के विचारार्थ आरक्षित रखा गया है, जबकि एक अन्य विधेयक अदालत के विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि आठवें विधेयक के लिए कुछ स्पष्टीकरण की आवश्यकता होने के बावजूद राज्य सरकार का कोई प्रतिनिधि राजभवन नहीं आया। बोस ने केरल से पीटीआई-भाषा से कहा,"मेरा ध्यान आज की एक खबर की ओर आकृष्ट किया गया है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने आठ लंबित विधेयकों को लेकर राज्यपाल के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। यह गलत है, क्योंकि राजभवन में एक भी विधेयक लंबित नहीं है। ममता बनर्जी सरकार ने आठ विधेयकों पर हस्ताक्षर न करने का कोई कारण बताए बिना उन्हें कथित तौर पर रोकने को लेकर बोस के खिलाफ शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। बोस ने कहा,यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार तथ्यों की पुष्टि किए बिना अदालत जाने के बारे में क्यों सोचती है"। राजभवन के एक अधिकारी के अनुसार, राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से संबंधित 2022 के छह संशोधन विधेयक भारत के राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित रखे गए हैं। अधिकारी ने कहा कि कुलपतियों के चयन से संबंधित पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2023 अदालत में विचाराधीन है। अधिकारी ने कहा,पश्चिम बंगाल नगर एवं ग्राम (योजना एवं विकास) (संशोधन) विधेयक, 2023 के लिए राज्य सरकार को प्रमुख सचिव को राजभवन भेजने के लिए कहा गया था, क्योंकि कुछ महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण की आवश्यकता थी। सरकार ने अभी तक इसका जवाब नहीं दिया है"।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में नाश्ता योजना का विस्तार शुरू करेंगे

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन 15 जुलाई को प्रदेश दिग्गज नेता के कामराज की जयंती पर प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए सरकार की नाश्ता योजना का विस्तार राज्य के सहायता प्राप्त स्कूलों में भी करने जा रहे हैं। सरकार ने कहा कि इस कदम से राज्य भर के 3,995 सरकारी सहायता प्राप्त प्राथमिक स्कूलों के 2,23,536 बच्चों को लाभ मिलेगा। स्टालिन तिरुवल्लूर जिले के कदंबथुर संघ के कीलाचेरी गांव में सेंट ऐनी स्कूल में नाश्ता योजना का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश के दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री के कामराज की जयंती के अवसर पर 15 जुलाई को राज्य सरकार द्वारा कलवी वलार्ची नाल (शिक्षा विकास दिवस) के रूप में मनाया जाता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में इस योजना की शुरुआत 15 सितंबर 2022 को की थी और इससे राज्य के 1,545 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा। से 5 तक के 1.14 लाख छात्रों को इसका लाभ मिला।

गुजारा भत्ता पर अदालती फैसले को पलटने के कानूनी तरीके तलाशेगा पर्सनल लॉ बोर्ड

भाषा। नई दिल्ली

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने रविवार को कहा कि मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने संबंधी उच्चतम न्यायालय का फैसला इस्लामी कानून के खिलाफ है और बोर्ड ने अपने अध्यक्ष को इस फैसले को पलटने के लिए सभी संभव कानूनी उपाय तलाशने के लिए अधिकृत किया।बोर्ड ने उत्तराखंड में लागू समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को राज्य के उच्च न्यायालय में चुनौती देने का भी निर्णय लिया। यहां अपनी कार्यसमिति की बैठक के बाद बोर्ड ने एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें कहा गया है कि मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं के भरण-पोषण पर उच्चतम न्यायालय का हालिया फैसला इस्लामी कानून (शरीयत) के खिलाफ है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मुस्लिम महिला दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत अपने पति से भरण-पोषण की मांग कर सकती है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि धर्म तटस्थ प्रावधान सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होता है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अगर मुस्लिम महिलाएं मुस्लिम कानून के तहत विवाहित हैं और तलाकशुदा हैं, तो सीआरपीसी की धारा 125 के साथ-साथ मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 1986 के प्रावधान लागू होते हैं। अदालत ने कहा कि मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं के पास विकल्प है कि वे दोनों में से किसी एक कानून या दोनों कानूनों के तहत राहत मांगें। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि ऐसा इसलिए है कि 1986 का अधिनियम सीआरपीसी की धारा 125 का उल्लंघन नहीं करता है, बल्कि उक्त प्रावधान के अतिरिक्त है। बैठक के बाद जारी एक बयान में एआईएमपीएलबी ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद ने जिक्र किया था कि अल्लाह की निगाह में सबसे बुरा काम तलाक देना है, इसलिए, शादी को बचाने के लिए सभी उपायों को लागू करना चाहिए और इस बारे में कुरान में जिन दिशा-निर्देशों का जिक्र है, उनका पालन करना चाहिए। बयान में कहा गया है कि अगर शादी को जारी रखना मुश्किल है तो मानव जाति के लिए समाधान के तौर पर तलाक की व्यवस्था की गई है। बयान के मुताबिक, बोर्ड मानता है कि इस फैसले से उन महिलाओं के लिए और भी समस्याएं पैदा होंगी जो अपने पीड़ादायक रिश्ते से सफलतापूर्वक बाहर निकल चुकी हैं। बोर्ड के प्रवक्ता एस.क्यू.आर. इलियास ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एआईएमपीएलबी ने अपने अध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह रहमानी को यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकृत किया है।

पेज 1 का शेष

डोनाल्ड ट्रंप ने...

होम में सप्ताहांत की छुट्टियां बीच में छोड़कर जल्द वाशिंगटन वापसी की योजना बनाई है। स्थानीय पेंसिल्वेनिया अस्पताल का दौरा करने के बाद ट्रंप न्यू जर्सी के लिए रवाना हुए और आधी रात के कुछ समय बाद नेवार्क लिबर्टी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे। कई रिपब्लिकन ने तुरंत बाइडन और उनके सहयोगियों पर हिंसा का आरोप लगाया, यह तर्क देते हुए कि लोकतंत्र के लिए खतरे के रूप में ट्रंप पर लगातार हमलों ने एक विषाक्त वातावरण पैदा किया है।उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बिल क्लिंटन ने ट्रंप पर हुए हमले की निंदा की है। ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप ने घटना के संबंध में एक बयान जारी किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पेनसिल्वेनिया के बटलर में बेवजह की गई गोलीबारी में मेरे पिता के प्रति और अन्य पीड़ितों के प्रति आपके प्यार और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद।

नियमों के तहत...

को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और किसी भी नई परंपरा को शुरू करने के खिलाफ चेतावनी दी। साथ ही कहा कि आने वाले महीने भर चलने वाली कांवड़ यात्राओं में भी इसी तरह की शालीनता और अनुशासन का प्रदर्शन किया जाना चाहिए।रविवार की बैठक लोकसभा चुनावों के बाद राज्य भाजपा इकाई की पहली बड़ी बैठक भी थी, जिसमें पार्टी ने 33 सीटें जीतीं, जबकि वर्ष 2019 में उसे 62 सीटें मिली थीं। उत्तर प्रदेश संसद के निचले सदन में 80 सांसदों को भेजता है। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी मौजूद थीं, जिन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र अमेठी से हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए नड्डा ने कहा कि वर्ष 2024 के आम चुनावों के नतीजों ने दिखा दिया है कि जो भी पार्टियां हैं, अगर वे पूर्वोत्तर में सक्षम हैं, तो वे मध्य भारत में शून्य हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई पार्टी उत्तर भारत में सक्षम है, तो वह दक्षिण भारत में नहीं दिखती। अगर कोई पार्टी पश्चिम भारत में सक्षम है, तो पूर्व में उसका नाम लेने वाला भी कोई नहीं है और अगर कोई केंद्र में सक्षम है, तो उत्तर, पूर्व, पश्चिम, दक्षिण कहीं भी उसका नाम लेने वाला कोई नहीं है। भाजपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है, जो पूर्व, पश्चिम, उत्तर या दक्षिण भारत हर जगह मौजूद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केवल भाजपा ही सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र पर काम कर रही है। नड्डा ने कहा कि आत्मविश्वास रखना होगा और हमें अपने भीतर भी आत्मनिरीक्षण करते रहना होगा। भारत में 1500 बड़ी और छोटी राजनीतिक पार्टियां हैं। उनमें से किसी में भी आंतरिक लोकतंत्र नहीं है। उनमें से ज्यादातर परिवारवादी पार्टियां हैं और वे खुद और अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। कांग्रेस ने 90 बार चुनी हुई सरकारों को गिराया है। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में 10 साल तक राष्ट्रपति शासन लगाया और वह भी संसद में यह कहकर कि यह अस्थायी है और इसे हटा दिया जाएगा। आज वे (विपक्ष) लोकतंत्र की दुहाई देने लगे हैं और संविधान के रक्षक बन गए हैं। संविधान में लिखा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। पार्टी प्रमुख ने कहा, इसका उल्लंघन कर आंध्र प्रदेश में एक बार नहीं बल्कि चार बार धर्म के आधार पर आरक्षण देने का प्रयास किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में पार्टी के प्रति जनता में नाराजगी, नेताओं और कार्यकर्ताओं की नहीं सुनी जा रही, ओबीसी और दलित वोट खिसक रहे हैं, पार्टी के भीतर की कलह खत्म हो रही है, संविधान बदलने को लेकर असमंजस दूर हो रहा है। उत्तर प्रदेश में करारी हार के बाद मंथन कर रही भगवा पार्टी ने वर्ष 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए आगामी 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में जीत हासिल करेगा। चुनाव आयोग ने अभी तक भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है। राज्य की जिन 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें से नौ सीटें हाल के चुनावों में विधायकों के लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हुई हैं। सिसमऊ विधानसभा सीट समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक इरफान के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। सोलंकी को आगजनी के एक मामले में सात साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उत्तर प्रदेश की करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, फूलपुर, मझवां और सीसामऊ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं।

46 साल बाद...

गया, भगवान जगन्नाथ की इच्छा पर उड़िया समुदाय ने उड़िया अस्मिता की पहचान के साथ आगे बढ़ने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। इसमें कहा गया, आपकी इच्छा पर ही जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार खोले गए थे। आज आपकी इच्छा पर ही 46 साल बाद रत्न भंडार को एक बड़े उद्देश्य के लिए दोपहर एक बजकर 28 मिनट पर शुभ घड़ी पर खोला गया। अधिकारियों ने बताया कि रत्न भंडार को खोलते समय 11 लोग मौजूद थे, जिसमें उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश विश्वनाथ रथ, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधीक्षक डीबी गड़नायक और पुरी के नाममात्र राजा गजपति महाराजा के एक प्रतिनिधि शामिल थे। मंदिर में प्रवेश करने से पहले पाधी ने कहा कि रत्न भंडार पुन: खोल दिया गया है, लेकिन मूल्यवान वस्तुओं की सूची तत्काल नहीं बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि कि रत्न भंडार के आंतरिक और बाहरी कक्षों में रखे गए आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुओं को लकड़ी के संदूकों में बंद कर अस्थाई सुरक्षित कमरे में रखा जाएगा।पाधी ने बताया कि अस्थाई सुरक्षित कमरे की पहचान कर ली गई है और वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। उन्होंने कहा, वस्तुओं की सूची तैयार करने का काम आज शुरू नहीं होगा। यह कार्य मूल्यांकनकर्ताओं, सुनारों और अन्य विशेषज्ञों को नियुक्त किए जाने पर सरकार की मंजूरी मिलने के बाद किया जाएगा। हमारी पहली प्राथमिकता रत्न भंडार की संरचना की मरम्मत करना है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद कीमती सामान वापस लाया जाएगा और फिर सूची तैयार की जाएगी। पाधी ने बताया कि रत्न भंडार के बाहरी कक्ष की तीन चाबियां उपलब्ध थीं जिनमें से एक गजपति महाराज के पास, दूसरी एसजेटीए के पास और तीसरी एक सेवक के पास थी। उन्होंने बताया कि आंतरिक कक्ष की चाबी गायब है, हालांकि उसे नई चाबी से खोलने के बाद सील कर दिया जाएगा तथा जिलाधिकारी की निगरानी में नई चाबी को जिला कोषागार में रखा जाएगा। रत्न भंडार में रखे गए कीमती सामान को ले जाने के लिए लकड़ी के छह संदूक मंदिर में लाए गए हैं। इन संदूकों के अंदरूनी हिस्से में पीतल लगा हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि सागवान की लकड़ी से बने ये संदूकें 4.5 फुट लंबी, 2.5 फुट ऊंची और 2.5 फुट चौड़ी हैं। इन संदूकों को बनाने वाले एक कारीगर ने बताया, मंदिर प्रशासन ने 12 जुलाई को उन्हें ऐसी 15 संदूकें बनाने के लिए कहा था। 48 घंटे की मेहनत के बाद छह संदूक बनाई थीं। सुबह न्यायमूर्ति रथ और पाधी ने गुंडिचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों की पूजा-अर्चना की थी और इस कार्य के सुचारू रूप से पूरा होने की कामना की थी। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमाएं फिलहाल गुंडिचा मंदिर में हैं, जहां उन्हें सात जुलाई को रथ यात्रा के दौरान ले जाया गया था। अगले सप्ताह बाहुदा यात्रा के दौरान उन्हें जगन्नाथ मंदिर में वापिस स्थापित किया जाएगा।

कावेरी नदी...

से इनकार किया। केडब्ल्यूआरसी के निर्देश के तुरंत बाद सिद्धारमैया ने कहा, हालांकि कर्नाटक में सामान्य बारिश का अनुमान है, लेकिन कावेरी नदी बेसिन के सभी चार बांधों में जलप्रवाह में 28 फीसदी की कमी है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लेने के लिए रविवार शाम को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है, क्योंकि तमिलनाडु में किसान समुदाय इस मुद्दे पर आक्रोशित है।खबर लिखे जाने तक बैठक चल रही थी और कर्नाटक सरकार के सूत्रों ने द पायनियर को बताया कि राज्य केडब्ल्यूआरसी के निर्देश के खिलाफ कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण से संपर्क करेगा।कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मीडियाकर्मियों से कहा कि राज्य के पास कई मुद्दे हैं, जिन्हें सुलझाया जाना है, क्योंकि चार मुख्य जलाशयों में पानी की कमी है। शिवकुमार ने कहा, हमें मांड्या जिले में पानी की कमी को दूर करना है और राज्य में पीने के पानी की गंभीर कमी है।वर्तमान में कर्नाटक द्वारा तमिलनाडु को और पानी छोड़ने की संभावना कम ही दिखती है। तमिलनाडु में विपक्षी भाजपा और एआईएडीएमके ने राज्य में किसानों की समस्याओं के प्रति उदासीन रवैये के लिए एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार की खिंचाई की है।कावेरी डेल्टा किसान कल्याण संघ की अरुपति कल्याणम ने द पायनियर को बताया कि कर्नाटक के पास पर्याप्त पानी है, लेकिन राज्य राजनीति खेल रहा है। केडब्ल्यूआरसी की बैठक के दौरान, कर्नाटक ने कहा कि 1 जून से 9 जुलाई तक उसके चार जलाशयों में संचयी प्रवाह 41.651 टीएमसीएफटी था और कमी 28.71फीसदी थी। जल संसाधन विभाग संभालने वाले शिवकुमार ने कहा कि राज्य के पास अतिरिक्त पानी नहीं है। कर्नाटक के कद्दावर नेता ने कहा, हमारे पास पानी नहीं है। शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक के पास अपने टैंक भरने के लिए भी पानी नहीं है। उन्होंने कहा कि कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले के अनुसार कावेरी बेसिन के जलाशयों में प्रवाह कमजोर है।

फर्जी ई-नोटिस...

के तहत एक संगठन भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने पिछले साल अगस्त में इसी तरह की एक सलाह जारी की थी, जिसमें लोगों को ऐसे नकली ईमेल के खिलाफ चेतावनी दी गई थी, जो इसके सीईओ के नाम का इस्तेमाल करते हैं और जिनके विषय शीर्षक तत्काल अधिसूचना और न्यायालय अधिसूचना जैसे होते हैं। ये भ्रामक ईमेल विभिन्न सरकारी कार्यालयों, व्यक्तियों को निशाना बनाने के लिए भेजे जाते हैं और उन पर साइबर अपराधों का झूठा आरोप लगाते हैं, और उनसे जवाब देने का अनुरोध करते हैं। राष्ट्रीय राजधानी के केंद्रीय सचिवालय में कई अधिकारियों को पिछले सप्ताह ऐसे संदिग्ध ईमेल मिले, जिनके बारे में झूठा दावा किया गया कि उन्हें एमईए मैसेजिंग टीम एनआईसी भारतीय उच्चायोग में काम करने वाले एक व्यक्ति ने जारी किया है। रविवार को जारी गृह मंत्रालय और आई4सी परामर्श में कहा गया है कि ऐसे संदिग्ध ईमेल और अन्य प्रकार के साइबर धोखाधड़ी की तुरंत 222.8४इ्रइ्रच्इद्इ.त्न१.इ्रइ पर रिपोर्ट की जानी चाहिए या साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल किया जाना चाहिए।

पीएम का एक पेड़ मां के नाम अभियान जलवायु परिवर्तन का जवाब है : शाह

देशभर में लगभग 140 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे

भाषा। इंदौर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश के इंदौर में रविवार को उस अभियान में हिस्सा लिया, जिसका मकसद एक ही दिन में 11 लाख पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड बनाना है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक पेड़ मां के नाम अभियान जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सटीक जवाब है। विश्व पर्यावरण दिवस पर पांच जून को मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत देशभर में लगभग 140 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे, जिनमें मध्य प्रदेश में 5.5 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। शाह ने इसे भारत के फेफड़े बताया। शाह ने कहा, विकास हो रहा है और हम सुविधाएं बढ़ा रहे हैं। मोदी जी ने हमें पीछे देखने और आने वाली पीढ़ी के लिए भी काम करने को कहा है। पर्यावरण की चिंता सिर्फ देश के लिए ही नहीं, बल्कि हर जगह अहम हो गई है। कार्बन डाइऑक्साइड और मोनोऑक्साइड ने ओजोन के स्तर को कम कर दिया है और इसकी परत में छेद कर दिया है। उन्होंने कहा,"इससे तापमान में वृद्धि हुई है। जलवायु परिवर्तन को महसूस किया जा रहा है। मोदी जी द्वारा शुरू किया गया अभियान इसका सटीक जवाब है। गृह मंत्री ने कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में 51 लाख पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब मोदी ने इस अभियान की शुरुआत की थी तो किसी को अंदाज़ा नहीं था कि यह अभियान एक जनआंदोलन बन जाएगा और सभी अपनी माताओं के नाम पर पौधे लगाना चाहेंगे शाह ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी कार्यक्रम सिर्फ सरकार के कारण सफल नहीं हो सकता। गृह मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उन्हें बताया कि उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों की मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों को इसमें शामिल किया गया है और उनके संबंधित प्रतीकों को समर्पित अलग-अलग वन खंड बनाए गए हैं। शाह ने बताया कि इन पौधों को पानी देने के लिए तीन तालाब भी बनाए गए हैं।

लोस में कांग्रेस के उपनेता होंगे गौरव गोगोई, के. सुरेश होंगे मुख्य सचेतक

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के गौरव गोगोई लोकसभा में पार्टी के उप नेता होंगे और इस निर्णय के बारे में एक पत्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजा गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि कांग्रेस के संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर उन्हें संसद के निचले सदन में कांग्रेस के उप नेता, मुख्य सचेतक और दो सचेतक नियुक्त किए जाने के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया गोगोई लोकसभा में पार्टी के उप नेता होंगे, जबकि केरल से आठ बार के सांसद के. सुरेश पार्टी के मुख्य सचेतक होंगे। उन्होंने बताया कि विरुधुनगर के सांसद मणिकम टैगोर और किशनगंज के सांसद मोहम्मद जावेद लोकसभा में पार्टी के सचेतक होंगे।

बसपा नेता हत्याकांड के आरोपी को चेन्नई में पुलिस ने मार गिराया, विपक्ष की सीबीआई जांच की मांग

भाषा। चेन्नई

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के एक प्रमुख आरोपी ने रविवार को यहां पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया और हिरासत से भागने की कोशिश की, जिस दौरान उसे मार गिराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। कई विपक्षी नेताओं ने हत्या के संदिग्ध आरोपी के. थिरुवेंगदम की हत्या के लिए, जिम्मेदार घटनाओं के बारे में पुलिस के बयान पर सवाल उठाए और अपनी मांग दोहराई कि बसपा नेता की हत्या की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराई जाए। विपक्ष ने जब यह पूछना जारी रखा कि क्या गिरफ्तार किए गए लोग असली अपराधी हैं, तो पुलिस ने एक वीडियो क्लिप जारी की, जिसमें कथित तौर पर आरोपी व्यक्तियों को पांच जुलाई को आर्मस्ट्रांग की हत्या करते दिखाया गया है। पुलिस ने कहा कि यह क्लिप अपराध स्थल के आसपास के सीसीटीवी रिकॉर्डिंग से ली गई थी। पुलिस ने बताया कि जब आरोपी के. थिरुवेंगदम को जांच के तहत उत्तरी चेन्नई के एक स्थान मनाली ले जाया गया, तो उसने एक पुलिसकर्मी पर हमला कर भागने की कोशिश की, जिसके बाद एक पुलिस अधिकारी ने उसपर गोली चलाई। थिरुवेंगदम को बसपा नेता की हत्या में इस्तेमाल किए जाने के बाद छिपाकर रखे गए हथियारों की बरामदगी के लिए वहां ले जाया गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थिरुवेंगदम (30), बसपा नेता आर्मस्ट्रांग की हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए 11 आरोपियों में से एक था और वह एक कुख्यात अपराधी था। यहां की एक अदालत ने कुछ ही दिन पहले सभी आरोपियों को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

वाम मोर्चे द्वारा आहूत 12 घंटे का त्रिपुरा बंद शांतिपूर्ण रहा: पुलिस

भाषा। अगरतला

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जिला परिषद उम्मीदवार की हत्या के विरोध में वाम मोर्चे द्वारा आहूत 12 घंटे का त्रिपुरा बंद शांतिपूर्ण रहा। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बंद के दौरान राज्य भर में हिंसा या कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई। सहायक पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) अनंत दास ने पीटीआई-भाषा को बताया,"12 घंटे के बंद के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ और इसके समर्थन में कोई घटना या सभा नहीं हुई। वाहनों की आवाजाही और ट्रेन सेवाएं सामान्य रहीं जबकि दुकान और बाजार सामान्य रूप से खुले रहे"वामपंथी दलों ने दक्षिण त्रिपुरा जिले में माकपा के जिला परिषद उम्मीदवार बादल शिल की हाल ही में हुई हत्या के विरोध में बंद का आह्वान किया था।

लड़के के खतरनाक स्टंट का वीडियो सामने आने के बाद रेलवे ने जारी की चेतावनी

मुंबई। मुंबई के सेवरी स्टेशन पर चलती लोकल ट्रेन पर चढ़ कर एक अज्ञात लड़के को खतरनाक स्टंट (कलाबाजी) करते हुए दिखाने वाले वीडियो के सामने आने के बाद मध्य रेलवे को सख्त चेतावनी जारी करने के साथ उस लड़के की तलाश शुरू करनी पड़ी। यह स्टंट हार्बर लाइन नेटवर्क पर किया गया। कुछ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा घटना का वीडियो सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए जाने के बाद मध्य रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि लड़के का पता लगाने और उसे पकड़ने के प्रयास जारी है।

अपना क्लब का युवाओं पर फोकस

नई दिल्ली। अपना क्लब युवाओं को अपनी ओर जोड़ेगा। क्लब नूडल्स लवर के लिए एक टेस्टी धमाकेदार खबर लेकर आया है कि नूडल्स की दुनिया में एक नए फ्लेवर और टेस्ट का प्रोडक्ट लॉन्च हुआ है। ये नया नूडल्स दुनिया भर के शेफ्स के कुकिंग स्टाइल और क्विजीन से इंस्पायर होकरए बेस्ट से बेस्ट सामग्रियों का इस्तेमाल करके बनाया गया है। अपना क्लब के सह.संस्थापक और मुख्य परिचालन अधिकारी मनीष कुमार के अनुसार हमारा पूरा विश्वास है कि पीजी18 नूडल्सश् का लाजवाब स्वाद हर नूडल प्रेमी और आम उपभोक्ता को अपनी ओर जरूर अट्रैक्ट करेगा। हमारा नया ब्रांड 18 यंग जनरेशन यानि कि जेर्न को टार्गेट करके बनाया गया है। ये नूडल्स हमारे इंटेलेक्चुअल और फूड लवर जनरेशन के इमोशन और फ्लेवर को समझकर बनाया गया है। यही हमारे ब्रांड की भावना और खासियत है। अट्रैक्टिव पैकेजिंग और टेस्टी मसाला को लेकर हमारी रिसर्च बताती है कि जेन जेड को पैकेजिंग बहुत पसंद आया है। पैक का नया डिजाइन भी उनके टेस्ट और च्वाइस के अनुसार ही तैयार किया गया है। हमारे नूडल्स में बोल्ड और ऑसम फ्लेवर के मसाले हैंए जिनको जेन जेड कंज्यूमर्स के साथ किए गए टेस्ट में हाई रेट मिला है।

ओडिशा के गांव में बिजली का करंट लगने से 20 लोग झुलसे

ब्रह्मपुर (ओडिशा)। ओडिशा के गंजाम जिले मे रविवार को एक रंगमंच प्रदर्शन के लिए बनाए गए धातु के मंच पर चढ़ने के दौरान 18 बच्चों सहित कम से कम 20 लोग बिजली का करंट लगने से झुलस गए। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना फासीगुडा गांव में हुई, जब आठ से 13 साल की उम्र के बच्चे प्रदर्शन के बाद बारिश के बीच मंच पर खेल रहे थे। बच्चों को सुरक्षित निकालने का प्रयास करते समय दो अन्य लोग झुलस गए। एक डॉक्टर ने बताया कि घायलो को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कांग्रेस पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया

भाषा। चंडीगढ़

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कांग्रेस पर भाजपा नीत केंद्र सरकार के खिलाफ झूठ फैलाने और गलत बयानबाजी करने का आरोप लगाया और पार्टी कार्यकर्ताओं से तथ्यों और आंकड़ों के साथ इस झूठ का पर्दाफाश करने को कहा। सीतारमण ने चंडीगढ़ भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। बाद में उन्होंने व्यापारियों के साथ बैठक की और उनके मुद्दों को समझा तथा उनकी मांगों को जाना। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों का हवाला देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता ने कहा कि कांग्रेस पिछले 10 आम चुनावों में 250 सीटों का आंकड़ा छूने में विफल रही है। पिछले 10 लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, इसके बावजूद उनमें एक बनावटी आत्मविश्वास है। सीतारमण ने कहा, 13 राजनीतिक दलों वाला इंडी गठबंधन सिर्फ 232 सीटें जीत सका, जबकि भाजपा ने अपने दम पर 240 सीटें जीतीं। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 14 राज्यों में एक भी सीट नहीं जीत सकी। वित्त मंत्री ने कांग्रेस पर झूठ फैलाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कुछ बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि को लेकर लोगों को मुआवजा, अल्पकालिक सैन्य भर्ती के लिए अग्निपथ योजना और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) समेत कई मुद्दों पर झूठ फैलाने की कोशिश की है। सीतारमण ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उनकी सरकार ने राम मंदिर के लिए अधिग्रहित भूमि के लिए कुल 1,733 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया है। उन्होंने कांग्रेस पर अग्निपथ योजना के खिलाफ गलत बयान देने का भी आरोप लगाया। वित्त मंत्री ने कहा, हमें कांग्रेस की रणनीति को गंभीरता से समझना चाहिए। झूठ फैलाकर और गलत बयानबाजी करके भाजपा पर हमला करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी द्वारा फैलाए जाने वाले हर झूठे बयान का, सोशल मीडिया पर भी, तथ्यों और आंकड़ों के साथ तुरंत जवाब दिया जाना चाहिए। संसद में कांग्रेस नेताओं के आचरण पर उन्होंने कहा कि वे सदन में सवाल उठाते हैं लेकिन जब मंत्री उन सवालों का जवाब देते हैं तो वे सदन से बहिर्गमन कर जाते हैं। वित्त मंत्री ने कहा, यह रचनात्मक विपक्ष की भूमिका नहीं है।

दुनिया भर में कट्टरपंथी वामपंथी, दक्षिणपंथी नेताओं को निशाना बना रहे हैं: हिमंत

गुवाहाटी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि दुनिया भर में दक्षिणपंथी नेताओं को कट्टरपंथी वामपंथियो द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। ट्रंप (78) शनिवार को उस समय बाल-बाल बच गए जब अमेरिका के पेनसिल्वेनिया में चुनावी रैली में एक हमलावर ने उन पर कई गोलियां चलाईं। एक गोली ट्रंप के दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी, लेकिन उनकी हालत ठीक है। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दुनिया भर मे दक्षिणपंथी नेता अब कट्टरपंथी वामपंथियो के निशाने पर है। हालांकि, ए हमले राष्ट्र प्रथम विचारधारा को हराने मे सक्षम नही होंगे। स्टैंड विद ट्रंप , नेशन फर्स्ट टैग के साथ मुख्यमंत्री ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप के लिए शुभकामनाएं है, क्योंकि वह मजबूती से खड़े हैं। गोलीबारी की इस घटना मे रैली में मौजूद एक व्यक्ति की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए है। अमेरिका की सीक्रेट सर्विस के एक कर्मी ने 20 वर्षीय हमलावर को मार गिराया।

जयशंकर ने यूएई के अब्दुल्ला बिन जायद और हमदान बिन मोहम्मद को उपप्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हमदान बिन मोहम्मद और अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान को उपप्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। संयुक्त अरब अमीरात के उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की ओर से किए गए फेरबदल में हमदान बिन मोहम्मद को उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया।जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, संयुक्त अरब अमीरात के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्ति पर हमदान मोहम्मद को बधाई। जायद अल नाहयान को विदेश मंत्री के रूप में अपना पद बरकरार रखा। उन्हें भी उपप्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच पर एक अन्य पोस्ट में कहा, यूएई के उपप्रधान मंत्री और विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त होने पर एबी जायद को बधाई। भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। विदेश मंत्री के रूप में जायद अल नाहयान भारत-यूएई संबंधों को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका निभाते रहे हैं।पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंधों में काफी तेजी देखी गई है। अगस्त 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात की ऐतिहासिक यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच वर्ष 2022-23 में द्विपक्षीय कारोबार 85 अरब अमेरिकी डॉलर था। लगभग 35 लाख की संख्या के साथ भारतीय समुदाय संयुक्त अरब अमीरात में सबसे बड़ा प्रवासी समूह है।

19 को सीयूईटी-यूजी की पुनः परीक्षा करेगा एनटीए

NATIONAL TESTING AGENCY
Excellence in Assessment

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने सीयूईटी-यूजी के 1000 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए 19 जुलाई को दोबारा परीक्षा आयोजित करने का फैसला किया है। एनटीए ने 7 जुलाई को साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी)–यूजी 2024 की अस्थाई उत्तर कुंजी जारी की थी और घोषणा की थी कि यदि परीक्षा के संचालन के बारे में छात्रों द्वारा उठाई गई कोई शिकायत सही पाई जाती है तो वह 15 से 19 जुलाई के बीच सीयूईटी–यूजी अभ्यर्थियों के लिए फिर से परीक्षा आयोजित करेगा। एजेंसी ने रविवार को पुनः परीक्षा कार्यक्रम की अधिसूचना तो जारी कर दी, लेकिन परिणाम की घोषणा पर चुप्पी साधे रखी, जिसमें पहले ही दो सप्ताह से अधिक की देरी हो चुकी है और अंतिम उत्तर कुंजी अभी तक अधिसूचित नहीं की गई है।सीयूईटी–यूजी परिणाम में देरी ऐसे समय में हुई है, जब नीट और नेट सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विवाद जारी है। एनटीए सूत्रों के अनुसार, अभ्यर्थियों द्वारा चुनी गई भाषा से इतर भाषा में प्रश्नपत्रों का वितरण दोबारा परीक्षा का एक कारण है और लगभग 1000 अभ्यर्थी छह राज्यों में फैले हुए हैं। एक सूत्र ने कहा, "कुछ शिकायतों में गलत प्रश्नपत्र वितरित होने के कारण समय की हानि शामिल है। एनटीए, जिन 1,000 सीयूईटी–यूजी अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित कर रहा है, उनमें से कुल 250 अभ्यर्थी हजारीबाग के ओएसिस पब्लिक स्कूल से हैं, जो नीट–यूजी प्रश्नपत्र के कथित लीक के लिए भी जांच के दायरे में है। रविवार को जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सीयूईटी (यूजी) 2024 परीक्षा के संबंध में 30 जून, 2024 तक अभ्यर्थियों से प्राप्त शिकायतों के साथ-साथ 7-9 जुलाई (शाम 05:00 बजे से पहले) के बीच आनलाइन भेजी गई शिकायतों की समीक्षा की गई है। अधिसूचना में कहा गया है, "इन शिकायतों के आधार पर, प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए 19 जुलाई, 2024 को कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। पांच मई को आयोजित नीट–यूजी परीक्षा के दौरान भी गलत प्रश्नपत्र वितरित किया गया था, जिसके कारण एनटीए ने समय की हानि के कारण कृपांक प्रदान किए थे।

आईआईटी-खड़गपुर इंजीनियरिंग छात्रों के लिए सुगम इमारतें बनाने का पाठ्यक्रम शुरू करेगा

नई दिल्ली। आईआईटी-खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग के छात्र जल्द ही सुगम इमारते बनाने पर अध्ययन कर सकेंगे। केंद्र के दिव्यांगता मामलों के विभाग ने एक विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए प्रमुख संस्थान के साथ साझेदारी की है। अपनी तरह का पहला पाठ्यक्रम फिलहाल वैकल्पिक होगा और यह 2024-25 शैक्षणिक सत्र से छठे और सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए पेश किया जाएगा। केंद्र की योजना अन्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) सहित 27 संस्थानों में यह पाठ्यक्रम शुरू करने की है। दिव्यांगता मामलों के सचिव राजेश अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, उद्देश्य शिक्षा में पहुंच को शीघ्र एकीकृत करना है, ताकि छात्र इसे भवन डिजाइन में शामिल कर सकें। वर्तमान में, शिक्षा प्रणाली में ऐसा कोई पाठ्यक्रम नहीं है। पाठ्यक्रम को विस्तारित करने की योजना के बारे में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दिव्यांगता मामलों का विभाग इस विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए वास्तुकला परिषद के साथ बातचीत कर रहा है। अधिकारी ने कहा, समग्र योजना धीरे-धीरे देश भर के 27 संस्थानों में पाठ्यक्रम शुरू करने की है। सितंबर से, यह तीन साल के लिए आईआईटी-खड़गपुर में वैकल्पिक के रूप में उपलब्ध होगा, जिसके बाद यह एक अनिवार्य विषय बन सकता है। आईआईटी-खड़गपुर ने पूर्व में सुरक्षित और समावेशी भारतीय शहरों के निर्माण (बीएएसआईआईसी) के लिए राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (एनआईयूए) के साथ साझेदारी की थी। इस संबंध में आईआईटी-खड़गपुर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, सुगम इमारतों के निर्माण के लिए विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है और यह महत्वपूर्ण है कि हमारे भविष्य के बुनियादी ढांचे के निर्माताओं के पास इसके बारे में पेशेवर प्रशिक्षण हो।

क्विक न्यूज

असम के मंत्री के खिलाफ जानवरों को अवैध इंजेक्शन लगाने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज

गुवाहाटी-गोलाघाट। असम के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा मंत्री अतुल बोरा के खिलाफ पशुओं को टीका लगाने के लिए अवैध तरीके से इंजेक्शन लगाने के आरोप में रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है, क्योंकि वह पशु चिकित्सक नही है। पुलिस ने हालांकि, प्राथमिकी दर्ज नही की है और शिकायत को जांच के लिए गोलाघाट जिले के स्थानीय पुलिस थाने में भेज दिया है। किसान संगठन कृषक मुक्ति संग्राम समिति के गोलाघाट महासचिव (प्रभारी) हीरक्ज्योति सैकिया ने मंत्री के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई है। सैकिया ने कहा कि बोरा प्रमाणित पशु चिकित्सक नही हैं और इसलिए वह पशुओं को इंजेक्शन लगाने के लिए अधिकृत नही हैं। गोलाघाट पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में उन्होंने कहा, यदि अनुभवहीन और अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा पशुओं का इलाज किया जाता है तो इससे उनको खतरा हो सकता है। कानून के अनुसार यह दंडनीय अपराध भी है। बोरा ने 12 जुलाई को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कई तस्वीरें साझा की और एक पोस्ट में कहा कि सरकार ने पूरे राज्य में किसानों के लाभ के लिए मोबाइल पशु चिकित्सा सेवाएं और पशुओं का समय पर टीकाकरण करने की पहल की है। उन्होंने कहा, हाल ही में आई बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, पशुओं को बीमारियों से बचाने और क्षेत्र में प्रभावित पशुओं के मुफ्त टीकाकरण एवं उन्हें उपचार प्रदान करने के लिए आज बोकाखाट निर्वाचन क्षेत्र के बोगकुवाल गांव मे पशुओं के टीकाकरण एवं पशु चिकित्सा सेवा अभियान की शुरुआत की गई।

डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, तरुण ताहिलियानी ने कार्दाशियां बहनों के पहनावे का विवरण साझा किया

नई दिल्ली। डिजाइनर मनीष मल्होत्रा और तरुण ताहिलियानी ने अमेरिकी रियलिटी टीवी कलाकार और आपस मे बहन किम कार्दाशियां तथा क्लोई कार्दाशियां द्वारा भारत मे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के भव्य विवाह समारोह मे पहने गए शानदार वस्त्रों का विवरण साझा किया। एशिया के सबसे धनी व्यक्ति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत ने शुक्रवार को मुंबई में एक शानदार समारोह मे बचपन की दोस्त राधिका से शादी की, जिसमे दुनिया भर की मशहूर हस्तियो, नेताओं, हिंदी और दक्षिण भारतीय तथा वैश्विक सिनेमा के दिग्गजो और लगभग सभी शीर्ष क्रिकेट खिलाड़ियों की उपस्थिति देखी गई। प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर से संबंधित इंस्टाग्राम पेज के अनुसार, भारत की अपनी पहली यात्रा के लिए किम (43) और क्लोई (40) ने मनीष मल्होत्रा द्वारा तैयार किए गए भारतीय परिधानो को चुना। कार्दाशियां बहने रविवार की सुबह अमेरिका लौट गईं। मनीष मल्होत्रा वर्ल्ड के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज के अनुसार, किम ने महारानी लाल रंग संरचित लहंगा साड़ी पहनी और क्लोई ने बेस्पोक गोल्डन लहंगा पहना था। पोस्ट मे कहा गया, भारत की अपनी पहली यात्रा के लिए, कार्दाशियां बहनों- किम (कार्दाशियां) और क्लोई (कार्दाशियां) ने मनीष मल्होत्रा द्वारा तैयार किए गए भारतीय परिधानों को चुना। किम ने हमारी महारानी लाल रंग संरचित लहंगा साड़ी पहनी, जबकि क्लोई ने शाही आकर्षण का प्रदर्शन किया और हमारा विशेष सुनहरा लहंगा पहना तथा इसे मनीष मल्होत्रा ज्वेलरी से हमारी शानदार विरासत ने परिपूर्ण किया।

ब्लेज एक्स देगा नया अनुभव

बेंगलुरू। भारत में स्मार्टफोन एवं वियरेबल्स का निर्माण करने सबसे प्रमुख स्वदेशी ब्रांड, लावा इंटरनेशनल लिमिटेड ने अपनी नई पेशकश, बिल्कुल नए लावा ब्लेज़ एक्स के लॉन्च के साथ अपनी ब्लेज़ सीरीज़ के विस्तार की घोषणा की है। कंपनी ने किफायती स्मार्टफोन सेगमेंट में एक नई मिसाल कायम करते हुए, ब्लेज़ एक्स उको इस सेगमेंट में पहली बार कवर्ड एमोलेड डिस्प्ले के साथ बाजार में उतारा है। नए ब्लेज़ एक्स को दो बेहतरीन रंगों, यानी स्टारलाइट पर्पल और टाइटेनियम ग्रे में पेश किया गया है। यह स्मार्टफोन 20 जुलाई से लावा ई-स्टोर तथा अमेज़न पर उपलब्ध होगा। इस मौके पर लावा इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रोडक्ट हेड, सुमित सिंह ने कहा, लावा ब्लेज़ हमारी सबसे कामयाब सीरीज़ में से एक रही है, जिसे अव्वल दर्जे की गुणवत्ता और बेहद दमदार स्मार्टफ़ोन के साथ इस इंडस्ट्री की कमी को पूरा करने की सोच के साथ तैयार किया गया है। नया ब्लेज़ एक्स कंपनी की लाइन-अप में शामिल किया गया सबसे नया प्रोडक्ट है, जिसे तीन सबसे अहम कसौटियों एक्स यानी इस सेगमेंट में पहली बार कवर्ड एमोलेड डिस्प्ले, शानदार परफॉर्मेंस और खूबसूरती को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि फैन्स को हमारा नया ब्लेज़ एक्स बेहद पसंद आएगा, साथ ही वे उन सभी अनुभवों का भरपूर आनंद लेंगे जिनके लिए इसे डिज़ाइन किया गया है।

पंजाबः पटियाला में मुठभेड़ के बाद दो गैंगस्टर गिरफ्तार

चंडीगढ़,। पंजाब पुलिस ने रविवार को पटियाला जिले के राजपुरा के पास एक मुठभेड़ के बाद दो गैंगस्टर को गिरफ्तार कर लिया। यह दोनो गोलीबारी की दो घटनाओं में कथित रूप से शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी की घटनाएं शनिवार रात को हुईं। इनमें से घटना एक राजपुरा-पटियाला टोल प्लाजा पर और दूसरी राजपुरा मे शराब की दुकान पर हुई थी। उन्होंने बताया कि दीपक और रमनदीप सिंह नामक आरोपी मोहाली से आ रहे थे, तभी पुलिस दल ने उन्हें रोका, लेकिन गिरफ्तारी से बचने के प्रयास में उन्होंने पुलिस दल पर गोलीबारी कर दी। उन्होंने बताया कि दोनो ओर से हुई गोलीबारी मे एक बदमाश घायल हो गया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, पंजाब पुलिस ने एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद दीपक और रमनदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया और 12 घंटे के भीतर दो घटनाओं को सुलझा लिया। उन्होंने कहा, पटियाला पुलिस ने राजपुरा के बनूड़ से दो गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है।

पीओके के शरणार्थी समुदाय के सदस्यों को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए : राजीव चुनी

जम्मू। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के शरणार्थी समुदाय के सदस्यो को उन सीटों पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए जहां उनकी मजबूत उपस्थिति है। एक संगठन ने रविवार को यह बात कही। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर मे 30 सितंबर तक चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने का निर्देश दिया है। निर्वाचन आयोग द्वारा अभी तक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा नही की गई है। समुदाय के दीर्घकालिक एवं उपेक्षित मुद्दों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए यहां आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान एसओएस इंटरनेशनल के अध्यक्ष राजीव चुनी ने कहा, आज की रैली का संकल्प यह है कि पीओके समुदाय को उन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार खड़े करने चाहिए जहां उनकी मजबूत उपस्थिति है। उन्होंने मांग की कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा मे समुदाय के सदस्यो के लिए आठ सीटें आरक्षित की जाएं और उन्हें पहाड़ी का दर्जा दिया जाए।

कश्मीर : करीब 15,000 तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन किए, कुल संख्या तीन लाख के पार

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर में रविवार को करीब 15,000 श्रद्धालुओं ने प्राकृतिक रूप से बने बर्फ के शिवलिंग के दर्शन किए, जिसके साथ ही अमरनाथ गुफा मंदिर मे दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या तीन लाख के आंकड़े को पार कर गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, वार्षिक यात्रा के 16वें दिन रविवार को 14,974 तीर्थयात्रियों ने यात्रा की और बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए। अधिकारियो ने बताया कि 3,880 मीटर की ऊंचाई पर पवित्र गुफा मंदिर मे दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 3,09,957 तक पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि 9,755 पुरुष तीर्थयात्री, 3,291 महिला तीर्थयात्री, 245 साधु और एक साध्वी उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने आज पवित्र गुफा मे दर्शन किए।

असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार, दो और लोगों की मौत, करीब 6 लाख लोग प्रभावित

भाषा। गुवाहाटी

असम में बाढ़ की स्थिति में रविवार को सुधार जारी रहा, जबकि इससे दो और लोगों की मौत हो गई। प्रदेश के 17 जिलों में करीब छह लाख लोग प्रभावित हुए हैं। एक सरकारी बुलेटिन में इसकी जानकारी दी गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, करीमगंज में एक व्यक्ति और करीमगंज जिले के नीलमबाजार राजस्व सर्किल में एक अन्य व्यक्ति की मौत हुई। इन मौतों के साथ, इस साल बाढ़, भूस्खलन, तूफान और बिजली गिरने की घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 109 हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कछार, चिरांग, दरांग, धेमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, गोलपारा, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, करीमगंज, माजुली, मोरीगांव, नागांव, नलबाड़ी और शिवसागर जिलों में बाढ़ के कारण 5,97,600 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। कछार सबसे अधिक प्रभावित है, जहां लगभग 1.16 लाख लोग पीड़ित हैं, इसके बाद धुबरी (लगभग 81,500 लाख) और नागांव (76,000 से अधिक) का स्थान है। शनिवार तक 20 जिलों में 8.4 लाख से अधिक लोग बाढ़ के पानी से प्रभावित हुए हैं। प्रशासन 13 जिलों में 172 राहत शिविर और राहत वितरण केंद्र चला रहा है, जिसमें 58,816 विस्थापित लोगों की देखभाल की जा रही है। एएसडीएमए ने कहा कि वर्तमान में 1,342 गांव जलमग्न हैं और असम में 25,367.61 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। इसने कहा कि धेमाजी, गोलाघाट, नागांव, तामुलपुर, कछार, चिरांग, दरांग, धुबरी, गोलपारा और करीमगंज में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। ब्रह्मपुत्र नदी निमातीघाट, तेजपुर और धुबरी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। चेनीमारी में इसकी सहायक नदियां बुरहीडीहिंग और नांगलमुराघाट में दिसांग भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापक बाढ़ के कारण 2,83,700 से अधिक पालतू जानवर और मुर्गियां प्रभावित हुई हैं।

उत्तर प्रदेश में 22 जिलों के 1476 गांव बाढ़ से प्रभावित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रामगंगा, राप्ती और घाघरा समेत कई नदियों के उफान के चलते 22 जिलों के करीब 1500 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं तथा पिछले 24 घंटे के दौरान प्राकृतिक आपदाओं में पांच लोगों की मौत हो गई। राज्य प्रशासन ने यह जानकारी दी। राज्य के राहत आयुक्त जी एस नवीन कुमार ने रविवार को बताया कि रामगंगा, कुन्हरा, राप्ती, घाघरा, बूढ़ी राप्ती, रोहिन एवं क्वानो नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के 22 जिलों-- लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, कुशीनगर, शाहजहांपुर, बाराबंकी, सीतापुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर, बलिया, गोरखपुर, बरेली, आजमगढ़, हरदोई, अयोध्या, बहराइच, बदायूं, फर्रुखाबाद, बस्ती, देवरिया, उन्नाव, पीलीभीत और श्रावस्ती के 1476 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। कुमार ने बताया कि पिछले 24 घंटे में राज्य में 6.3 मिलीमीटर वर्षा हुई है तथा एक जून से 14 जुलाई तक 239.2 मिलीमीटर वर्षा हुई है। राहत आयुक्त ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में बाढ़ के पानी में डूबने से चार लोगों तथा सांप के काटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। कुमार ने बताया कि बाढ़ से प्रभावित जिलों में राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की टीम तैनात की गई हैं। उनके अनुसार राज्य में अब तक 1829 बाढ़ राहत शिविर, 1476 बाढ़ चौकियां और 1145 मेडिकल टीम गठितस्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 13026 व्यक्तियों को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है।

देश को एकजुट रहना चाहिए : ट्रंप

वाशिंगटन। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक रैली में अपनी हत्या के प्रयास के बाद रविवार को कहा कि अमेरिका को एकजुट रहना चाहिए और देश के नागरिकों को अमेरिकी के तौर पर अपना सच्चा चरित्र दिखाना चाहिए। उन्होंने मजबूत और दृढ़ रहने की बात भी कही। ट्रंप (78) शनिवार को पेनसिल्वेनिया में एक रैली में उस समय बाल-बाल बच गए, जब 20 वर्षीय हमलावर ने उन पर कई गोलियां चलाईं। इस हमले में वह जख्मी हो गए और उनके कान पर चोट आई। गोलीबारी की इस घटना में ट्रंप की रैली में मौजूद एक व्यक्ति की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने हमलावर को मार गिराया। सीएनएन की खबर के अनुसार, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर लिखा, भगवान ने ही वह सब होने से रोक लिया, जिसके बारे में सोचा भी नहीं था। ट्रंप की पोस्ट के अनुसार, ऐसे समय में यह अधिक महत्वपूर्ण है कि हम एकजुट रहें और अमेरिकियों के तौर पर अपना मूल चरित्र बनाए रखें। हम मजबूत और दृढ़संकल्पित बने रहें और बुराई को न जीतने दें। उन्होंने कहा, हम डरेंगे नहीं। ट्रंप ने कहा कि वह जुझारू बने रहेंगे। उन्होंने कहा, अन्य पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं। ट्रंप के प्रचार दल के प्रवक्ता ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति की हालत ठीक है। यह घटना मिलवाउकी में होने वाले रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन से दो दिन पहले हुई, जिसमें ट्रंप को पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में आधिकारिक रूप से पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया जा सकता है।

ट्रंप इस हमले के बाद भी सम्मेलन में भाग ले सकते हैं।व्हाइट हाउस ने बताया कि ट्रंप के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव में किस्मत आजमा रहे राष्ट्रपति जो बाइडन को हमले के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने गोलीबारी के कुछ घंटे बाद ट्रंप से फोन पर बातचीत की। बाइडन ने कहा, अमेरिका में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने डेलवेयर के रिहाबोथ तट पर स्थित अपने बीच होम में सप्ताहांत की छुट्टियां बीच में छोड़कर जल्द वाशिंगटन वापसी की योजना बनाई है। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश तथा बिल क्लिंटन ने ट्रंप पर हमले की निंदा की।

अमेरिका मे हिसा की कोई जगह नही है : बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बिल क्लिंटन ने पेनसिल्वेनिया मे एक चुनावी रैली मे रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास की निंदा करते हुए कहा कि अमेरिका मे हिसा की कोई जगह नही है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप (78) शनिवार को हुए इस हमले मे कान के ऊपरी हिस्से मे गोली लगने से घायल हो गए। हमलावर ने रैली मे मौजूद एक व्यक्ति की भी हत्या कर दी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सीक्रेट सर्विस के एक सदस्य ने हमलावर को मार गिराया। घटना के बाद राष्ट्र को संबोधित करते हुए बाइडन ने डेलवेयर मे अपने आवास पर पत्रकारो से कहा, देखिए, अमेरिका मे इस तरह की हिसा की कोई जगह नही है। यह घिनौना है। इससे जाहिर होता है कि क्यो हमे इस देश को एकजुट रखने की आवश्यकता है। हम इसे नजरअंदाज नही कर सकते। बाइडन इस सप्ताहांत डेलवेयर मे

अपने घर पर समय बिता रहे थे, लेकिन आधी रात के बाद व्हाइट हाउस लौट आए। व्हाइट हाउस ने कहा, रविवार सुबह व्हाइट हाउस मे, उन्हें आंतरिक सुरक्षा और कानून प्रवर्तन अधिकारियों से अद्यतन जानकारी मिलेगी। राष्ट्रपति बाइडन ने सीक्रेट सर्विस और सरकारी एजेंसियों समेत सभी एजेंसियो का आभार जताया। उन्होने बताया कि उनका ट्रंप से संपर्क नही हो पाया है लेकिन व्हाइट हाउस ने कहा कि उन्होंने कई घंटे पहले ट्रंप से बात की। ओबामा ने भी हमले की निंदा की और ट्रंप के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। ओबामा ने कहा, हमारे लोकतंत्र मे राजनीतिक हिसा का कोई स्थान नही है। हालांकि, हम अभी नही जानते कि असल मे क्या हुआ था लेकिन हमे राहत है कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप गंभीर रूप से घायल नही हुए। मिशेल और मै उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे है। बुश ने कहा कि उन्हें और उनकी पत्नी लॉरा को यह जानकर तसल्ली मिली है कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप अपने ऊपर हुए कायरतापूर्ण हमले के बाद सुरक्षित है। उन्होंने कहा, हम सीक्रेट सर्विस के पुरुष और महिला अधिकारियो की उनकी त्वरित कार्वाई के लिए प्रशंसा करते है। क्लिंटन ने कहा, अमेरिका मे हिसा का कोई स्थान नही है, खासकर हमारी राजनीतिक प्रणाली मे। हिलेरी और मुझे यह जानकर राहत मिली कि ट्रंप सुरक्षित है, हम पेनसिल्वेनिया रैली मे हुए हमले के सभी पीड़ितो के लिए दुखी है तथा यूएस सीक्रेट सर्विस की त्वरित कार्वाई के लिए उनके आभारी है।

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि उन्हे ट्रंप पर हुए हमले के बारे मे जानकारी दी गई है। उन्होने कहा, हम उनके, उनके परिवार तथा सभी घायलो और इस घृणित गोलीबारी से पीड़ित हुए लोगो लिए प्रार्थना कर रहे है। हम अमेरिकी सीक्रेट सर्विस और स्थानीय प्राधिकारियो का उनकी त्वरित कार्वाई के लिए आभार व्यक्त करते है। हैरिस ने कहा, इस तरह की हिसा का हमारे देश मे कोई स्थान नही है। हम सभी को इस घृणित कृत्य की निंदा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि यह और हिसा होने का कारण न बने।

पाक में अस्थिरता और अनिश्चितता फैलाने में लगी ताकतों को बेनकाब किया जाए: प्रधानमंत्री शहबाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश में अस्थिरता एवं अनिश्चितता फैलाने मे लगे तत्वों को बेनकाब करने की जरूरत पर बल दिया है क्योंकि आर्थिक रूप से खस्ताहाल उनकी सरकार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। एआरवाई न्यूज की खबर है कि शरीफ ने सीनेट (पाकिस्तानी संसद के एक सदन) मे पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के संसदीय दल के नेता तथा विदेश मामलों से संबंधित सीनेट की स्थाई समिति के अध्यक्ष इरफान सिद्दिकी के साथ बैठक के दौरान परोक्ष रूप से विपक्ष की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। किसी भी दल का नाम लिए बगैर प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को सरकार, देश एवं राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थानों के विरुद्ध चल रहे संगठित अभियान को विफल करने की प्रभावी रणनीति विकसित करने पर जरूर ध्यान देना चाहिए। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी सभी मोर्चों पर सरकार का विरोध कर रही है और आरोप लगा रही है कि पीएमएल-एन ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव के जनादेश को चुरा लिया है। खान जेल मे बंद है। विदेश मामलो से संबंधित सीनेट की स्थाई समिति का अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सिद्दिकी को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व मे यह समिति दुनिया मे पाकिस्तान की सकारात्मक और शांतिपूर्ण छवि को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देगी।

जेल में बंद इमरान खान एवं उनकी पत्नी नए भ्रष्टाचार मामले में भ्रष्टाचार निकाय की हिरासत में भेजे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने जेल मे बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान एव उनकी पत्नी बुशरा बीबी को कथित भ्रष्टाचार के एक नए मामले की जांच के वास्ते रविवार को आठ दिनो की हिरासत के लिए भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारियो को सौप दिया। जिला एवं सत्र अदालत ने शनिवार को गैर इस्लामी शादी मामले मे दोनों की दोषसिद्धि खारिज कर दी थी जिसके शीघ्र बाद उन्हे राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने गिरफ्तार कर लिया था। इस अदालत के संक्षिप्त आदेश मे यह भी कहा गया था कि यदि अन्य मामलो मे दोनो वांछित नही है तो उन्हे तत्काल रिहा कर दिया जाए। खान दंपती के विरूद्ध नया तोशखाना मामला दर्ज करने वाली एनएबी ने रविवार को दोनों को जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद अली वारिच के सामने पेश किया। न्यायाधीश ने कड़े सुरक्षा कारणो से अडियाला जेल के अंदर ही सुनवाई की। खान दंपती को गिरफ्तार करने वाली टीम की अगुवाई करने वाले एनएबी के उपनिदेशक मोहसिन हारून ने अदालत से अनुरोध किया कि दोनो को ब्यूरो की हिरासत मे भेजा जाए। अदालत ने वकीलो की दलीले सुनने के बाद दोनो को आठ दिनो के लिए एनएबी की हिरासत मे भेज दिया।

इटली में बंधुआ मजदूरी कराने के आरोप में दो भारतीय नागरिक गिरफ्तार

रोम। इटली के वेरोना प्रांत मे 33 कृषि श्रमिको से बंधुआ मजदूरी कराने के आरोप मे दो भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। ए सभी मजदूर भारतीय है। मीडिया मे आई खबरो मे यह जानकारी दी गई है। इससे कुछ दिन पहले एक सिख कृषि मजदूर की मौत से देश स्तब्ध हो गया था। समाचार एजेंसी एएनएसए ने शनिवार को खबर दी कि वित्त पुलिस ने संदिग्धो की 4,75,000 यूरो की संपत्ति भी जब्त की है, जो कृषि क्षेत्र की दो कंपनियो के मालिक है और इनमे कोई कर्मचारी नही है और उनपर कर चोरी का आरोप भी है। इतालवी समाचार एजेंसी ने बताया कि दो लोगो को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ बंधुआ मजदूरी और श्रमिको के शोषण सहित अन्य अपराधों के लिए जांच की जा रही है।

ट्रंप पर हमले की विश्व नेताओं ने राजनीतिक हिंसा की निंदा की

भाषा। वाशिंगटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर समेत दुनिया के विभिन्न नेताओं ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की भयावह कोशिश की रविवार को निंदा की और कहा कि राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। अठहत्तर-वर्षीय ट्रम्प शनिवार को उस समय बाल-बाल बच गए जब पेंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान एक हमलावर ने उन पर कई गोलियां चलाईं जिनमें से एक उनके दाहिने कान में लगी। गोलीबारी में रैली में मौजूद एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य की हालत गंभीर है। बीस-वर्षीय संदिग्ध शूटर को सीक्रेट सर्विस के एक सदस्य ने मार गिराया। प्रधानमंत्री मोदी ने हमले पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरे मित्र पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमले से बेहद चिंतित हूं। घटना की कड़ी निंदा करता हूं। राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने कहा, हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के साथ हैं। स्टॉर्मर ने कहा कि वह रैली के चौंकाने वाले दृश्यों से स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा, किसी भी रूप में राजनीतिक हिंसा का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है और मेरी संवेदनाएं इस हमले के सभी पीड़ितों के साथ हैं। मैक्रों ने हत्या के प्रयास को एक त्रासदी करार दिया। उन्होंने एक्स पर कहा, यह हमारे लोकतंत्रों के लिए एक त्रासदी है। फ्रांस अमेरिकावासियों के सदमे और आक्रोश को साझा करता है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानी ने कहा, यह उन लोकतांत्रिक मूल्यों के तहत एक अक्षम्य हमला था, जो ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी साझा करते हैं तथा (वह) स्वतंत्रता, जिसे हम संजोते हैं। ए मूल्य वे हैं जो हमारे दोनों देशों को एकजुट करते हैं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि वह पेंसिल्वेनिया से अद्यतन जानकारी प्राप्त कर रही हैं और ट्रम्प के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव अभियान के आने वाले महीनों में संवाद और जिम्मेदारी नफरत तथा हिंसा पर हावी हो सकती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वे पेंसिल्वेनिया में चुनावी रैली में ट्रम्प पर गोली चलाए जाने की घटना से स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा, इस तरह की हिंसा का कोई औचित्य नहीं है और दुनिया में कहीं भी इसके लिए कोई जगह नहीं है। हिंसा को कभी भी हावी नहीं होना चाहिए। मुझे यह जानकर राहत मिली है कि डोनाल्ड ट्रम्प सुरक्षित हैं और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्दीनांद मार्कोस जूनियर ने कहा कि उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं ट्रम्प और उनके परिवार के साथ हैं। उन्होंने कहा, दुनिया भर के सभी लोकतंत्र-प्रेमी लोगों के साथ, हम सभी प्रकार की राजनीतिक हिंसा की निंदा करते हैं। जनता की आवाज हमेशा सर्वोच्च होनी चाहिए। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा, किसी भी देश में ऐसी राजनीतिक हिंसा नहीं होनी चाहिए। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा, हमारे लोकतंत्र में किसी भी प्रकार की राजनीतिक हिंसा कभी भी स्वीकार्य नहीं है। मैं हमले से प्रभावित पीड़ितों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि दुनिया को लोकतंत्र को चुनौती देने वाली किसी भी प्रकार की हिंसा के खिलाफ़ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा, राजनीतिक हिंसा कभी भी स्वीकार्य नहीं है। मेरी संवेदनाएं पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प, कार्यक्रम में मौजूद लोगों और सभी अमेरिकियों के साथ हैं।

ट्रंप पर हमले के संदिग्ध के घर और गाड़ी में बम बनाने की सामग्री मिली: अधिकारी

बटलर। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रैली मे गोली चलाने के संदिग्ध व्यक्ति की गाड़ी मे बम बनाने की सामग्री मिली है। कानून प्रवर्तन अधिकारियो ने एपी को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध के घर मे भी बम बनाने की सामग्री मिली है। सार्वजनिक रूप से इस विषय पर बोलने का अधिकार नही रखने वाले दो अधिकारियो ने नाम जाहिर नही होने की शर्त पर एसोसिएटिड प्रेस (एपी) को यह जानकारी दी। ट्रंप (78) शनिवार को पेनसिल्वेनिया मे एक रैली मे उस समय बाल-बाल बच गए, जब 20 वर्षीय हमलावर ने उन पर कई गोलियां चलाईं। इस हमले मे वह जख्मी हो गए और उनके कान पर चोट आई। गोलीबारी की इस घटना मे ट्रंप की रैली मे मौजूद एक व्यक्ति की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

अमेरिका : चार राष्ट्रपतियों की हत्या की गई, कई अन्य पर हुए थे हमले

वाशिंगटन। अमेरिका के 45वे राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रंप पर शनिवार को हुए जानलेवा हमले से पहले भी इस देश मे राष्ट्रपतियो, पूर्व राष्ट्रपतियो और प्रमुख दलो के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारो को निशाना बनाने की कई घटनाएं हो चुकी है। वर्ष 1776 से देश के राजनीतिक इतिहास मे हत्या और हत्या के प्रयासो की कुछ ऐसी ही घटनाएं इस प्रकार है : अमेरिका के 16वे राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन : अब्राहम लिंकन अमेरिका के पहले राष्ट्रपति थे, जिनकी जॉन वाइक्स बूथ ने 14 अप्रैल 1865 को गोली मार कर हत्या कर दी थी। घटना के दौरान वह अपनी पत्नी मेरी टॉड लिंकन के साथ वाशिंगटन के फोर्ड थिएटर मे अवर अमेरिकन कजिन नाटक देख रहे थे। बूथ की 26 अप्रैल 1865 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह वर्जीनिया के बाउलिंग ग्रीन के समीप एक खेत मे छिपा मिला था। अमेरिका के 20वे राष्ट्रपति जेम्स गारफील्ड : गारफील्ड देश के दूसरे राष्ट्रपति थे जिनकी कार्यभार संभालने के छह महीने बाद हत्या कर दी गई थी। वह दो जुलाई 1881 को वाशिंगटन मे एक ट्रेन स्टेशन की ओर जा रहे थे तभी चार्ल्स गितेऊने उन्हे गोली मार दी थी। गितेऊको जून 1882 मे दोषी ठहराया गया और मृत्युदंड दिया गया। अमेरिका के 25वे राष्ट्रपति विलियम मैकिनले : मैकिनले को छह सितंबर 1901 मे न्यूयॉर्क के बफेलो मे तब गोली मारी गई थी जब वह भाषण देने के बाद लोगो से हाथ मिला रहे थे। एक व्यक्ति ने नजदीक से उनकी छाती मे दो गोली मारी। मैकिनले की 14 सितंबर 1901 में मौत हो गई थी। उनके बाद उपराष्ट्रपति थियोडर रूजवेल्ट देश के राष्ट्रपति बने थे। डेट्रॉइट के 28 वर्षीय लियोन एफ ने गोली चलाने का अपराध स्वीकार किया गया था। उसे 29 अक्टूबर 1901 को करंट देकर मृत्युदंड दिया गया था। अमेरिका के 32वे राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी. रूजवेल्ट : रूजवेल्ट ने मियामी मे एक खुली कार से भाषण दिया ही था कि तभी गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी। फरवरी 1933 मे हुई इस घटना मे रूजवेल्ट घायल नही हुए लेकिन इसमे शिकागो के मेयर एंटन कर्माक की जान चली गई। इस हमले के दोषी गिसिप्पे जंगारा को मौत की सजा दी गई। अमेरिका के 33वे राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन : ट्रूमैन नवंबर 1950 मे वाशिंगटन के ब्लेयर हाउस मे थे तभी दो बंदूकधारी उसमे घुस गए थे। बंदूकधारियो के साथ गोलीबारी मे ट्रूमैन तो बच गए थे लेकिन व्हाइट हाउस का एक पुलिसकर्मी और एक हमलावर मारा गया था। व्हाइट हाउस के दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इस हमले में ऑस्कर कैलाजो को गिरफ्तार किया गया था और उसे मौत दी गई थी। 1952 मे ट्रूमैन ने उसकी मौत की सजा को उम्रकैद मे बदल दिया था। राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर ने 1979 मे उसे जेल से रिहा कर दिया था। अमेरिका के 35वे राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी : केनेडी नवंबर 1963 मे जब प्रथम महिला जैक्लीन केनेडी के साथ डलास गए थे तो एक बंदूकधारी ने घात लगाकर उन पर हमला कर दिया था। केनेडी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने कुछ घंटो बाद ली हार्वे ओस्वाल्ड को गिरफ्तार कर लिया था और दो दिन बाद ओस्वाल्ड की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जब उसे पुलिस मुख्यालय से जेल ले जाया जा रहा था।

ट्रंप घायल हुए लेकिन उनकी हालत ठीक है: सहयोगी

बटलर। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर हुए हमले के तुरंत बाद रविवार को देशवासियो से एकजुटता और दृढ़ता का आह्वान किया। गोलीबारी मे ट्रंप घायल हो गए लेकिन उनकी हालत ठीक है। राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने कहा कि गोली लगने से उनके दाएं कान के ऊपरी हिस्से मे चोट लगी है। ट्रंप के सहयोगियो ने कहा कि वह अच्छे है और उनकी हालत ठीक है। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट पर लिखा, मुझे तुरंत लगा कि कुछ गड़बड़ है, क्योंकि मैने एक तेज आवाज सुनी, गोलियां चली और तभी मुझे महसूस हुआ कि गोली मेरी त्वचा को चीरती हुई निकल गई। बहुत खून निकला। उन्होने कहा, भगवान ने ही वह सब होने से रोक लिया जिसके बारे मे सोचा भी नही था। ट्रंप की पोस्ट के अनुसार, ऐसे समय मे सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि हम एकजुट रहें और अमेरिकियों के तौर पर अपना मूल चरित्र बनाए रखें। हम मजबूत और दृढ़संकल्पित बने रहे और बुराई को न जीतने दें। एफबीआई ने रविवार को हमलावर की पहचान पेनसिल्वेनिया के बेथेल पार्क निवासी 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की। उसके पास एक राइफल थी। सीक्रेट सर्विस के कर्मियो ने उसे मार गिराया।गोलीबारी की इस घटना मे ट्रंप की रैली मे मौजूद एक व्यक्ति की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हमला 1981 में तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन को गोली मारे जाने के बाद से अमेरिका के किसी राष्ट्रपति या राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या की सबसे संगीन कोशिश थी।ध्रुवीकरण से अत्यंत प्रभावित अमेरिका मे राष्ट्रपति चुनाव से महज चार महीने पहले इस हमले ने सभी का ध्यान राजनीतिक हिसा की ओर खीचा है।

ट्रंप पर हमला अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय : भारतीय-अमेरिकी

शिकागो। भारतीय मूल के अमेरिकियो ने रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की निंदा करते हुए इसे अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय करार दिया। पेनसिल्वेनिया के बटलर मे एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप (78) पर एक संदिग्ध व्यक्ति ने गोली चलाई, जो उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से मे लगी। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रख्यात नेता डॉ. भरत बरई ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमे पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हुए हमले की जानकारी मिली। यह बहुत दुखद है और लोकतंत्र मे इस तरह की हिसा की उम्मीद नही की जाती। बरई ने कहा, लोगो के विचार अलग-अलग होते है, उनके राजनीतिक और आर्थिक विचार भी अलग-अलग होते है। उन्हे अपे विचारो को मतदान के जरिए व्यक्त करना चाहिए। सिख अमेरिकन्स फॉर ट्रंप के अध्यक्ष जसदीप सिंह जस्सी ने पीटीआई-भाषा से कहा, यह अमेरिका के लोकतंत्र मे एक काला अध्याय है। उन्होने कहा, हम उनकी सुरक्षा और स्वस्थ होने की कामना करते है। हम इस कृत्य की निंदा करते है और अमेरिका से राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन मे एकजुट होने की अपील करते है। वाहेगुरु जी ट्रंप और अमेरिका की रक्षा करें। डेमोक्रेटिक पार्टी के उप राष्ट्रीय वित्त प्रमुख एवं राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रबल समर्थक अजय भूटोरिया ने कहा, हमले के सभी पहलुओं और विवरणो की गहन जांच की जानी चाहिए। क्या इस हमले के पीछे किसी विदेशी संगठन का हाथ है, जिसका मकसद अलग-अलग राजनीतिक विचार रखने वाले अमेरिकियो के बीच मतभेद और विभाजन पैदा करना है, ताकि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पहुंचाया जा सके। न्यूयॉर्क स्थित रियल एस्टेट निवेशक और ट्रंप के परिवार के मित्र अल मेसन ने कहा, रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हुआ हमला उन्हें फिर से राष्ट्रपति बनने से नही रोक सकता। हिंदुज4ट्रंप ने कहा कि वे ट्रंप और उनके परिवार तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ एकजुटता से खड़े है और इस मूर्खतापूर्ण हिसा की निंदा करते है। इसने कहा कि नफरत के लिए कोई जगह नही है। ट्रंप के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए संगठन ने कहा, यह सिर्फ राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला नही है, बल्कि अमेरिका मे लोकतंत्र पर हमला है।

मॉस्को के पार्कों और बाग-बगीचों का आकषर्ण बढ़ा

मास्को। रूस की राजधानी को यूरोप के सबसे हरे.भरे शहरों में गिना जाता हैः इसकी हर डिस्ट्रिक्ट में कोई न कोई पार्क या गार्डन है और ये इतने विशाल तथा हरे.भरे हैं कि अन्य यूरोपीय शहरों के लोगों को ये किसी असली जंगल से अलग नहीं लगेंगे। यहां हम आपको मॉस्को के कुछ ऐसे ग्रीन ज़ोन्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें आपको इस शहर के म्युजियमों और लैंडमार्क्स के अलावा जरूर देखना चाहिए। ‘तलंकलम महज़ एक पार्क नहीं है बल्कि प्राकृतिक और आर्किटेक्चर की दृष्टि से मास्टरपीस भी है।‘तलंकलम के समकालीन लैंडस्केप में आप नेचर और आर्किटेक्चर की एक आश्चर्यजनक दुनिया को एक साथ देख सकते हैं और यहां से क्रेमलिन का नज़ारा भी देखा जा सकता है। यहां रूस के अलग.अलग क्षेत्रों की भौगोलिक खूबियों को रीक्रिएट किया गया है ताकि खुद रूसी समाज और इस देश में आने वाले लोगों को बर्च;सनोबर वृक्षद्ध के समूहए टुंड्रा वनस्पति, शंकुधारी और तटीय वन प्रदेशों के अलावा घास के मैदानों और चरागाहों आदि को एक ही स्थान पर देखने का मौका मिले। पार्क में कांच का एक बड़ा डोम है दृ जोकिसी कलाकृति से कम नहीं है इसके अंदर एक ऐसा माइक्रोक्लाइमेट तैयार किया गया है जिसमें कुछ गरम प्रदेशों के पौधे रखे गए हैं‘तलंकलम में एक अनूठे किस्म का प्रायोगिक फनल.शेड ग्रीनहाउस भी है जिसमें ऐरोपोनिक प्लांट ग्रोइंग सिस्टम्स लगाए गए हैं। इस ग्रीनहाउस में एरापोनिक विधि से पौधों को उगाने की व्यवस्था की गई है यानि यहां फाइटोबॉक्स में मिट्टी नहीं होती बल्कि पौधों की बढ़त के लिए जरूरी पोषक तत्वों को ऐरोसोल की शक्ल में उनकी जड़ों में पहुंचाया जाता है। इस फ्लोरेरियम में कुछ चिकित्सकीयए सजावटीए आर्थिक रूप से कीमती और कुछ दुर्लभ पौधों को रूस के अलग.अलग प्राकृतिक प्रांतों जैसे कालिनिनग्राद से लेकर सखालिन तक से लाया गया है। इस संग्रह में पौधों की 250 से अधिक प्रजातियां हैं।‘तलंकलमका असली आभूषण इस पार्क का अनोखाफ्लोटिंग ब्रिज, तैरने वाला पुल है जिससे आप मॉस्को नदी के ष्इंस्टाग्राम व्यूज़ष् जैसे खूबसूरत नज़ारे देख सकते हैं।

ओली नेपाल के नए प्रधानमंत्री नियुक्त

भाषा। काठमांडू

नेपाल में सीपीएन-यूएमएल पार्टी के अध्यक्ष के. पी. शर्मा ओली को नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए रविवार को चौथी बार देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। उन्हें चीन समर्थक माना जाता है। ओली (72) ने पुष्प कमल दाहाल प्रचंड की जगह ली है, जो शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हार गए थे। इसके बाद संविधान के अनुच्छेद 76 (2) के अनुसार नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने ओली को नेपाल-यूनीफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस

गठबंधन सरकार का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया। ओली संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के समर्थन से प्रधानमंत्री बने। राष्ट्रपति भवन के मुख्य भवन शीतल निवास में सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे ओली का शपथग्रहण समारोह होगा। शुक्रवार देर रात ओली ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के समर्थन से सरकार बनाने का दावा पेश किया और प्रतिनिधि सभा के 165 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला समर्थन पत्र सौंपा, जिस पर उनकी पार्टी से 77 तथा नेपाली कांग्रेस से 88 सदस्यों के दस्तखत थे। सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के अध्यक्ष प्रचंड शुक्रवार को शक्ति परीक्षण के दौरान के विश्वासमत हासिल ह्यी से उनके बीच साझा किया जाएगा।

समझौते के मुताबिक, पहले चरण में ओली 18 महीने तक प्रधानमंत्री बनेंगे। उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ओली सोमवार को एक छोटी मंत्रिपरिषद का गठन करेंगे। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी और

नेपाल में बस हादसे में मृतक संख्या बढ़कर पांच हुई

काठमांडू। नेपाल में बचावकर्मियों ने रविवार को एक व्यक्ति का शव बरामद किया जो पिछले सप्ताह चितवन जिले में भूस्खलन के कारण उफनती नदी में दो बसों के बह जाने के बाद लापता हो गया था। यह जानकारी पुलिस ने दी। इसके साथ ही इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है, जिनमें एक भारतीय भी शामिल है। बचाव दल को रविवार को गैंडाकोट-7 में पांचवां शव मिला। बचाव दल शुक्रवार को भूस्खलन के बाद उफनती त्रिशूली नदी में दो बसों के बह जाने के बाद लापता यात्रियों की तलाश कर रहे थे। इन बसों में सात भारतीयों सहित 65 यात्री सवार थे। भूस्खलन चितवन जिले के नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर सिमलताल इलाके में हुआ। घटना के तुरंत बाद तीन लोग तैरकर सुरक्षित निकल आए थे। मायरिपब्लिका न्यूज पोर्टल ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि तलाशी अभियान के दौरान अब तक एक भारतीय समेत केवल पांच शव बरामद किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि भारतीय नागरिक समेत तीन मृतकों की पहचान सार्वजनिक कर दी गई है, जबकि दो अन्य शवों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि पहला शव शनिवार सुबह दुर्घटनास्थल से 50 किलोमीटर दूर बरामद किया गया था।

एआई कोच पुरानी दिक्कतों का समाधान नहीं कर सकता

भाषा। मेलबर्न

पिछले सप्ताह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और आरोग्य उद्योगों के दो बड़े नामों ने एक अनुकूलित, अति-वैयक्तिकृत एआई हेल्थ कोच विकसित करने के लिए सहयोग की घोषणा की, जो मोबाइल ऐप के रूप में उपलब्ध होगा ताकि पुरानी बीमारियों की प्रवृत्ति को उलटा जा सके। सैम ऑल्टमैन (ओपनएआई के प्रमुख, चैटजीपीटी के निर्माता) और एरियाना हफिंगटन (एक पूर्व मीडिया कार्यकारी जो थ्राइव ग्लोबल नामक एक उच्च तकनीक वाली आरोग्य कंपनी चलाती हैं) ने टाइम पत्रिका के एक विज्ञापन में अपनी नई कंपनी, थ्राइव एआई हेल्थ की घोषणा की। स्वास्थ्य एक ऐसे एआई उद्योग के लिए आकर्षक दिशा है जिसने सभ्यता को बदलने का वादा किया है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी भारी वृद्धि रुकती हुई दिखाई दे रही है। कंपनियों और निवेशकों ने इस तकनीक में अरबों डॉलर लगाए हैं, लेकिन यह अब भी अक्सर समस्याओं की तलाश में एक समाधान है। इस बीच, उपक्रम कैपिटलिस्ट सिकोइया और निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स इसका पता लगा रहे हैं कि क्या कभी इतना राजस्व और उपभोक्ता मांग उभरेगी कि यह बुलबुला और भी ठोस लगे। अगली बड़ी चीज आ रही है: एआई जो हमारे व्यवहार को बदल देगी, हमारे अपने भले के लिए।व्यक्तिगत संकेत और वास्तविक समय की सिफारिशेंऑल्टमैन और हफिंगटन का कहना है कि थ्राइव

एआई हेल्थ सर्वोत्तम सहकर्मी-समीक्षित विज्ञानै और उपयोगकर्ताओं के ैव्यक्तिगत बायोमेट्रिक, लैब और अन्य चिकित्सा डेटौ का उपयोग ैपांच व्यवहारों में आपकी प्राथमिकताओं और स्वरूप को जाननै के लिए करेगा जो स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण हैं: नींद, भोजन, गतिविधि, तनाव प्रबंधन और सामाजिक संबंध। चाहे आप मधुमेह से पीड़ित एक व्यस्त पेशेवरै हों या कोई ऐसे व्यक्ति जिसके पास ैप्रशिक्षकों, रसोइयों और जीवन प्रशिक्षकों तक पहुंचै न हो - केवल दो उपयोगकर्ता प्रोफ़ाइल जिनका उल्लेख दोनों ने किया है - थ्राइव एआई हेल्थ कोच का लक्ष्य आपकी दैनिक आदतों को बदलने के लिए व्यक्तिगत प्रोत्साहन और वास्तविक समय की सिफारिश बनाने के लिए व्यवहार संबंधी डेटा का उपयोग करना है। माना जाता है कि, जल्द ही, सभी के पास एक मोबाइल ऐप के ैजीवन-रक्षक लाभौं तक पहुंच होगी जो आपको - सटीक रूप से लक्षित तरीके से - अधिक सोने, बेहतर भोजन, नियमित व्यायाम करने, कम तनाव लेने और दोस्तों के साथ प्रकृति का आनंद उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। ए अलौकिक तकनीकें छोटे-छोटे दैनिक कार्यों को बदलकर दुनिया को बदल देंगी। इस दावे के बावजूद कि एआई ने एक और नवाचार को जन्म दिया है, जब मैंने ऑल्टमैन और हफिंगटन की घोषणा पढ़ी तो मुझे ऐसा अनुभव हुआ जैसे यह पहले भी हो चुका है।

जंक फूड का ऑनलाइन प्रचार बच्चों और युवाओं को लुभाने के लिए किया जाता है : अध्ययन

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियाई सरकार इस बात की जांच कर रही है कि क्या हमें अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के ऑनलाइन विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाना चाहिए और यह कैसे काम कर सकता है। ब्रिटेन में अस्वास्थ्यकर खाद्य और पेय पदार्थों के ऑनलाइन विज्ञापन पर प्रतिबंध अक्टूबर 2025 से शुरू होगा। हमने हाल में ऑस्ट्रेलिया में फेसबुक पर लक्षित जंक-फूड विज्ञापनों की जांच करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई विज्ञापन वेधशाला का उपयोग किया। हमारे अध्ययन में पता चला कि अस्वास्थ्यकर भोजन और पेय पदार्थों को माता-पिता और अभिभावों और खुद बच्चों को आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन किए गए तरीकों से प्रचारित किया जाता है। इसके अलावा, हमारे अध्ययन में पता चला है कि युवाओं को फास्ट-फूड विज्ञापनों द्वारा लक्षित किया जा रहा था। बच्चों, युवाओं और अभिभावकों को ऑनलाइन विज्ञापनदाताओं द्वारा अस्वास्थ्यकर खाने को सामान्य बनाने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में पता होना चाहिए। हम सभी को अधिक स्वस्थ डिजिटल वातावरण की मांग करनी चाहिए। हमारा कार्य जंक फूड के विज्ञापन पर ऑनलाइन प्रतिबंध लगाने की मांगों का समर्थन करता है। हमने खाद्य पदार्थों की आपूर्ति करने वाली ऑनलाइन कंपनियों पर भी नज़र डाली क्योंकि वे डिजिटल मंचों पर काफी लोकप्रिय हैं।

हमने विज्ञापनों में क्या देखा?

ऑस्ट्रेलियाई विज्ञापन वेधशाला ने फेसबुक पर लोगों द्वारा देखे जाने वाले लक्षित विज्ञापनों का दुनिया का सबसे बड़ा ज्ञात संग्रह बनाया है। हमारे।,909 स्वयंसेवकों ने अपने सोशल मीडिया फीड से 328,107 विज्ञापन दान किए हैं। इससे शोधकर्ताओं को यह जांचने का अभूतपूर्व अवसर मिला है कि ऑस्ट्रेलियाई लोग सोशल मीडिया पर क्या विज्ञापन देखते हैं और उन्हें किस तरह से लक्षित किया जा रहा है। हमने डेटाबेस में सबसे ज़्यादा बिकने वाले अस्वास्थ्यकर खाद्य और पेय पदार्थों के ब्रांड को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों की खोज की। ए विवेकाधीन या कभी-कभी ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं जिनमें वसा और शर्करा की मात्रा अधिक होती है।

भारत का श्रृंखला पर 4-1 से कब्जा

● आखिरी टी-20 में जिंबाब्वे को 42 रन से हराया

भाषा। हरारे

संजू सैमसन के अर्धशतक के बाद मुकेश कुमार की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने रविवार को यहां जिंबाब्वे को पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 42 रन से हराकर लगातार चौथी जीत के साथ श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की। भारत के 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिंबाब्वे की टीम मुकेश (22 रन पर चार विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 18.3 ओवर में 125 रन पर सिमट गई। शिवम दुबे (25 रन पर दो विकेट) ने किफायती गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटकाए जबकि वाशिंगटन सुंदर (सात रन पर एक विकेट), अभिषेक शर्मा (20 रन पर एक विकेट) और तुषार देशपांडे (25 रन पर एक विकेट) को एक-एक विकेट मिला। जिंबाब्वे की ओर से डियोन मायर्स ने सर्वाधिक 34 रन बनाए जबकि सलामी बल्लेबाज ताडिवनाशे मरूमानी और फराज अकरम ने 27-27 रन का योगदान दिया। सैमसन ने इससे पहले 45 गेंद में चार छक्कों और एक चौके से 58 रन की पारी खेलने के अलावा रियान पराग (22) के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन जोड़े जिससे भारत ने छह विकेट पर 167 रन का स्कोर खड़ा किया। दुबे ने अंत में 12 गेंद में दो छक्कों और दो चौकों से 26 रन की तेजतर्रार पारी खेली। जिंबाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजरबानी सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 19 रन देकर दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे जिंबाब्वे की शुरुआत खराब रही। वेस्ली माधेवेरे (00) मुकेश की पारी की तीसरी ही गेंद को विकेटों पर खेल गए। ब्रायन बेनेट (10) ने देशपांडे का स्वागत लगातार दो चौकों के साथ किया लेकिन मुकेश के अगले ओवर में डीप बैकवर्ड प्वाइंट पर दुबे को आसान कैच दे बैठे। सलामी बल्लेबाज मरूमानी ने मुकेश पर लगातार दो चौके जड़े। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अगली गेंद पर बोल्ड हो गया लेकिन वह नोबॉल हो गई। मरूमानी ने रवि बिश्नोई पर दो चौके मारे जबकि इसी ओवर में मायर्स ने भी गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराए। जिंबाब्वे ने पावर प्ले में दो विकेट पर 47 रन बनाए। सुंदर ने मरूमानी को पगबाधा करके जिंबाब्वे को तीसरा झटका दिया। मायर्स ने बाएं हाथ के स्पिनर अभिषेक पर छक्का और चौका मारा लेकिन दुबे की गेंद पर शॉर्ट थर्ड मैन पर अभिषेक को ही आसान कैच दे बैठे। कप्तान सिकंदर रजा (08) 14वें ओवर में दुबे के सटीक निशाने पर रन आउट हुए। दुबे ने जॉनाथन कैंपबेल (04) को स्क्वायर लेग बाउंड्री पर देशपांडे के हाथों कैच कराया। जिंबाब्वे को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 74 रन की दरकार थी। अभिषेक ने क्लाइव मेडेंडे (01) को विकेटकीपर सैमसन के हाथों कैच कराके जिंबाब्वे को सातवां झटका दिया। मेजबान टीम के रनों का शतक 17वें ओवर में पूरा हुआ। फराज अकरम ने दुबे पर छक्का जड़ने के बाद देशपांडे की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा। देशपांडे ने इस बीच ब्रेंडन मावुता (04) को अपनी ही गेंद पर लपका। मुकेश ने अकरम को सैमसन के हाथों कैच कराया और फिर रिचर्ड नगारवा (00) को बोल्ड करके भारत की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले जिंबाब्वे के लिए नगारवा (29 रन पर एक विकेट), रजा (37 रन पर एक विकेट) और मावुता (39 रन पर एक विकेट) ने भी एक-एक विकेट चटकाया। रजा ने भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिया। रजा ने पहली ही गेंद नोबॉल फेंकी जिस पर यशस्वी जायसवाल (12) ने छक्का जड़ने के बाद फ्री हिट को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया। वह हालांकि पारी की चौथी ही गेंद पर बोल्ड हो गए। अभिषेक (14) ने अकरम पर छक्का मारा जबकि कप्तान शुभमन गिल (13) ने भी इस तेज गेंदबाज पर लगातार दो चौके जड़े। मुजरबानी की गेंद पर ब्रायन बेनेट ने प्वाइंट पर अभिषेक का कैच टपकाया लेकिन बाएं हाथ का यह बल्लेबाज दो गेंद बाद विकेटकीपर क्लाइव मेडेंडे को कैच दे बैठा। नगारवा की गेंद पर कैंपबेल ने थर्ड मैन पर गिल का मुश्किल कैच टपकाया लेकिन भारतीय कप्तान ने इस ओवर में रजा को कैच थमा दिया। भारत ने पावर प्ले में तीन विकेट पर 44 रन बनाए।

स्कोरबोर्ड

भारतः जायसवाल बो रजा 12,गिल क रजा बो नगारवा 13,अभिषेक क मेडेंडे बो मुजरबानी 14,सैमसन क मरूमानी बो मुजरबानी 58,पराग क नगारवा बो मावुता 22,दुबे रन आउट 26, सिंह नाबाद 11,सुंदर नाबाद 01 ,**अतिरिक्तः** 10,कुलः20 ओवर में छह विकेट परः 167 रन,विकेट पतनः1-13, 2-38, 3-40, 4-105, 5-135, 6-153,**गेंदबाजीः**रजा 4-0-37-1, नगारवा 4-0-29-1,अकरम 4-0-39-0,मुजरबानी 4-0-19-2,मावुता 4-0-39-1

जिंबाब्वेः माधेवेरे बो मुकेश 00, मरूमानी पगबाधा बो सुंदर 27, बेनेट क दुबे बो मुकेश 10,मायर्स क अभिषेक बो दुबे 34, रजा रन आउट 08,कैंपबेल क देशपांडे बो दुबे 04, मेडेंडे क सैमसन बो अभिषेक 01, अकरम क सैमसन बो मुकेश 27,मावुता क एवं बो देशपांडे 04,मुजरबानी नाबाद 01,नगारवा बो मुकेश 00, अतिरिक्तः 09,कुलः18.3 ओवर में सभी विकेट खोकरः 125 रन, **विकेट पतनः** 1-1, 2-15, 3-59, 4-85, 5-87, 6-90, 7-94, 8-120, 9-123, गेंदबाजीः मुकेश 3.3-0-22-4, देशपांडे 3-0-25-1, बिश्नोई 3-0-23-0, सुंदर 2-0-7-1, अभिषेक 3-0-20-1 , दुबे 4-0-25-2

स्कीट निशानेबाज भवतेग जूनियर विश्व कप में फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में

नई दिल्ली। स्कीट निशानेबाज भवतेग सिंह गिल ने क्वालीफिकेशन के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और रविवार को इटली के पोरपेटो में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में 75 में से 74 निशाने साधकर तीसरे स्थान पर हैं। इस स्पर्धा में भाग लेने वाले सभी 68 प्रतिभागी सोमवार को दो अंतिम क्वालीफिकेशन दौर पूरे करने के लिए दोबारा निशानेबाजी रेंज पर उतरेंगे जिसके बाद शीर्ष छह निशानेबाज फाइनल में पहुंचेंगे। भारत ने अब तक महिला ट्रैप में सबीरा हैरिस के जरिए प्रतियोगिता में एकमात्र कांस्य पदक जीता है। अमेरिका के बेंजामिन केलर और जोर्डन सैप 75-75 के परफेक्ट स्कोर के साथ स्कीट स्पर्धा में शीर्ष पर हैं। भवतेग ने एकमात्र निशाना पहले दौर में चूका। उनके हमवतन जोरावर बेदी (69) और मुनेक बट्टुला (66) क्रमशः 25वें और 47वें स्थान पर हैं। महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में वंशिका तिवारी सर्वश्रेष्ठ भारतीय रहीं।

शुभंकर शर्मा संयुक्त 61वें और थेगाला चौथे स्थान पर

नॉर्थ बेरविक (स्कॉटलैंड)। भारत के शुभंकर शर्मा ने तीसरे दौर में इवन पार 70 का स्कोर बनाया जिससे वह जेनेसिस स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 61वें स्थान पर पहुंच गए।शुभंकर ने छह बर्डी लगाई लेकिन इसकेसाथ इतनी ही बोगी कर बैठे। तीसरे दौर के बाद उनका कुल स्कोर तीन अंडर है।स्वीडन के लुडविग एबर्ग ने 17 अंडर के कुल स्कोर के साथ दो शॉट की बढ़त हासिल कर ली है। स्थानीय खिलाड़ी रॉबर्ट मैकइंटायर 15 अंडर के साथ दूसरे जबकि फीजी के पूर्व विजेता एडम स्कॉट 14 अंडर का कुल स्कोर बनाकर तीसरे स्थान पर है। भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी साहित थेगाला (65-66-66) अमेरिका के कोलिन मोरिकावा (66), दक्षिण कोरिया के सुंगजे इम (67) और फ्रांस के एंटोनी रोजनर (68) के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर है। इन सभी का कुल स्कोर 13 अंडर है।

रंधावा सीनियर स्विस ओपन में संयुक्त छठे स्थान पर

जिनेवा (स्विट्जरलैंड)। भारत के ज्योति रंधावा 50 साल से अधिक उम्र के गोल्फरों के लिए यूरोप के लीजेंड्स टूर के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे सीनियर स्विस ओपन के दूसरे दौर में 69 का कार्ड खेल कर संयुक्त छठे स्थान पर पहुंच गए है। इस 52 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले दौर में 66 का कार्ड खेला था और दो दौर के बाद उनका कुल स्कोर 5 अंडर है। पहली बार लीजेंड्स टूर में खेल रहे रंधावा ने दूसरे दौर में दो बर्डी बनाई लेकिन इसके साथ एक बोगी भी की। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी जीव मिल्खा सिंह ने पहले दौर में 68 का कार्ड खेला था लेकिन दूसरे दौर में वह अपने इस प्रदर्शन को नही दोहरा पाए और 72 का कार्ड खेलने के कारण 29वें स्थान पर खिसक गए। उन्होंने दो बर्डी, एक ईगल, चार बोगी और एक डबल बोगी की। इंग्लैंड के एंड्रयू मार्शल (66-66) और ब्राजील के एडिलसन डा सिल्वा (64-68) संयुक्त बढ़त पर है।

अदिति एवियन में 22वें स्थान पर पहुंची

एवियन लेस बैंस (फ्रांस)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने तीसरे दौर के आखिरी चार होल में तीन बर्डी लगाकर चार अंडर 67 का कार्ड बनाया जिससे वह 22 पायदान की छलांग लगाकर अमुंडी एवियन चैम्पियनशिप में संयुक्त 22वें स्थान पर पहुंच गई।अब तक 30 से अधिक मेजर खेल चुकी अदिति का कुल स्कोर तीन दौर के बाद पांच अंडर पर है।इससे पहले एक अन्य भारतीय खिलाड़ी दीक्षा डागर ने पहले दौर में 76 के स्कोर के बाद इस प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था। अदिति और दीक्षा दोनों ही पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि 80 लाख अमेरिकी डॉलर है, जिसमे से विजेता को 12 लाख डॉलर मिलेंगे।

अटवाल कौलिग चैंपियनशिप में संयुक्त 59वें स्थान पर खिसके

अक्रोन (ओहियो)। भारतीय खिलाड़ी अर्जुन अटवाल ने 50 वर्ष से अधिक उम्र के खिलाड़ियों के बीच खेली जा रही कौलिग गोल्फ चैंपियनशिप के तीसरे दौर में निराशाजनक प्रदर्शन किया जिससे वह नीचे खिसक गए। अटवाल ने पहले दो दौर में 74 और 71 का स्कोर बनाया था। तीसरे दौर में भी उन्होंने 73 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर 8 ओवर हो गया है तथा वह संयुक्त 59वें स्थान पर खिसक गए है। दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त 47वें स्थान पर थे। यहां तीसरी बार खिताब जीतने की क्वायद में लगे स्टीव स्ट्राइकर ने एक शॉट की बढ़त हासिल कर ली है। उनके बाद एर्नी एल्स और रॉबर्ट कार्लसन संयुक्त दूसरे स्थान पर है।

भारतीय अभियान का जश्न मनाने के लिए पेरिस में मैराथन शुरू

भाषा। नई दिल्ली

भारत के ओलंपिक अभियान और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) से ईस्पोर्ट्स को मान्यता मिलने का जश्न मनाने के लिए रविवार को यहां पेरिस में भारत मैराथन को हरी झंडी दिखाई गई केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह और सांसद मनोज तिवारी ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई। भारत के कुल 118 खिलाड़ी 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे। इनमें भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं। आइओसी ने हाल में ईस्पोर्ट्स को मान्यता प्रदान की थी। आईओसी और सऊदी अरब सरकार के बीच अगले साल सऊदी अरब में ईस्पोर्ट्स ओलंपिक के आयोजन को लेकर करार भी हुआ है। यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, पेरिस में भारत कार्यक्रम पारंपरिक खेलों के बीच ईस्पोर्ट्स को मान्यता प्रदान करता है। इस दौड़ का उद्देश्य पारंपरिक खेलों को तेजी से बढ़ते भारतीय ईस्पोर्ट्स के साथ जोड़ना है। इस अवसर पर गिरिराज ने कहा, डिजिटल इंडिया के बढ़ते अवसर ईस्पोर्ट्स जैसे नए खेलों का लाभ उठाने की बहुत संभावनाएं प्रदान करते हैं।

भारतीय मुक्केबाजी में ओलंपिक पदक का रंग बदलना चाहता हूं: निशांत देव

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से लबरेज मुक्केबाज निशांत देव की निगाहें इस महीने पेरिस ओलंपिक में भारत के मुक्केबाजी पदकों के रंग को कांसे से बदलकर स्वर्ण में करने पर लगी है। भारत के लिए तीन मुक्केबाज विजेंदर सिंह (2008), एमसी मैरीकॉम (2012) और लवलीना बोरगोहेन (2021) ने ओलंपिक पदक जीते है जिसमें सभी का रंग कांस्य पदक रहा है। लेकिन देव को भरोसा है कि उनके पास लाइट मिडिलवेट (71 किग्रा) वजन फाइनल तक पहुंचने की काबिलियत है और वह स्वर्ण पदक जीतने का भी माद्दा रखते है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा कराई बातचीत के दौरान देव ने कहा, मेरा लक्ष्य मुक्केबाजी में मिले पदकों का रंग बदलना है। हमारे देश के मुक्केबाजों ने अब तक कांस्य पदक जीते है, पर स्वर्ण और रजत पदक नही जीत सके है। देव ने कहा, मैं कांस्य को रजत नहीं बल्कि स्वर्ण में बदलना चाहता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि मैं यह उपलब्धि हासिल कर सकता हूं। मेरी ट्रेनिंग अच्छी रही है। लेकिन अंत में यह भगवान पर निर्भर करता है। यह 23 वर्षीय मुक्केबाज 2021 में पहली बार विश्व चैम्पियनशिप में क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर सुर्खियों में आया। दो साल बाद देव ने विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कहा, यह मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय पदक था और यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि थी। देव ने विश्व चैम्पियनशिप के अंतिम आठ चरण में क्यूबा के जार्ज क्यूलार पर सर्वसम्मत फैसले में जीत हासिल की थी। वह मानते है कि क्यूबा, अमेरिका, रूस और कजाकिस्तान जैसे मजबूत देशों के मुक्केबाजों का सामना करने से उनका डर खत्म हो गया जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिली।

वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन विम्बलडन पुरूष फाइनल देखने पहुंची

लंदन। कैंसर का उपचार करा रही ब्रिटेन की वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन विम्बलडन टेनिस चैम्पियनशिप का पुरूष एकल फाइनल देखने के लिए रविवार को आल इंग्लैंड क्लब पहुंची। कैंसर से पीड़ित होने की घोषणा के बाद से वह दूसरी दफा सार्वजनिक तौर पर नजर आईं। नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्काराज के बीच फाइनल मैच के दौरान उनके सेंटर कोर्ट में रॉयल बॉक्स में बैठने की उम्मीद है। वह मुकाबले के बाद विजेता को ट्रॉफी प्रदान करेंगी। खुद टेनिस खिलाड़ी रह चुकी मिडलटन 2016 से आल इंग्लैंड लॉन टेनिस की संरक्षक हैं।

सिनियाकोवा व टाउनसेंड को विंबलडन महिला युगल खिताब

भाषा। लंदन

कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में महिला युगल का खिताब जीता। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने शनिवार को खेले गए फाइनल में गैब्रिएला डाब्रोवस्की और एरिन रूटलिफ को 7-6 (5), 7-6 (1) से हराया। सिनियाकोवा का विंबलडन में यह तीसरा महिला युगल खिताब है। उन्होंने लंबे समय तक अपनी युगल जोड़ीदार रही बारबोरा क्रेजिकोवा के विंबलडन एकल खिताब जीतने के कुछ देर बाद अपने नाम पर एक और ट्रॉफी जोड़ी। चेक गणराज्य की सिनियाकोवा ने हमवतन क्रेजिकोवा के साथ मिलकर सात ग्रैंडस्लैम महिला युगल खिताब जीते हैं। उन्होंने इस साल फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ के साथ जोड़ी बनाकर खिताब जीता था। टाउनसेंड के साथ यह उनका पहला खिताब है। टाउनसेंड का यह पहला ग्रैंडस्लैम खिताब है।

पैटन-हेलियोवारा ने को पुरूष युगल का खिताब

लंदन। हेनरी पैटन और हैरी हेलियोवारा की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दूसरे सेट में तीन मैच प्वाइंट बचाकर विबलडन टेनिस टूर्नामेंट मे पुरूष युगल का खिताब जीता।पैटन और हेलियोवारा ने बेहद संघर्षपूर्ण फाइनल मे ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी मैक्स पर्सेल और जॉर्डन थॉम्पसन को 6-7 (7), 7-6 (8), 7-6 (11-9) से हराकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। हेलियोवारा फिन्लैंड के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए है जिन्होंने विबलडन मे पुरूष युगल का खिताब जीता। मैच जीतने के बाद वह अपने आंसू नही रोक पाए। पैटन पेशेवर युग मे ऑल इंग्लैड क्लब में पुरूष युगल जीतने वाले तीसरे ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए है। उनसे पहले 2012 मे जोनाथन मैरे और पिछले साल नील स्कूप्स्की ने यह खिताब जीता था।

गायकवाड़ को इलाज के लिए एक करोड़ देगा बीसीसीआई

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने लंदन में कैंसर का इलाज करा रहे पूर्व क्रिकेटर और कोच अंशुमन गायकवाड़ के उपचार के लिए एक करोड रुपए जारी करने का फैसला किया है।बीसीसीआई का यह फैसला पूर्व कप्तान कपिल देव और संदीप पाटिल की भावनात्मक अपील के बाद आया है, जिन्होंने क्रिकेट बोर्ड से गायकवाड़ की मदद करने का आग्रह किया था।बीसीसीआई की शीर्ष परिषद ने यहां जारी बयान में कहा, (सचिव) जय शाह ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को कैंसर से जूझ रहे पूर्व क्रिकेटर अंशुमन गायकवाड़ को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल एक करोड़ रुपए जारी करने का निर्देश दिया है। भारत के पूर्व कप्तान डीके गायकवाड़ के बेटे अंशुमन गायकवाड़ लंदन के किंग्स कॉलेज अस्पताल में रक्त कैंसर का इलाज करा रहे हैं।बयान के अनुसार, शाह ने गायकवाड़ के परिवार से भी बात की और स्थिति का जायजा लिया और सहायता प्रदान की। बोर्ड संकट की इस घड़ी में गायकवाड़ के परिवार के साथ है तथा गायकवाड़ के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह करेगा। बयान में आगे कहा गया, बीसीसीआई गायकवाड़ की प्रगति पर नजर रखेगा तथा उसे विश्वास है कि वह इस दौर से मजबूती से बाहर निकलेंगे। गायकवाड़ ने 1975 से 1987 के बीच भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वनडे मैच खेले। वह बाद में भारतीय टीम के कोच भी रहे।

अनहत और शौर्य विश्व जूनियर स्क्वाश चैम्पियनशिप के चौथे दौर में

नई दिल्ली। भारत की अनहत सिंह और शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश चैम्पियनशिप में क्रमशः लड़कियों और लड़कों के वर्ग के चौथे दौर में प्रवेश किया। मौजूदा महिला राष्ट्रीय चैम्पियन अनहत ने तीसरे दौर में अमेरिका की सामंथा जाफे को 11-7, 12-10, 11-6 से मात दी। अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना जापान की अकारी मिडोरिकावा से होगा। वहीं बावा ने तीसरे दौर में अमेरिका के रस्टिन विसर को 4-11, 11-7, 12-10, 11-6 से पराजित किया जिससे प्री क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत अर्जेंटीना के सेगुंडो पोर्टाबेल्स से होगी।

लखनऊ के खिलाड़ियों का दबदबा जारी

तीसरे दिन जीते 5 स्वर्ण

उत्तर प्रदेश राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप

लखनऊ। लखनऊ के खिलाड़ियों ने 40वीं सब जूनियरए 8वीं कैडेटए 42वीं जूनियर व 41वीं सीनियर क्योरगी व आठवीं पूमसे उत्तर प्रदेश राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप.2024 में अपना दबदबा बनाए रखते हुए पांच स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमा लिया। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में लखनऊ जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैंपियनशिप में अज मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने भी 2 स्वर्ण पदक जीते। वहीं गोरखपुरए साई लखनऊ बागपत, गाजीपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद, जालौन व यूपी पुलिस ने भी एक.एक स्वर्ण पदक अपने नाम किए। तीसरे दिन मेजबान लखनऊ ने 5 स्वर्ण, 5 रजत व 9 कांस्य पदक अपने नाम किए और अब तक कुल 17 स्वर्णए 13 रजत व 15 कांस्य पदक जीतकर अभी भी होड़ में सबसे आगे हैं। आज लखनऊ के उज्जवल, नायरा शाहए सौम्या तिवारीए अन्वेषा जैनए रिया वमा, मुरादाबाद के आशीष सिंह, नित्या त्यागी, गोरखपुर की अंशिका शुक्ला, साई लखनऊ की जया कुमार, बागपत की अंशिका खोखरए गाजीपुर के रूद्र यादवए प्रयागराज के श्याम जायसवाल, गाजियाबाद के पार्थ भारद्वाजए यूपी पुलिस की रिशिता राय व जालौन की मेहर नंदिनी ने अपने अपने भार वर्गो में स्वर्णिम सफलता हासिल की।

जिया व सौम्या ने जमाई धाक

लखनऊ। 38वीं सब जूनियर और 53वीं जूनियर स्टेट स्विमिंग चैंपियनशिप लखनऊ के दूसरे दिन 5 नए मीट रिकॉर्ड तोड़े गए। 36 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक महिला में सौम्या चौहान , एनआर 37 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक पुरुष में दक्ष पांडे एनआर, 100 मीटर बटरफ्लाई पुरुष यशवंत सिंह , 100 मीटर बटरफ्लाई पुरुष कृष्णा यादव एनआर व 200 मीटर बैक स्ट्रोक महिला जिया यादव ने धाक जमाई।

अनुष्का चौहान का चयन राष्ट्रीय बास्केटबॉल महिला शिविर में

लखनऊ। शहर की अनुष्का चौहान का चयन अंडर.18 राष्ट्रीय भारतीय बास्केटबॉल महिला शिविर के लिए हो गया है। वह यूपी से चयनित पहली महिला खिलाड़ी हैं। यह कैंप 25 अगस्त तक मध्य प्रदेश में चलेगाए जिसमें देशभर से 12 खिलाड़ी ट्रेनिंग लेंगे। अनुष्का चौहानए जो कि स्पोर्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन टीम की एक उत्कृष्ट बास्केटबॉल खिलाड़ी हैंए को भारतीय बास्केटबॉल टीम कैंप के लिए चुना गया है जो न.18 बास्केटबॉल 3ग3 वर्ल्ड कप के लिए है। यह प्रतिष्ठित आयोजन 26 से 30 अगस्त 2024 तक डेब्रेसेन हंगरी में आयोजित होगा। स्पोर्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन के संस्थापक आलोक कुमार शुक्ला, सचिव महर्षि दुबे और कोषाध्यक्ष प्रकाश चौबे ने अनुष्काए उनके परिवार और विशेष रूप से उनके पिता को हार्दिक बधाई दी है।

क्विक न्यूज

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की अगुआई करेंगी मीनू मनि

मुंबई। ऑफस्पिनर मीनू मनि सात अगस्त से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत ए महिला टीम की अगुआई करेंगी। श्वेता सेहरावत को उप कप्तान बनाया गया है। भारत को आगामी दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन टी20, तीन 50 ओवर के मैच और एक चार दिवसीय मैच खेलना है। टीम में साजना सजीवन, उमा छेत्री और साइका इशाक को भी जगह मिली है। शबनम शकील को भी टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर करेगा। सत्ताइस वर्षीय तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर को स्टैंडबाय के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। भारत ए टीमः मीनू मनि (कप्तान), श्वेता सेहरावत, प्रिया पूनिया, शुभा सतीश, तेजल हसबनिस, किरण नवगिरे, साजना सजीवन, उमा छेत्री, शिप्रा गिरी, राघवी बिष्ट, साइका इशाक, मन्नत कश्यप, तनुजा कंवर, प्रिया मिश्रा, मेघना सिंह, सायली सतघरे, शबनम शकील और एस यशश्री। स्टैंडबायः साइमा ठाकोर-कार्यक्रमःसात अगस्त - पहला टी20 (एलेन बॉर्डर फील्ड, ब्रिसबेन), नौ अगस्त - दूसरा टी20 (एलेन बॉर्डर फील्ड, ब्रिसबेन) , 11 अगस्त - तीसरा टी20 (एलेन बॉर्डर फील्ड, ब्रिसबेन) , 14 अगस्त - पहला 50 ओवर का मुकाबला (मैकाय),16 अगस्त - दूसरा 50 ओवर का मुकाबला (मैकाय),18 अगस्त - तीसरा 50 ओवर का मुकाबला (मैकाय),22-25 अगस्त - चार दिवसीय मुकाबला (गोल्ड कोस्ट)

कनाडा को हराकर तीसरे स्थान पर रहा उरुग्वे

चार्लोट (अमेरिका)। स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से बराबरी करने वाले उरुग्वे ने कनाडा को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट मे तीसरा स्थान हासिल किया।उरुग्वे निर्धारित समय से कुछ मिनट पहले तक एक गोल से पीछे था लेकिन सुआरेज के गोल की मदद से वह 2-2 से बराबरी करने मे सफल रहा।पेनल्टी शूट आउट में उरुग्वे की तरफ से फेडेरिको वाल्वरडे, रोड्रिगो बेंटानकुर, जियोर्जियन डी अर्स्काएटा और सुआरेज़ ने जबकि कनाडा की तरफ से जोनाथन डेविड, मोइज़ बॉम्बिटो और मैथ्यू चोइनियर ने गोल किए। इससे पहले बेंटानकुर ने आठवे मिनट मे उरुग्वे को बढ़त दिला दी थी लेकिन कनाडा ने 22वें मिनट में इस्माइल कोने और 80वें मिनट में डेविड के गोल से 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।

हम बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करना चाहते थेः जायसवाल

हरारे। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने खुलासा किया कि जिंबॉब्वे के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वह और कप्तान शुभमन गिल बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करना चाहते थे जिसमे वह सफल भी रहे।जिंबॉब्वे ने भारत के सामने 153 रन का लक्ष्य रखा था। जायसवाल और गिल ने नाबाद अर्धशतक जमाए जिससे भारत ने 15.2 ओवर में लक्ष्य हासिल करके 10 विकेट से जीत दर्ज की।जायसवाल ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए वीडियो में कहा, हम केवल मैच का सकारात्मक अंत करने के बारे में सोच रहे थे और यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि टीम जीते और हम बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करें। इस मैच मे जीत से भारत ने पांच मैच की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल की। जायसवाल ने शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और नाबाद 93 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल है।उन्होने कहा, मैंने आज खेल का पूरा आनंद लिया। शुभमन भाई के साथ शानदार अनुभव रहा। मुझे जब भी भारत की तरफ से खेलने का मौका मिला मैंने उसका पूरा लुत्फ उठाया और मुझे गर्व महसूस हुआ। जायसवाल भारत के टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य भी थे और उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का हिस्सा बनने से वह गौरवान्वित महसूस करते है। , विश्व कप चैंपियन टीम का हिस्सा होने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला। मै वास्तव में काफी उत्साहित था। मुझे जब भी मौका मिला मै अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करता हूं तथा यह सुनिश्चित करता हूं कि मै टीम के लिए योगदान दे रहा हूं और अपनी टीम के लिए मैच जीत रहा हूं।

अनिर्बान लाहिड़ी को स्पेन में चार शॉट की बढ़त

सोटोग्रांडे, (स्पेन)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर मे पांच अंडर 66 का कार्ड खेलकर यहां लिव गोल्फ एंडालुसिया मे चार शॉट की बढ़त हासिल कर ली और इस तरह से लिव गोल्फ सीरीज में अपने पहले खिताब की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए।क्रशर टीम के सदस्य लाहिड़ी ने दूसरे दौर के अंतिम 13 होल मे छह बर्डी बनाई और इस बीच कोई बोगी नही की। इस 37 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले दौर में दो अंडर 69 का स्कोर बनाया था।लाहिड़ी का स्कोर दूसरे दौर के बाद सात अंडर पर है। न्यूजीलैंड के डैनी ली तीन अंडर के साथ उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंदी है। यह भारतीय खिलाड़ी पिछले नौ साल से कोई खिताब नही जीत पाया है। उन्होंने अपना आखिरी खिताब हीरो इंडियन ओपन मे जीता था। लाहिड़ी, कप्तान ब्रायसन डेचैम्ब्यू के 67 और पॉल केसी के 69 के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम का कुल स्कोर 11 अंडर हो गया है और यह टीम शीर्ष पर बनी हुई है।

हॉकी सब जूनियर पुरूष और महिला उत्तर क्षेत्र चैंपियनशिप झांसी में

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया की सब जूनियर पुरूष और महिला उत्तर क्षेत्र चैंपियनशिप सोमवार से झांसी में आयोजित की जाएगी, जिसका फाइनल 22 जुलाई को खेला जाएगा। पुरूष वर्ग में पूल ए मे हॉकी हरियाणा, हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी उत्तराखंड जबकि पूल बी मे उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी पंजाब, दिल्ली हॉकी और हॉकी जम्मू एवं कश्मीर शामिल है। महिला वर्ग मे हॉकी हरियाणा, हॉकी उत्तर प्रदेश, हॉकी पंजाब, हॉकी हिमाचल, हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी उत्तराखंड की टीम शामिल हैं। पुरूष वर्ग का पहला मैच हॉकी पंजाब और हॉकी जम्मू कश्मीर के बीच जबकि महिला वर्ग मे पहला मैच हॉकी पंजाब और हॉकी हिमाचल के बीच खेला जाएगा।

अंकित व अनुसूया भंडारी ने जीती एलीट मैराथन

लखनऊ । अंकित शुक्ला व डाण्अनुसूया भंडारी ने सेंट फ्रांसिस स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 5 किमीण् की एलीट मैराथन में पहला स्थान हासिल किया। 5 किमीण् की इस फन रन की शुरुआत रविवार सुबह गोमतीनगर मरीन ड्राइव से हुई और समता मूलक चौराहे से होते हुए वापस मरीन ड्राइव पर खत्म हुई।यह मैराथन मरीन ड्राइव गोमती नगर से शुरू होकर के क्षमता मूलक चौक होते हुए मरीन ड्राइव पर समाप्त हुई। इस दौड़ को आयोजन सचिव सिद्धार्थ अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दूसरी ओर समापन समारोह में डॉ आनन्द किशोर पांडेय ;निदेशक स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया एवं संयुक्त सचिव लखनऊ ओलंपिक एसोसिएशन ने पुरस्कार वितरित किए।आज इस रन में 120 प्रतिभागियो ने भाग लिया जिसमें हुई कड़ी स्पर्धा के बाद पुरुषों में अंकित शुक्ला पहले स्थान पर रहे। अमन वर्मा को दूसरा व हिमांशु प्रजापति को तीसरा स्थान मिला। महिला वर्ग में में डाण्अनुसूया भंडारी ने पहला स्थान प्राप्त किया जबकि गायत्री दूसरे स्थान पर रही। मीनाक्षी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः011-69342500।